हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com
बिलासपुर, बुधवार 19 नवंबर 2025

350वां शहीदी दिवस

श्री गुरु तेग़ बहादुर जी

भाई मती दास जी,
भाई सती दास जी,
भाई दयाला जी

को समर्पित

नगर कीर्तन एवं समागमों का विवरण

श्रीनगर से श्री आनंदपुर साहिब (19-22 नवंबर, 2025)

1. श्रीनगर
2. जम्मू
3. पठानकोट
4. दसूहा
5. होशियारपुर
6. माहिलपुर
7. गढ़शंकर
8. श्री आनंदपुर साहिब

पड़ाव
दिन 1 – जम्मू (19 नवंबर, 2025)
दिन 2 – पठानकोट (20 नवंबर, 2025)
दिन 3 – होशियारपुर (21 नवंबर, 2025)

गुरदासपुर से श्री आनंदपुर साहिब (20-22 नवंबर, 2025)

1. गुरदासपुर
2. बटाला
3. बाबा बकाला साहिब
4. श्री अमृतसर साहिब
5. तरन तारन
6. गोइंदवाल साहिब
7. कपूरथला
8. करतारपुर
9. जालंधर
10. फ़गवाड़ा
11. बंगा
12. नवांशहर
13. बलाचौर
14. श्री आनंदपुर साहिब

पड़ाव
दिन 1 - श्री अमृतसर साहिब (20 नवंबर, 2025)
दिन 2 - जालंधर (21 नवंबर, 2025)

फ़रीदकोट से श्री आनंदपुर साहिब (20-22 नवंबर, 2025)

1. फ़रीदकोट
2. फ़िरोज़पुर
3. मोगा
4. जगराओं
5. लुधियाना
6. खन्ना
7. सरहिंद
8. फ़तेहगढ़ साहिब
9. मोरिंडा
10. चमकौर साहिब
11. रूपनगर
12. श्री आनंदपुर साहिब

पड़ाव
दिन 1 – लुधियाना (20 नवंबर, 2025)
दिन 2 – फ़तेहगढ़ साहिब (21 नवंबर, 2025)

तख्त श्री दमदमा साहिब, तलवंडी साबो से श्री आनंदपुर साहिब (20-22 नवंबर, 2025)

1. तख्त श्री दमदमा साहिब, तलवंडी साबो
2. बठिंडा
3. बरनाला
4. संगरूर
5. पटियाला
6. राजपुरा
7. बनूड़
8. साहिबज़ादा अजीत सिंह नगर
9. कुराली
10. रूपनगर
11. श्री आनंदपुर साहिब

पड़ाव
दिन 1 – संगरूर (20 नवंबर, 2025)
दिन 2 - साहिबज़ादा अजीत सिंह नगर (21 नवंबर, 2025)

श्री आनंदपुर साहिब में होने वाले समागमों का विवरण

23 नवंबर, 2025

- आरंभ श्री अखंड पाठ साहिब
- श्री गुरु तेग़ बहादुर जी के जीवन पर आधारित प्रदर्शनी का उद्घाटन
- सर्व धर्म सम्मेलन
- विरासत-ए-खालसा, भाई जैता जी मेमोरियल और पंज प्यारा पार्क का गाइडेड टूर
- ड्रोन शो
- कथा एवं कीर्तन दरबार

24 नवंबर, 2025

- शीश भेंट नगर कीर्तन (कीरतपुर साहिब से श्री आनंदपुर साहिब)
- श्री आनंदपुर साहिब में हैरिटेज वॉक
- श्री आनंदपुर साहिब में श्री गुरु तेग़ बहादुर जी को समर्पित विशेष विधानसभा सत्र
- ढाडी, कविशर दरबार
- गुरु साहिब के जीवन एवं शिक्षाओं पर आधारित नाटक/पाठ/कविता
- गतका और अन्य कार्यक्रम
- ड्रोन शो
- कथा एवं कीर्तन दरबार

25 नवंबर, 2025

- श्री अखंड पाठ साहिब के भोग की संपूर्णता
- राज्य स्तरीय रक्तदान मुहिम
- 3.50 लाख पौधे लगाने की राज्य स्तरीय मुहिम
- गुरुवाणी कीर्तन
- सरबत दा भला एकत्रता
- ड्रोन शो

धार्मिक स्वतंत्रता और मानव अधिकारों के संरक्षक, करुणा, त्याग और साहस के प्रतीक नौवें पातशाह श्री गुरु तेग़ बहादुर जी आज भी सम्पूर्ण मानवता के लिए एक प्रकाश-स्तंभ बने हुए हैं। आइए, अपने परिवारों सहित इस पवित्र धरती पर श्रद्धा से नतमस्तक होकर इन दिव्य आयोजनों का हिस्सा बनें।

सूचना एवं लोक संपर्क विभाग, पंजाब

संयुक्त भर्ती 2012 के मामले में राज्य सरकार की समीक्षा याचिका खारिज

बिलासपुर। हाईकोर्ट ने कोरिया जिले में हुई संयुक्त भर्ती 2012 के मामले में राज्य सरकार की समीक्षा याचिका खारिज कर दी है। साथ ही कोर्ट ने अगली सुनवाई के पहले याचिकाकर्ताओं की नियुक्ति प्रक्रिया पूरी करने कहा है। मामले की अगली सुनवाई 28 नवंबर को रखी गई है। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने माना कि राज्य सरकार ने उम्मीदवारों को अपात्र करने का जो आदेश जारी किया था वह प्रासंगिक दस्तावेजों और सामग्री, विशेष रूप से समिति की रिपोर्ट पर विचार किए बिना पारित किया गया था। उम्मीदवारों को सुनवाई का मौका भी नहीं दिया गया था जो न्याय के सिध्दांत के विपरीत है।

गौरतलब है कि वर्ष 2012 में कोरिया जिले में चतुर्थ श्रेणी के पदों के लिए एक संयुक्त भर्ती अभियान चलाया गया था। परीक्षा में करीब 1100 अभ्यर्थी शामिल हुए थे। चयन प्रक्रिया पूरी करने के बाद चयनित अभ्यर्थियों को ज्वाइनिंग कराई गई। कुछ

महीने बाद मेरिट लिस्ट में आने वाले 36 अभ्यर्थियों को नकल प्रकरण तैयार कर नौकरी से बर्खास्त कर दिया गया। मामले को लेकर हाईकोर्ट में चुनौती दी गई। इस निर्णय को हाईकोर्ट में चुनौती दी गई थी। लगभग 10 साल बाद, 1 जुलाई 2024 को हाईकोर्ट ने नकल प्रकरण को खारिज कर दिया और इन 36 अभ्यर्थियों को दोषमुक्त कर दिया था। इन उम्मीदवारों ने नौकरी की मांग को लेकर प्रशासन के पास आवेदन भी किया लेकिन क्रियान्वयन नहीं किया गया। शासन की ओर से सिंगल बेंच के फैसले को डीबी में चुनौती दी गई। डीबी ने भी अब राज्य सरकार की समीक्षा याचिका खारिज कर दी है।

बिना सुनवाई जांच रिपोर्ट तैयार

मामले में शासन की ओर से कहा गया था कि जांच समिति ने की रिपोर्ट में पाया गया था कि 36 उम्मीदवारों ने अनुचित साधनों का सहारा लिया था और इसलिए ही उनकी उम्मीदवारी खारिज कर दी गई। याचिकाकर्ताओं की ओर से कहा गया कि जांच समिति ने किसी भी उम्मीदवार को सुनवाई का मौका ही नहीं दिया और रिपोर्ट तैयार कर ली। दोनों पक्षों की सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने कहा है कि कि याचिकाकर्ताओं की चपरासी/चौकीदार के पदों पर नियुक्ति के लिए, जैसा भी मामला हो, विचार किया जाना चाहिए। साथ ही यह आदेश कोरिया और मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एम.सी.बी.) जिलों के विभाजन से याचिकाकर्ताओं के अधिकार प्रभावित नहीं होंगे।

अपहरण और पाक्सो एक्ट के आरोप से महिला 10 साल बाद बरी

बिलासपुर। अपने से 6 साल छोटे किशोर के अपहरण और पाक्सो एक्ट के अपराध से रायगढ़ जिले की एक महिला को करीब दस साल बाद मुक्ति मिली है। दरअसल रायगढ़ जिले की 23 वर्ष की महिला के खिलाफ अपने से 6 वर्ष छोटे नाबालिग किशोर को बहला फुसलाकर एवं बंधक बनाकर रखने का आरोप लगा था। पुलिस ने धारा 363, 368 एवं बालकों को यौन अपराध से संरक्षण अधिनियम की धारा 6 के तहत जुलाई 2015 में अपराध दर्ज कर कोर्ट में चालान पेश किया। विचारण न्यायालय ने महिला को पाक्सो की धारा 6 में अजीवन एवं 363, 368 में अलग अलग सजा सुनाई। इसके खिलाफ महिला ने 2018 में हाईकोर्ट में अपील पेश की। अपील में सुनवाई के दौरान कथित पीड़ति की उम्र 18 वर्ष से कम होने सिर्फ स्कूल के टीसी के अलावा अन्य कोई दस्तावेज पेश नहीं होने एवं पीड़ति द्वारा आरोपी के साथ एक से डेढ़ माह रहने व सहमती से संबंध बनाने की बात कही गई। बस से लौटते समय पुलिस ने उसे बरामद किया था। पीड़ति के बयान के आधार पर हाईकोर्ट ने अपील स्वीकार कर महिला को सभी अपराधों से मुक्त किया है।

रायगढ़ जिला निवासी पीड़ति के पिता ने थाने में रिपोर्ट लिखाई कि उसका 17 वर्षीय पुत्र 3 मई 2015 को अपनी बहन के घर गया था। यहां से लौटने के बाद वह 6 मई 2015 को घर से कही चला गया उसके बाद नहीं लौटा। 14 मई 2015 को पुलिस ने अपराध दर्ज किया था। 29 जुलाई 2015 को पुलिस ने किशोर को महिला से बरामद किया* उचित जाँच के बाद भारतीय दंड संहिता की धारा 363, 368 और आईपीसी की धारा 6 के तहत मामला दर्ज किया गया था।

जन्म प्रमाण पत्र पर कोर्ट ने कहा

कोर्ट ने कहा कि, स्कूल से जन्म प्रमाण पत्र या मैट्रिकुलेशन या संबंधित परीक्षा बोर्ड द्वारा जारी समकक्ष प्रमाण पत्र को सबसे पहले प्राथमिकता दी जानी चाहिए, जिसके अभाव में निगम ,नगर पालिका या पंचायत द्वारा जारी जन्म प्रमाण पत्र और उसके बाद ही इन दस्तावेज़ों की गैरमौजूदगी में उम्र का निर्धारण "एक ओसिफिकेशन टेस्ट या "संबंधित प्राधिकरण, यानी समिति या बोर्ड या न्यायालय के आदेश पर किए गए किसी अन्य नवीनतम चिकित्सा आयु निर्धारण परीक्षण" के माध्यम से किया जाना है। मामले में स्कूल स्थानांतरण प्रमाण पत्र में पीड़ति की जन्म तिथि 11 जुलाई 1997 दिखाई गई थी। महत्वपूर्ण बात यह है कि स्थानांतरण प्रमाण पत्र अभियोजन पक्ष द्वारा नहीं बल्कि अदालत द्वारा बुलाए गए गवाह द्वारा पेश किया गया था।

खबर संक्षेप

ओडिशा भेजा जा रहा 5.70 लाख का मक्का किया जब्त

जगदलपुर। जिला प्रशासन के निर्देश पर मंडी की टीम ने ओडिशा भेजा जा रहा 5.70 लाख का अवैध मक्का को जैतगिरी में जब्त किया गया। इस पर मंडी अधिनियमों के अनुसार कार्रवाई की जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मुखबीर की सूचना पर जगदलपुर के कृषि उपज मंडी के सचिव जितेन्द्र दुबे के नेतृत्व में निरीक्षक वीरेन्द्र दिल्लीवार की टीम ने जैतगिरी में सुबह ट्रक को रोका और तलाशी की। तलाशी में 300 क्विंटल 5.70 लाख रुपएलागत का मक्का मिला। ट्रक चालक से पूछताछ करने से पता चला कि यह मक्का उड़ीसा भेजा जा रहा था, लेकिन इसका कोई दस्तावेज नहीं मिला। इस पर मंडी की टीम ने जप्त कर मंडी के नियमानुसार कृषि उपज मंडी अधिनियम 1972 की धारा 23 के प्रावधानों के तहत कार्रवाई की गई।

स्थगित की गई है 17 से 19 नवंबर तक होनी वाली प्राचार्य पदोन्नति काउंसिलिंग

नियमों के फेर में उलझे शिक्षक, 50 फीसदी से अधिक आपत्ति काउंसिलिंग क्रम को लेकर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

17 नवंबर से प्राचार्य पद पर व्याख्याताओं और प्रधान पाठकों को पदोन्नत करने काउंसिलिंग प्रारंभ की जानी थी, लेकिन इसके स्थान पर इन तिथियों में दावा आपत्ति स्वीकार की जा रही है। दरअसल, लोक शिक्षण संचालनालय ने आदेश जारी कर 17 से 19 नवंबर तक का समय काउंसिलिंग के लिए तय किया था। इसके पूर्व कई शिक्षकों, व्याख्याताओं और प्रधान पाठकों द्वारा आवेदश पेश किया गया कि उन्हें दावा आपत्ति के लिए समय नहीं दिया गया है। आवेदनों की संख्या को देखते हुए लोक शिक्षण संचालनालय ने अवकाश के दिन आदेश जारी कर काउंसिलिंग स्थगित कर दी थी।

- कमेटी के पास आ रही दावा आपत्तियों में अधिकतर काउंसिलिंग में नाम पीछे आने की शिकायत

सूची पर दावा आपत्ति पेश करने बुधवार को अंतिम दिन है। सूत्रों के अनुसार, 100 के करीब दावा आपत्तियां आ चुकी हैं। इनमें से अधिकतर काउंसिलिंग सूची में क्रम को लेकर है। पदोन्नत होने वाले कई भावी प्राचार्यों का आरोप है कि काउंसिलिंग सूची में उनका नाम ऊपर होना चाहिए, लेकिन उनके नाम के आगे भी कई नाम दर्ज हैं। गौरतलब है कि काउंसिलिंग सूची में जो नाम ऊपर होते हैं, उन्हें पहले बुलाया जाता है। इसी क्रम में सारी काउंसिलिंग पूर्ण होती है। जिन्हें पहले आमंत्रित किया जाता है, उन्हें शाला चयन के लिए अपेक्षाकृत अधिक विकल्प मिलते हैं।

इसलिए उलझे शिक्षक

काउंसिलिंग 2:1:1 में होनी है। अर्थात 2 नियमित व्याख्याता, एक एलबी वर्ग के व्याख्याता और एक प्रधान पाठक को काउंसिलिंग के लिए आमंत्रित किया जाएगा। इनमें भी पहले जल्द रिटायर होने वालों को प्राथमिकता दी जाएगी। इसके पश्चात दिव्यांगों को, महिलाओं को तथा अंत में पुरूष कैंडिडेट को मौका मिलेगा। इस नियम को लेकर ही शिक्षकों में असमंजस की स्थिति है। एक वर्ग इस नियम की व्याख्या उचित रूप से नहीं समझ सके। उनके मुताबिक, पहले सभी नियमित व्याख्याताओं की काउंसिलिंग होनी चाहिए। इसके पश्चात एलबी वर्ग के व्याख्याताओं की और अंत में प्रधान पाठकों की। उनके अनुसार, काउंसिलिंग के लिए वरिष्ठता सूची भी इसी आधार पर जारी होनी थी। नियमों के इन फेर में उलझने के कारण ही बड़ी संख्या में दावा आपत्तियां आई हैं।

पीएससी ने अनुमोदित की है सूची

प्राचार्य पदोन्नति के लिए जारी की गई सूची में किसी तरह की गड़बड़ी की गुंजाइश ना रहे, इसलिए राज्य लोक सेवा आयोग की भी मदद ली गई है। प्राचार्यों की सूची पीएससी द्वारा अनुमोदित की गई है। इस सूची के माध्यम से ही ट्राइबल वर्ग के शिक्षकों को प्राचार्य पद पर पदोन्नत किया जा चुका है। अंदरूनी सूत्रों के अनुसार, सूची में जिन नामों को प्राचार्य पद पर पदोन्नत करने शामिल किया गया है, उनमें अधिक विवाद नहीं है। दस्तावेजों के सत्यापन और विभागीय जांच-पड़ताल के बाद ही सूची तैयारी की गई है। छग शिक्षक संघ ने इनका निपटान जल्द करने की मांग की है। प्रांताध्यक्ष संजय शर्मा ने कहा, सूची पीएससी ने तैयार की है। जब इस सूची के आधार पर ट्राइबल वर्ग के शिक्षकों की काउंसिलिंग हो चुकी है, तो अन्य वर्ग में आपत्ति नहीं आनी चाहिए।

टीईटी को पदोन्नति में अनिवार्य रूप से लागू कराने शिक्षक पहुंचे हाईकोर्ट

बिलासपुर। टीईटी को लेकर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद शिक्षकों ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर राज्य सरकार पर शीर्ष अदालत के आदेश का अवहेलना करने का आरोप लगाया है। याचिकाकर्ता शिक्षकों ने कहा कि राज्य सरकार शिक्षकों के पदोन्नति में टीईटी को अनिवार्य शर्त के रूप में शामिल नहीं किया है। मामले की सुनवाई के बाद डिवीजन बेंच ने राज्य सरकार को नोटिस जारी कर इस संबंध में स्थिति स्पष्ट करने का निर्देश दिया है। दिनेश कुमार साहू एवं अन्य ने अपने अधिवक्ता के माध्यम से हाई कोर्ट में याचिका दायर की है। दायर याचिका में आरोप लगाया है कि शिक्षक पात्रता परीक्षा (टैट) को पदोन्नति हेतु छत्तीसगढ़ स्कूल शिक्षा सेवा (शैक्षणिक एवं प्रशासनिक संवर्ग) भर्ती एवं पदोन्नति नियम, 2019 के संबंध में इसकी अनिवार्यता नहीं रखी है। इससे सुप्रीम कोर्ट के आदेश का सीधा-सीधा उल्लंघन हो रहा है। शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 की धारा 23(1), राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद की अधिसूचना, और सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का उल्लंघन है। याचिकाकर्ताओं ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश का हवाला देते हुए लिखा है कि सुप्रीम कोर्ट के 1 सितंबर 2025 के निर्णय के अनुसार, जिन शिक्षकों का सेवा में पांच वर्ष से कम समय शेष हैं, वे बिना टीईटी पास किए भी सेवानिवृत्ति तक सेवा जारी रख सकते हैं, लेकिन यदि वे पदोन्नति चाहते हैं तो टीईटी पास करना आवश्यक है।

सुप्रीम कोर्ट का यह है निर्देश

सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि जिन शिक्षकों के सेवा में पांच वर्ष या उससे अधिक शेष है, उन्हें दो वर्षों के भीतर टीईटी परीक्षा पास करनी होगी, अन्यथा उन्हें सेवा से वंचित किया जाएगा या अनिवार्य सेवानिवृत्ति दी जाएगी। इसके साथ अंतिम लाभ नियमों के अनुसार दिया जाएगा। बॉम्बे हाईकोर्ट के 16 सितंबर 2025 के आदेश का हवाला देते हुए बताया कि कोर्ट ने कहा है कि जो शिक्षक 1 सितंबर 2025 से पहले टीईटी या केंद्रीय टीईटी पास कर चुके हैं, वे सेवा में रहेंगे, और जिन शिक्षकों ने टीईटी पास नहीं किया है, उन्हें दो वर्ष का समय दिया जाए। छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने इन निर्णयों के परिप्रेक्ष्य में राज्य सरकार से कहा है कि वे टीईटी को पदोन्नति में अनिवार्य बनाने के मुद्दे पर अपना पक्ष स्पष्ट करें।

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

आनंद का सच्चा भाव®

18 कैरेट रेट* (75.00%) =	₹91457/-
22 कैरेट रेट* (91.60%) =	₹111700/-
24 कैरेट रेट* (99.99%) =	₹121931/-

सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra

*Conditions apply

aNaND Jewels Pandri, Raipur

नर्सिंग काउंसलिंग प्रारंभ

बी.एस.सी (N), एम.एस.सी (N) पोस्ट बेसिक बी.एस.सी (N)

ऑनलाइन चॉइस फिलिंग की तिथि

17-11-25 से 22-11-25 तक

श्री रावतपुरा सरकार ग्रुप ऑफ़ इंस्टीट्यूशन्स 7222910430/72

श्री रावतपुरा सरकार कॉलेज ऑफ नर्सिंग, रायपुर 7222910473

मदर टेरेसा कॉलेज ऑफ नर्सिंग, कुम्हारी 7222910451

रविशंकर इंस्टिट्यूट ऑफ़ नर्सिंग, नया रायपुर 7222910424

बड़े हमलों में शामिल हिड़मा

वर्ष 2010
दंतेवाड़ा हमले में 76 सीआरपीएफ जवान शहीद

वर्ष 2013
झीरम घाटी नरसंहार में 27 लोग मारे गए। जिनमें शीर्ष कांग्रेसी नेता शामिल

वर्ष 2021
सुकमा-बीजापुर मुठभेड़ में भी, जिसमें 22 सुरक्षा कर्मी शहीद हुए थे।

चार राज्यों में आतंक का पर्याय रहा मोस्ट वांटेड खूंखार नक्सली हिड़मा पत्नी भी ढेर

छत्तीसगढ़ समेत चार राज्यों में मोस्ट वांटेड खूंखार नक्सली कमांडर हिड़मा मारा गया। सुकमा जिला के पड़ोसी राज्य आंध्रप्रदेश की मारेडपल्ली घाटी में मंगलवार की सुबह चली मुठभेड़ में सुरक्षा जवानों ने सेंट्रल कमेटी मेंबर बटालियन नम्बर एक के कमांडर हिड़मा और उसकी पत्नी राजे सहित 6 नक्सलियों को मार गिराया। हिड़मा वही खूंखार नक्सली था, जिसने दरभा घाटी में 26 कांग्रेसी नेताओं को एंबुश में फंसाकर मारा था। उसके खिलाफ कई संगीन मामले हैं। हिड़मा की मौत नक्सलवाद की बुनियाद हिलाने वाली है।

215 सुरक्षा जवानों समेत 350 की मौत का जिम्मेदार था हिड़मा

अबूझ आतंक का अंत!

मारा गया टॉप नक्सली कमांडर हिड़मा, दरभा नरसंहार समेत 26 बड़े हमलों में था शामिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर/ कोंटा

ख़ास ख़बर

आंध्र पुलिस ने रमपा सोडावारम में हिड़मा उसके पत्नी एवं अन्य नक्सलियों का शव रखा हुआ है। इस मुठभेड़ से छत्तीसगढ़ सहित आंध्रप्रदेश, तेलंगाना, ओडिशा राज्य के पुलिस महकमे तथा खुफिया विभाग में खुशी का माहौल है। सुकमा जिला में दर्जनों बड़ी घटनाओं शामिल रहने वाले दुर्दांत नक्सली के मारे जाने बाद फटाके फोड़ आतिशबाजी कर नक्सलवाद मुदार्बाद के नारे लगाए गए। जानकारी के मुताबिक हिड़मा को हिड़मन्ना, हिड़मालू और देवा जैसे कई उपनामों से भी जाना जाता था। वह छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में सक्रिय सबसे कुख्यात माओवादी कमांडरों में से एक था। सुकमा जिले के जगारगुंडा थाना क्षेत्र के पूवर्ती गांव का निवासी हिड़मा वर्ष 1991 में बाल संघम कैडर के रूप में भर्ती हुआ था।

उसके क्रूर और अमानवीय कृत्यों ने उसे सेंट्रल कमेटी में पहुंचा दिया और वह पीएलजीए की बटालियन नंबर एक का कमांडर बना, जो पूरे सीपीआई माओवादी संगठन की सबसे हिंसक इकाई मानी जाती है। हिड़मा कई दशकों तक बर्बर हमलों, हत्याओं और बड़े पैमाने की घात लगाकर की जाने वाली वारदातों को अंजाम दिया, जिससे दंडकारण्य क्षेत्र की शांति और स्थिरता पर लगातार गंभीर खतरा बना रहा। सरकार और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों द्वारा आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में लौटने की लगातार अपीलों के बावजूद हिड़मा हिंसा और उग्रवाद के रास्ते से नहीं हटा। हथियार न छोड़ने की जिद ने उसे भारी नुकसान पहुंचाया। उसके कई नजदीकी साथी मारे गए या पकड़े गए और यहां तक कि उसकी पत्नी मड़कम राजे उर्फराजक्का भी माओवादी नेटवर्क में और गहराई तक फंसती चली गई। दंडकारण्य स्पेशल जोन ▶▶|शेष पेज 6 पर

मां की पुकार नहीं सुनी

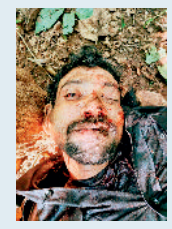

हिड़मा को मूल धारा में लौटने की अपील करते हुए उसकी मां ने मार्मिक पुकार लगाई थी। अपनी बोली में उसने कहा था- कहां पर हो कि आ जाओ कह रही हूं, नहीं आ रहा है तो मैं कैसे करूं, कहीं आसपास रहने से ढूढ़ने भी जाती जंगल में। और क्या कहूं बेटा, आजा। नहीं आ रहा है तो मैं कैसे करूं आ जा ही बोल रही हूं। घर आजा बोल रही हूं। ढूढ़ने जाती आसपास कहीं रहने से जाकर ले आती। कहां हो कि बेटा घर आ जाओ, कमाई करके खाएंगे, जियेंगे यहां। जनता के साथ जी लेना आ जाओ। मां की यह पुकार रह गई अधूरी।

आंध्रप्रदेश के एडीजी व एसपी ने की पुष्टि

आंध्रप्रदेश के एडीजी महेश चंद्र लड्डा एवं एसपी अमित बर्दर ने इस सफल ऑपरेशन के बाद पत्रकारों से कहा, छग में नक्सलियों के विरुद्ध चल रहे लगातार ऑपरेशनों के बीच आंध्रप्रदेश पुलिस को लगातार यह जानकारी मिल रही थी कि छग से नक्सली आंध्रप्रदेश के जंगलों एवं शहरों में अपना ठिकाना ढूंढ रहे है। बीते 15 दिनों से मिल रही जानकारी के अनुसार एएसआर के सुरक्षा बलों ने आज सुबह साढ़े छह बजे से साढ़े सात बजे तक मारेडपल्ली की उत्तर दिशा में नक्सलियों को घेरा और मुठभेड़ में छह ▶▶|शेष पेज 6 पर

एक नजर इधर भी

माओवादी आंदोलन को मिला करारा झटका

बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक सुन्दरराज पैट्लिंगम ने बताया कि बस्तर में लगातार और समन्वित सुरक्षा दबाव के कारण माड़वी हिड़मा, राजे और उनका निकट समूह अपने सुरक्षित अड्डों को छोड़ने पर मजबूर हो गए थे। विश्वसनीय सूत्रों ने पुष्टि की थी कि वे पिछले कई महीनों से कारे गुट्टा पहाड़ियों और छत्तीसगढ़-तेलंगाना अंतरराज्यीय सीमा के आसपास छिपे हुए थे और दंडकारण्य में मिली लगातार पराजयों के बाद एक स्थान से दूसरे स्थान पर भागते फिर रहे थे। 18 नवम्बर को अल्लूरी ▶▶|शेष पेज 6 पर

हथियार व विस्फोटक एवं अन्य सामग्री बरामद

सुरक्षा बलों ने मुठभेड़ के बाद एके-47 राइफल 2, पिस्टल एक, रिवॉल्वर एक एवं सिंगल-बोर हथियार एक, विस्फोटक, डेटोनेटर और अन्य सामग्री बरामद की है। बरामद विस्फोटकों की प्रकृति और मात्रा स्पष्ट दर्शाती है कि हिड़मा और उसकी टीम सीमा क्षेत्र में बड़े प्रतिशोधात्मक हमलों की योजना बना रहे थे। उनकी निष्क्रियता से इन संभावित हमलों को रोका जा सका ▶▶|शेष पेज 6 पर

ऐसा रहा हिड़मा का सफर

16 की उम्र में थामा हथियार और संतोष से बन गया हिड़मा

खूंखार नक्सली माड़वी हिड़मा ने 16 की उम्र में नक्सली संगठन में शामिल होकर हथियार उठाया था। इसके बाद उसने पीछे मुड़कर नहीं देखा। छत्तीसगढ़ में हुई तमाम बड़ी नक्सली घटनाओं में वह शामिल रहा है। 43 की उम्र में सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में हिड़मा और उसकी पत्नी राजे का मार गिराया है। कुख्यात माओवादी कमांडर माड़वी हिडमा 26 घातक हमलों में शामिल रहा है। इसमें 76 सीआरपीएफ जवानों की हत्या से लेकर दरभा घाटी नरसंहार तक में उसका नाम शामिल है। लंबे समय से सुरक्षाबल उसकी तलाश कर रहे थे। ▶▶|शेष पेज 6 पर

बड़े हमलों में शामिल रहा हिड़मा

हिड़मा वर्ष 2010 दंतेवाड़ा हमले में 76 सीआरपीएफ जवान शहीद, वर्ष 2013 झीरम घाटी नरसंहार में 27 लोग मारे गए। जिनमें शीर्ष कांग्रेसी नेता शामिल एवं वर्ष 2021 सुकमा-बीजापुर मुठभेड़ में भी, जिसमें 22 सुरक्षा कर्मी शहीद हुए थे।

बस्तर में लौट रहा शांति का वसंत...

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा, छत्तीसगढ़–आंध्र प्रदेश सीमा पर सुरक्षाबलों के सफल ऑपरेशन में शीर्ष नक्सली लीडर और सीसी मेम्बर माडवी हिड़मा सहित छह नक्सलियों का न्यूट्रलाइज होना नक्सलवाद के विरुद्ध हमारी लड़ाई में एक निर्णायक उपलब्धि है। इसके लिए हमारे सुरक्षाबल के जवानों के अदम्य साहस को नमन। हिड़मा वर्षों से बस्तर में रक्तपात, हिंसा और दहशत का चेहरा था। आज उसका अंत न सिर्फ एक ऑपरेशन की उपलब्धि है, बल्कि लाल आतंक पर गहरी चोट है, साथ ही यह क्षेत्र में स्थायी शांति स्थापित करने की हमारी प्रतिबद्धता को और सशक्त करता है। बीते महीनों में सैकड़ों नक्सलियों का आत्मसमर्पण, टॉप कैडर की गिरफ्तारियाँ और लगातार सफल ऑपरेशन्स बताते हैं कि नक्सलवाद अब अंतिम सांसें ले रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में हमारी सुशासन सरकार बस्तर में शांति, विश्वास और विकास की नई धारा बहा रही है। नियद नेल्ला नार, नक्सलियों के लिए पुनर्वास नीति, नवीन सुरक्षा कैंप की स्थापना, इन कदमों ने जनविश्वास को मजबूत किया है और बस्तर के हर गांव में नया आत्मविश्वास भरा है। हमें पूरा विश्वास है कि केंद्र–राज्य की संयुक्त रणनीति के साथ मार्च 2026 तक भारत पूर्णतः नक्सलमुक्त होगा।

पाकिस्तान के आईएसआईएस से जुड़े रायपुर भिलाई के दो नाबालिगों को एटीएस ने दबोचा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

ख़ास ख़बर

आतंकवादी विरोधी दस्ता (एटीएस) ने आईएसआईएस से जुड़े दो किशोरों को भिलाई तथा टिकरापारा थाना क्षेत्र से पकड़ा है। इन किशोरों के भारत विरोधी गतिविधियों में शामिल होने के पुख्ता प्रमाण मिले हैं। किशोरों को आतंकी गतिविधियों में शामिल आईएसआईएस ने इस्लामिक शिक्षा देने के नाम पर ब्रेन वाश कर अपने झांसे में लिया था। एटीएस सूत्रों के मुताबिक दोनों किशोरों को आतंकी संगठन ने सोशल मीडिया के माध्यम से संपर्क कर अपने जाल में फंसाया है।

सूत्रों के मुताबिक सोशल मीडिया की निगरानी के दौरान फेसबुक, इंस्टाग्राम में कई छद्म नाम से अकाउंट संचालित करने वालों के बारे में जानकारी मिली थी। इसके बाद उनसे जुड़े लोगों के बारे में जानकारी जुटाई गई तो रायपुर तथा भिलाई के दो किशोरों के नाम सामने आए। उन दोनों किशोरों के आईपी एड्रेस ट्रेस कर एटीएस ने दोनों को रविवार को उठाया। पता चला है, आईएसआईएस ने दोनों किशोरों को धार्मिक शिक्षा देने के नाम पर भारत विरोधी गतिविधियों में शामिल करने राजी कर लिया था।

एटीएस ने जिन दो किशोरों को उठाया है, उनके लैपटॉप तथा मोबाइल से कई आपत्तिजनक सामग्री मिली हैं। सभी सामग्री पाकिस्तान से भेजी गई हैं। छात्रों को अपने धर्म के प्रति समर्पित होकर कार्य करने निर्देश दिए गए थे। सूत्रों के मुताबिक आतंकी संगठन दोनों किशोरों की ▶▶|शेष पेज 6 पर

कई संवेदनशील क्षेत्रों का नक्शा बरामद आतंकवाद विरोधी गतिविधियों में एटीएस की पहली एफआईआर

सोशल मीडिया के माध्यम से भारत विरोधी गतिविधियों में संलिप्तता के मिले प्रमाण

आने वाले दिनों में और लोगों पर कसेगा शिकंजा

एटीएस सूत्रों के मुताबिक दोनों से पूछताछ में और लड़कों के नाम सामने आए हैं। इनको पकड़े गए किशोरों ने सोशल मीडिया के माध्यम से संपर्क कर अपने साथ जोड़ा है। आने वाले दिनों में एटीएस आईएसआईएस नेटवर्क से जुड़े और लोगों को गिरफ्तार कर सकती है।

धार्मिक उन्माद फैलाने के निर्देश

पाकिस्तान से जुड़े आतंकी संगठन के कहने पर दोनों लड़कों को धार्मिक आयोजन पर उन्माद फैलाने निर्देश दिए गए थे। इसके अलावा सोशल मीडिया के माध्यम से अपने हम विचार लोगों को जोड़ने के लिए कहा गया था। साथ ही छद्म नाम से आईडी बनाकर अपने संपर्क तेज करने निर्देश दिए गए थे। एटीएस सूत्रों के मुताबिक आईएसआईएस ने दोनों किशोरों को संवेदनशील जगहों की नक्शा भेजने के लिए कहा था। पकड़े गए दोनों किशोरों के कब्जे से एटीएस ने संवेदनशील स्थानों का नक्शा जब्त किया था। नक्शा तथा जानकारी किशोरों के लैपटॉप में स्टोर था।

एटीएस की पहली एफआईआर

छत्तीसगढ़ में एटीएस का गठन वर्ष 2017 में हुआ है। आतंवाद विरोधी गतिविधियों में एटीएस की यह पहली एफआईआर है। इसके पूर्व एटीएस जो कार्रवाई करती थी, मामले की जांच पूरी करने के बाद केस थाना के सुपुर्द कर देती थी। एटीएस की कार्रवाई के आधार पर आने वाले दिनों में एनआईए की टीम भी जांच में शामिल हो सकती है

साबरमती जेल में वारदात

रिसिन जहर मामले में बंद आतंकी को कैदियों ने पीटा

एजेंसी ▶▶| साबरमती

गुजरात की साबरमती जेल में कैदियों रिसीन ज़हर से लोगों को मारने की साज़िश रचने के आरोप में बंद (इस्लामिक स्टेट खोरासान प्रांत) आईएसकेपी से जुड़े आतंकी डॉ. अहमद पर जेल में हमला हुआ है। जानकारी के मुताबिक, हाई सिक्यूरिटी सेल में बंद अन्य कैदियों ने उस पर अचानक हमला कर दिया और उसकी बुरी तरह पिटाई कर दी। सूत्रों के अनुसार, ▶▶|शेष पेज 6 पर

आठ नवंबर को आतंकी हुए थे गिरफ्तार

गौरतलब है कि 8 नवंबर को गुजरात एटीएस ने डॉ. अहमद समेत आईएसकेपी के दो और आतंकियों को गिरफ्तार किया था। इन पर देश में ज़हरीले पदार्थ का इस्तेमाल करके बड़े पैमाने पर लोगों को मारने की योजना बनाने का आरोप है।

सुप्रीम कोर्ट का फरमान

बाघों के निवास वाले हिस्से में टाइगर सफारी बैन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

सर्वोच्च न्यायालय की तीन सदस्यीय मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई, न्यायमूर्ति ए.जी. मसीह और ए.एस. चंदुरकर की पीठ द्वारा एक ऐतिहासिक आदेश पारित किया गया है। इस आदेश में देशभर के वन प्रबंधन, टाइगर रिज़र्व संचालन और मानव-वन्यजीव संघर्ष से प्रभावित परिवारों के लिए नई दिशा तय कर दी है। आदेश में कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए हैं, जिनमें ▶▶|शेष पेज 6 पर

बफर जोन में कुछ गतिविधियां बंद, कुछ चलेंगी

बफर और फ्रिंज क्षेत्रों में प्रमुख गतिविधियां जिस पर रोक रहेगी जैसे वाणिज्यिक खनन, प्रदूषणकारी उद्योग, वाणिज्यिक जलाऊ लकड़ी का उपयोग, प्रमुख जलविद्युत परियोजनाएं, खतरनाक पदार्थ का उत्पादन, कम उड़ान वाले विमान और पर्यटन विमान।

एक पते से 9 शेल कंपनियां, जिनका कोई रिकॉर्ड नहीं, अल-फलाह के 25 ठिकानों पर ईडी की रेड

नई दिल्ली। दिल्ली लालकिला ब्लास्ट को लेकर जांच कर रही केंद्रीय जांच एजेंसियों ने अल-फलाह यूनिवर्सिटी और उससे जुड़े व्यक्तियों के 25 ठिकानों पर छापेमारी की। जांच के दौरान टीम को कई अनियमितताएं मिलीं। जिसमें 9 शेल कंपनियां एक ही पते पर रजिस्टर्ड पाई गईं। कई कंपनियों में एक ही ▶▶|शेष पेज 6 पर

एक ही डायरेक्टर

अधिकारियों ने पाया कि कई कंपनियों में एक ही डायरेक्टर, एक ही साइनैटरी और लगभग एक जैसे केवायसी डॉक्यूमेंट हैं। बैंक खातों से भी केवल नाम मात्र का वेतन भुगतान दिखा, जबकि एचआर से जुड़े रिकॉर्ड लगभग नहीं के बराबर मिले।

75 लाख वेबसाइट्स पर असर

क्लाउडफ्लेयर डाउन होने से दुनिया भर में चैटजीपीटी और एक्स हुआ घंटों बंद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

ख़ास ख़बर

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स मंगलवार को अचानक से डाउन हो गया। जिसके बाद यूजर्स को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। बता दें कि भारत समेत दुनिया के कई हिस्सों में एक्स अचानक ठप पड़ गया। इसके अलावा एडब्ल्यूएस और क्लाउडफ्लेयर सर्विस भी प्रभावित हुई। एक्स वेबसाइट और ऐप के खोलने पर पेज 'रिफ्रेश' करने को कहा जा रहा था। जिसके बाद कुछ समय के लिए ठीक हुआ लेकिन बाद में फिर डाउन हो गया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स, एआई चैटबॉट चैटजीपीटी और कैनवा की सर्विसेज देशभर में करीब 2 घंटे से ज्यादा बंद रहीं। ये सर्विसेज ▶▶|शेष पेज 6 पर

जानकारी देने वाली वेबसाइट भी हुई बंद

सर्वर डाउन होने की जानकारी देने वाली वेबसाइट डाउनडिटेक्टर भी बंद है। सर्वर प्रोवाइडर क्लाउडफ्लेयर के डाउन होने के कारण यह दिक्कत आई है। सर्वर डाउन होने के कारण भारत समेत दुनियाभर में यूजर्स को लॉगिन, साइनअप, पोस्ट करने और देखने के अलावा प्रीमियम सर्विसेज सहित प्रमुख सुविधाओं का उपयोग करने में दिक्कत महसूस हुई।

चिंतन

एनसीआर बना गैस चैंबर क्यों जहरीली हुईं सांसें

देश की राजधानी दिल्ली समेत पूरे एनसीआर का हाल बेहाल है। दिवाली के बाद से शुरू हुआ प्रदूषण कम होने का नाम नहीं ले रहा। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और मौसम विभाग के अनुसार दिल्ली-एनसीआर के अधिकांश शहरों में एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) गंभीर श्रेणी में पहुंच गया है। नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद, गुरुग्राम और फरीदाबाद जैसे शहर घने प्रदूषण की चादर में ढके हुए हैं। आम आदमी का सांस लेना दुभर हो गया है तो फिर छोटे बच्चों और मरीजों की हालत का अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है। मंगलवार को कई जगहों पर तो एयर क्वालिटी इंडेक्स का लेवल 600 से ज्यादा ही दर्ज किया गया। बच्चे, बूढ़े सभी सांस की दिक्कत, गले में खराश, आंखों में जलन जैसी किसी न किसी परेशानी से जूझ रहे हैं। जानलेवा प्रदूषण के स्तर को देखते हुए पूरे दिल्ली एनसीआर में ग्रैप-4 लागू करने की तैयारी है। ग्रैप 3 लगने के बाद भी प्रदूषण के स्तर में सुधार होने की बजाए पूरा एनसीआर गैस चैंबर में तब्दील हो गया है। इसका खासकर बच्चों पर अधिक प्रभाव हो रहा है, जिनका इस प्रदूषण में कोई दोष नहीं है। जन्म के साथ ही उन पर प्रदूषण की काली छाया पड़ जा रही है। नतीजतन शारीरिक ही नहीं मानसिक बीमारियां भी उन पर हावी हो रही हैं। छोटे बच्चों में अस्थमा जैसे लक्षण पाए जा रहे हैं। इन्हें अस्थमा नहीं कहा जा सकता है। लेकिन कई सालों तक प्रभाव में रहने के कारण अस्थमा भी हो सकता है। द लैंसेट पत्रिका की 2023 की एक रिपोर्ट में तो यहां तक दावा किया गया है कि भारत में हर साल प्रदूषण के कारण पांच साल से कम उम्र के 1.7 लाख बच्चों की मौत हो रही है। बच्चे ही क्यों बड़ों का भी हाल बेहाल है। जबसे प्रदूषण का स्तर बढ़ा है, इसी अनुपात में अस्पतालों में मरीजों की भीड़ भी बढ़ी है। इसमें खांसी-जुकाम के साथ अस्थमा और सांस लेने में तकलीफ के मामले अधिक हैं। पहले खांसी-जुकाम पांच से सात दिनों में ठीक हो रहे थे। लेकिन प्रदूषण के कारण इनकी अवधि बढ़ गई है। कई मामलों में ठीक होने के तुरंत बाद फिर से असर दिखने लगा है। असल में वायु प्रदूषण के संपर्क में आने से मानव कोशिकाओं में ऑक्सीडेटिव तनाव और सूजन पैदा होती है, जो दीर्घकालिक बीमारियों और कैंसर का कारण बन सकती है। 2013 में, विश्व स्वास्थ्य संगठन की अंतराष्ट्रीय कैंसर अनुसंधान एजेंसी ने वायु प्रदूषण को मानव कैंसरकारी कारक के रूप में वर्गीकृत किया था। कई अध्ययनों से यह बात सामने आई है कि बाहरी वायु प्रदूषण के उच्च स्तर के संपर्क में आने से अल्पकालिक जोखिम बढ़ सकता है। फेफड़ों की कार्यक्षमता में कमी, अस्थमा, हृदय संबंधी समस्याएं, आपातकालीन विभाग में जाना और अस्पताल में भर्ती होने से जुड़ा है। अब प्रश्न है कि प्रदूषण कम कैसे हो। इसके लिए सरकार तो अपने स्तर पर प्रयास कर रही है, हर नागरिक को भी आगे आने की जरूरत है। जहां तक हो सके सार्वजनिक परिवहन सुविधा का उपयोग करें। ऐसा कोई काम न करें, जिससे धूल उड़े। घर के बाहर कूड़े को आग न लगाएं। जरूरी न हो तो घर से बाहर न निकलें, अगर निकलें तो मास्क पहनें। अगर हम सजग होंगे तो इस परेशानी से जल्द निपट पाएंगे।

पड़ोस

डॉ. घनश्याम बादल

हसीना केस में कूटनीति की अग्निपरीक्षा

शेख हसीना इन दिनों में भारत में शरणागत हैं। बांग्लादेश में घटित एक विशेष न्यायिक अधिकरण ने उन्हें आंदोलन को कुचलने एवं मानवता के विरुद्ध अपराध का दोषी बताकर मृत्यु दंड की सजा सुनाई है। उनके साथ-साथ उनके गृहमंत्री असद उज्जमा कमाल को भी फांसी की सजा दी गई है। इसका असर भारत की आंतरिक एवं अंतरराष्ट्रीय स्थिति पर पड़ेगा। यदि उन्हें सरकार को सौंप दिया जाता है तो इससे भारत की शरणागत को रक्षा देने की संस्कृति पर बड़ा सवाल खड़ा होगा लेकिन यदि भारत मना करता है तो अंतरराष्ट्रीय कानून भारत के ख़िलाफ़ जाएगा। अब देखें कि भारत सरकार इस पशोपेश की स्थिति में किस कूटनीति का इस्तेमाल करती है।

भारत के सबसे निकट पड़ोसी बांग्लादेश में एक बार फिर उठापटक की आहट सुनाई देने लगी है। वैसे तो पिछले वर्ष जुलाई में वहां जिस तरीके से शेख हसीना की सरकार को छात्र आंदोलन के माध्यम से उखाड़ फेंका गया, वह भी अपने आप में हैरतअंगेज था। लगभग 15 वर्षों से बांग्लादेश पर शासन कर रही बांग्लादेश के संस्थापक शेख मुजीबुर्रहमान की बेटी और तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना की सरकार के खिलाफ पहले से ही महंगाई और दूसरी समस्याओं को लेकर काफी असंतोष था, लेकिन मुक्ति दाताओं के पोते-पोतियों को दिए जाने वाले आरक्षण के खिलाफ मुद्दा बनाकर एक उग्र आंदोलन हुआ। इसे रोकने में शेख हसीना की सरकार नाकामयाब रही और उसकी परिणति 1400 लोगों की मृत्यु के रूप में सामने आई। तब भी शेख हसीना की सरकार पर आरोप लगा कि उसने निर्ममतापूर्वक आंदोलनकारी पर गोलियां चलवाई जिससे अनेक छात्र-छात्राएं एवं निर्दोष लोग मारे गए। हो सकता है शेख हसीना को उस समय लगा हो कि आंदोलन का दमन करके उनकी सरकार सुरक्षित रह जाएगी लेकिन ऐसा नहीं हुआ और हालात इतने बिगड़े कि शेख हसीना को न केवल प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा बल्कि देश छोड़कर भी भागना पड़ा। वे इन दिनों में भारत में शरणागत हैं। बांग्लादेश में घटित एक विशेष न्यायिक अधिकरण ने उन्हें आंदोलन को कुचलने एवं मानवता के विरुद्ध अपराध का दोषी बताकर मृत्यु दंड की सजा सुनाई है। उनके साथ-साथ उनके गृहमंत्री असद उज्जमा कमाल को भी फांसी की सजा दी गई है।

वैसे तो किसी देश में ऐसा कुछ घटित होना वहां का आंतरिक मामला है लेकिन यहां एक पेंच विशेष तौर पर फंसता है और वह है शेख हसीना का भारत में शरणागत होना और उनके साथ उनके शासनकाल के दौरान भारत के विशेष और सौहार्दपूर्ण संबंध होना। यह तथ्य किसी से छुपा नहीं है कि किस तरह 1971 में जब पाकिस्तान में जुल्फिकार अली भुट्टो की सरकार वहां के बंगालियों का दमन कर रही थी तब भारत की तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने वहां सेना भेज कर शेख मुजीबुर्रहमान के नेतृत्व में बांग्लादेश का निर्माण करवा दिया था। लेकिन केवल 4 वर्ष के बाद ही 15 अगस्त 1975 में एक सैन्य एक तख्तापलट में शेख मुजीबुर्रहमान और उनका पूरा परिवार मार दिया गया और सत्ता एक हाथ से दूसरे हाथ में होती हुई अंततः जनरल जियाउर्रहमान के हाथों में आ गई थी जो बाद में एक राजनीतिक पार्टी बीएनपी खड़ी करके लंबे समय तक बांग्लादेश के राष्ट्रपति रहे। हालांकि एक राजनीतिक समस्या के हल के लिए चटगांव गए हुए जियाउर्रहमान का भी कत्ल हो गया था। यानी कह सकते हैं कि खून-खराबे के साथ सत्ता परिवर्तन बांग्लादेश का एक इतिहास है। शेख हसीना 1975 में भी इसलिए बच गई थी क्योंकि जब उनके परिवार की हत्या हुई, तब वे जर्मनी में थी। बाद में वह वहां से आकर भारत में रहीं और 1981 में उन्हें बांग्लादेश आवामी लीग का अध्यक्ष चुना गया। शेख हसीना ने लंबे समय तक जियाउर्रहमान और उनकी सरकार से लोहा लिया।

आखिरकार 1996 में बांग्लादेश की प्रधानमंत्री बनीं लेकिन 2001 में उन्हें जियाउर्रहमान की बेगम

खालिदा जिया ने चुनाव में परास्त कर सत्ता से बाहर कर दिया। वह 2001 तक वहां की प्रधानमंत्री रहीं लेकिन कुशल और व्यावहारिक राजनीतिज्ञ तथा जीवट वाली महिला के तौर पर शेख हसीना को जब ज़रूरत पड़ी तो वे खालिदा जिया के साथ भी मिलकर वहां की सरकारों से लड़ी किंतु दोनों में संबंध सांप और नेवले जैसा ही रहा। एक परिपक्व राजनीतिज्ञ के तौर पर शेख हसीना 2009 में फिर सत्ता में लौटी और उठापटकों के बीच 2024 तक सत्ता में आती-जाती रहीं। फिर वह सब घटनाक्रम हुआ जब उन्हें बांग्लादेश छोड़कर भागना पड़ा। शेख हसीना सरकार के पतन के बाद वहां नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस के हाथों में अंतरिम सरकार के मुखिया के रूप में सत्ता है।

उनकी सरकार का दायित्व था कि फरवरी 2026 तक वे बांग्लादेश को एक निर्वाचित सरकार दे देंगे और आंदोलन में मासूमों के हत्या के दोषी लोगों को सजा भी दिलवाएंगे। कहने को यूनुस गैर राजनीतिक व्यक्ति हैं लेकिन सत्ता में बैठा हुआ व्यक्ति बिना राजनीति के रह नहीं सकता इसलिए उन्हें भी जनता को यह दिखाना है कि उन्होंने जन भावनाओं के अनुरूप दोषियों को उनकी नियति तक पहुंचा दिया है। शेख हसीना को मृत्यु दंड सुनाने वाली विशेष न्यायाधिकरण में इस सुनवाई का टेलीविजन पर प्रसारण यह बताता है कि यह केवल न्याय की बात नहीं अपितु राजनीति का भी बड़ा खेल है।

जहां यूनुस की सरकार जनता को यह संदेश देना चाहती है कि उसने बिना डरे और झुके हुए आंदोलन के मृतकों को न्याय दिलवाया है। वहीं उनकी कोशिश यह भी हो सकती है कि शेख हसीना और उनकी पार्टी 2026 में होने वाले चुनाव में भाग ही न ले पाए या उनकी हालत इतनी ख़राब कर दी जाए कि वह सत्ता में न लौट सकें। जहां न्यायाधिकरण कहता है कि उसके पास शेख हसीना और असद उज्जमा कमाल को फांसी की सजा दिए जाने के पीछे उपलब्ध ऑडियो, वीडियो आदि हैं, वहीं शेख हसीना ने इस निर्णय पर प्रतिक्रिया में कहा कि उन्हें अपनी बात कहने का मौका ही नहीं दिया गया और एक अलोकतांत्रिक तरीके से थोपी गई सरकार और उसके पिट्ठू के रूप में वहां के न्यायाधिकरण ने पहले से ही तय गए निर्णय को सुनाया है।

वहीं सरकार और न्यायाधिकरण का कहना है कि शेख हसीना ने सुनवाई के लिए उपस्थित होने से ही मना कर दिया था। ख़ैर सियासत में प्रतिशोध केवल बांग्लादेश में ही नहीं कई देशों में लिया जाता रहा है। पाकिस्तान और अफगानिस्तान जैसे देश तो इसके ज्वलंत उदाहरण हैं लेकिन अब यहां पर मुख्य मुद्दा यह है कि निर्णय के तुरंत बाद बांग्लादेश की सरकार ने शेख हसीना को प्रत्यर्पण संधि का हवाला देते हुए बांग्लादेश को सौंप देने का आग्रह भारत की सरकार से किया है। अब गेंद भारत सरकार के पाले में है। एक ओर जहां भारत का नैतिक समर्थन शेख हसीना के प्रति है, वहीं बांग्लादेश के साथ भी हमारे पुराने राजनयिक संबंध हैं। यदि उन्हें सरकार को सौंप दिया जाता है तो इससे भारत की शरणागत को रक्षा देने की संस्कृति पर बड़ा सवाल खड़ा होगा लेकिन यदि भारत मना करता है तो अंतरराष्ट्रीय कानून भारत के ख़िलाफ़ जाएगा और दोनों देशों के बीच संबंध खराब होंगे जो पहले से भी बहुत अच्छे नहीं हैं। इसका असर भारत की आंतरिक एवं अंतरराष्ट्रीय स्थिति पर पड़ेगा। अब देखें कि भारत सरकार इस पशोपेश की स्थिति में किस कूटनीति का इस्तेमाल करती है और उसके परिणाम आने वाले समय में क्या निकलते हैं।

(लेखक राजनीतिक समीक्षक हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

आत्ममंथन

राजीव भारद्वाज

हमें अपने बच्चों में और निवेश करना होगा

किसी भी देश की असली ताकत उसकी भावी पीढ़ी होती है। यानी देश के नौनिहाल, जो कल के वैज्ञानिक, शिक्षक, डॉक्टर, नेता और जिम्मेदार नागरिक बनते हैं। पर जब एक राष्ट्र बच्चों के प्रति अपनी जिम्मेदारी भूलने लगता है, तो उसका भविष्य भी धीरे-धीरे कमजोर पड़ने लगता है। भारत एक युवा देश है। इसलिए यह सवाल आज, पहले से कहीं ज्यादा प्रासंगिक है कि क्या हम सचमुच अपने बच्चों के अधिकारों की रक्षा और उनके सपनों को साकार करने के लिए कुछ अतिरिक्त प्रयास कर रहे हैं, या केवल भाषणों और उत्सवों तक सीमित रह गए हैं? हर साल नवंबर का एक दिन बच्चों के नाम कर दिया जाता है। विद्यालयों में कार्यक्रम होते हैं, मंचों से बच्चों की मासूमियत पर कविताएं पढ़ी जाती हैं और सभी उनके अधिकारों की बड़ी-बड़ी बातें करते हैं। परंतु अगले ही दिन फिर सब कुछ अपनी जस की तस वाली स्थिति में लौट आता है, जहां वही बच्चे स्कूल जाने के बजाय काम पर जाते हैं, सिग्नल पर भीख मांगते हैं, किसी ढाबे पर बर्तन धोते दिखाई देते हैं या बाल विवाह की बेड़ियों में जकड़ दिए जाते हैं। यह विरोधाभास अगर हमें झकझोरता नहीं तो इसका मतलब साफ है कि हम अपने भविष्य के साथ किस हद तक बेपरवाह हैं। भारत दुनिया की सबसे बड़ी बाल जनसंख्या वाला देश है। यह आंकड़ा जितना गर्व का विषय है, उतनी ही गंभीर चिंता का भी। इतनी विशाल बाल आबादी का पोषण, शिक्षा और सुरक्षा सुनिश्चित करना केवल सरकारी जिम्मेदारी नहीं, बल्कि राष्ट्रीय प्राथमिकता होनी चाहिए। हालांकि पोषण 2.0, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, एकलव्य मॉडल स्कूल, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम, मिड-डे मील योजना, सर्व शिक्षा अभियान और आंगनबाड़ी की कई योजनाएं निश्चित रूप से सराहनीय हैं। लेकिन योजनाएं तब तक प्रभावी नहीं हो सकतीं जब तक उनमें पारदर्शिता, जवाबदेही और सामाजिक भागीदारी न हो। परंतु सवाल यह है कि क्या ये योजनाएं वास्तव में उस बच्चे तक पहुंच पा रही हैं जिसके नाम पर वे बनाई गई हैं? यूनिसेफ व अन्य एजेंसियों के साथ भारत सरकार की रिपोर्ट भी बार-बार यह चेतावनियां देती रही हैं कि अब भी लाखों बच्चे स्कूल से बाहर हैं। जाहिर है कि स्कूल से बाहर रहने वाले बच्चे ट्रैफिकिंग गिरोहों के सबसे आसान टारगेट हैं। ऐसे ही स्वास्थ्य के मोर्चे पर भी तस्वीर उत्साहजनक नहीं है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वे-5 के मुताबिक 5 साल से कम उम्र के करीब 32 फीसदी बच्चे कम वजन के हैं। यानी कुपोषण अभी भी स्वस्थ बचपन की जड़ें काट रहा है। ग्रामीण इलाकों में स्वास्थ्य सेवाओं की कमी और शहरी झुग्गियों में अस्वास्थ्यकर जीवन-स्थितियां बच्चों के लिए दोहरी मार है। यह तथ्य केवल आर्थिक गरीबी नहीं, बल्कि नीति-निर्माण की प्राथमिकताओं पर भी सवाल खड़ा करता है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों को देखें तो, बाल दुर्व्यापार के मामलों में कानून प्रवर्तन एजेंसियों को ज्यादा संजीदगी और संवेदनशीलता की जरूरत है। आज भी देश की लगभग एक चौथाई लड़कियों का विवाह 18 साल की उम्र से पहले हो जाता है। यह न केवल कानून का उल्लंघन है बल्कि उनके स्वास्थ्य, शिक्षा व आत्मनिर्भरता के लिए ग्रहण है। जब किसी बच्ची का बचपन विवाह की रस्मों में खो जाता है, तो समाज की संवेदनशीलता पर गहरा प्रश्न उठता है। हालांकि सरकारों ने अपनी ओर से कई प्रयास किए हैं, लेकिन समय के साथ उनमें भी नई ऊर्जा और नवाचार की जरूरत है। समस्या केवल व्यवस्था की नहीं, मानसिकता की भी है। हम बच्चों को भविष्य तो मानते हैं, पर उन्हें वो सुरक्षित माहौल और अधिकार नहीं देते जिसके वे हकदार हैं। इसलिए उनके अधिकारों की रक्षा के विषय को जवाबदेही और सक्रियता की जरूरत है। नीति-निर्माण से लेकर बजट आवंटन और धरातल पर कार्यान्वयन तक, बच्चों को प्राथमिकता देने की ज़रूरत है। आज का भारत तकनीक, नवाचार और ज्ञान की शक्ति से संचालित विश्व को दिशा देने में अहम भूमिका निभा रहा है। ऐसे में अगर हमें एक सशक्त, आत्मनिर्भर और न्यायपूर्ण भारत बनाना है, तो हमें अपने बच्चों में और निवेश करना होगा और यह निवेश केवल आर्थिक नहीं, बल्कि मानवीय और जवाबदेही का होना चाहिए। बाल दिवस महज औपचारिक उत्सव नहीं, बल्कि आत्ममंथन और यह सोचने का अवसर होना चाहिए कि हम अपने भविष्य के भारत को कैसा बनाना चाहते हैं। यदि हम एक सशक्त और समृद्ध राष्ट्र का सपना देखते हैं, तो उसकी नींव हर बच्चे के सपनों, अधिकारों और संभावनाओं को साकार करने से ही रखी जाएगी। हर मुस्कुराते बच्चे में एक उज्जवल भारत का चेहरा छिपा है। बस जरूरत है उसे अवसर, शिक्षा और सुरक्षा देने की।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

ज्ञान पाना चाहते हैं तो अहंकार छोड़ दें

संकलित

दर्शन

गौतम बुद्ध यात्रा करते रहते थे और बीच-बीच में जहां ठहरते थे, वहां अपने शिष्यों को और अन्य लोगों को उपदेश दिया करते थे। बुद्ध के साथ उनका एक शिष्य हमेशा रहता था। उसका नाम था आनंद। एक दिन बुद्ध प्रवचन दे रहे थे और उस समय आनंद ने पूछा कि तथागत, आप जब प्रवचन देते समय ऊंची जगह पर बैठते हैं और सुनने वाले नीचे बैठते हैं, ऐसा क्यों है? बुद्ध ने आनंद की बातें ध्यान से सुनीं और कहा कि आनंद पहले तुम ये बताओ कि क्या तुमने कभी किसी झरने से पानी पिया है? आनंद बोला कि हां, मैंने झरने से पानी पिया है। इसके बाद बुद्ध ने फिर पूछा कि तुमने पानी कैसे पिया? आनंद ने बुद्ध को बताया कि झरना ऊपर से बह रहा था और मैंने झरने के नीचे खड़े होकर पानी पिया था। बुद्ध ने आनंद से कहा कि बस यही तुम्हारी बात का जवाब है। अगर हम झरने से पानी पीना चाहते हैं तो हमें उस झरने के नीचे ही खड़े रहना पड़ेगा। ठीक इसी तरह प्रवचन भी एक झरने की तरह है। जहां ज्ञान का झरना बहाने वाला ऊंची जगह पर बैठते हैं और जो लोग ज्ञान के झरने का पान करना चाहते हैं, वे नीचे बैठते हैं। दरअसल, ज्ञान पाने का सबसे पहला नियम ये है कि हमें अहंकार छोड़ना पड़ेगा। नीचे बैठने से हमारे स्वभाव में जो विनम्रता आती है, अहंकार दूर होता है। इसके बाद ही हम किसी की ज्ञान की बातें ठीक से समझ पाते हैं।

श्रावण मास का धार्मिक और वैज्ञानिक महत्व

संकलित

प्रेरणा

भारतीय मनीषियों ने काल गणना के प्रसंग में संस्कृत के 12 मासों को वैज्ञानिकता की पृष्ठभूमि में निर्धारित किया है, जिसमें श्रावण मास चैत्रादि मासों के क्रम में पांचवें मास के क्रम में स्वीकार किया है। संस्कृत व्याकरण की दृष्टि से श्रवण नक्षत्र में अण प्रत्यय के योग से श्रावण शब्द बनता है, जिसका अर्थ है श्रवण से संबंधित। ध्यातव्य है कि ज्योतिष शास्त्र में श्रवण नक्षत्र का स्वामी भगवान विष्णु को माना गया है। जिस महीने में श्रवण नक्षत्र में पूर्णिमा होती है, उसे ही श्रावण मास कहते हैं। कुछ विद्वानों के मत से सृष्टि का प्रारंभ जल से हुआ है और सावन मास जल के लिए जाना जाता है। अतः यह सृष्टि का पहला महीना है। वेद कहते हैं- 'अप एव ससर्जादौ' अर्थात विधाता ने सर्वप्रथम जल का निर्माण किया। महाकवि कालिदास जी कहते हैं- या सृष्टिः स्रष्टुराद्या अर्थात ब्रह्मा की पहली सृष्टि जल ही है। सावन मास में सूर्य दक्षिणायन हो जाते हैं। कर्क राशि का सूर्य ही सावन मास है। इस महीने भगवान विष्णु जल का आश्रय लेकर क्षीरसागर में शयन करने चले जाते हैं। जल वृष्टि अधिक होने से पृथ्वी में कणों के गर्भांकुर फूट पड़ते हैं। गर्मी का ताप शांत हो जाता है। हृदयहारी वायु बहने लगती है। सभी चराचर जड़ चेतन जीव-जंतु हर्षित हो जाते हैं। प्रकृति का वातावरण सुरम्य हो जाता है। संपूर्ण जीव-जगत उल्लास से भर जाता है। ऊष्णता से संतप्त प्राणियों को शरण देने वाला श्रावण मास का शुभागमन परम आह्लाद देने वाला हो जाता है।

अंतर्मन

आज की पाती

पेट्रोल में इथेनॉल की मिलावट से इंजन पर पड़ रहा असर

हाल के दिनों में 20 प्रतिशत इथेनॉल ब्लेण्डेड पेट्रोल (ई20) देशव्यापी स्तर पर चर्चा का विषय बना हुआ है। यानी अब से जो पेट्रोल आप गाड़ियों के लिए इस्तेमाल करेंगे, उसमें 20 प्रतिशत इथेनॉल मिला होगा। बता दें कि 2014 में पेट्रोल में केवल 1.5 प्रतिशत इथेनॉल मिलाया जाता था। इथेनॉल एक तरह का बायोफ्यूल है, जो मुख्य रूप से गन्ने की प्रोसेसिंग के दौरान बनता है। इसे पेट्रोल में मिलाकर इस्तेमाल किया जा सकता है, जिससे न सिर्फ़ फॉसिल फ्यूल पर निर्भरता घटती है, बल्कि प्रदूषण भी कम होता है। पर इसका एक साइड-इफ़ेक्ट भी है। 10 प्रतिशत से 20 प्रतिशत तक की ब्लेण्डिंग पर पुराने इंजन जल्दी घिसने लगते हैं।

- मुकेश अवस्थी, बिलासपुर

ट्रेंड

विधि विज्ञान प्रयोगशाला

'नया उत्तर प्रदेश' अपराध और अपराधियों को स्वीकार नहीं करता, अगर किसी ने अपराध किया तो उसकी कीमत भी चुकानी पड़ेगी। गोरखपुर में आज सरल, सुगम एवं त्वरित न्याय हेतु क्षेत्रीय विधि विज्ञान प्रयोगशाला के भवन का लोकार्पण किया।

- योगी आदित्यनाथ, सीएम, उप्र

समस्याओं का समाधान

वर्षों से अटकी समस्याओं का हमारी सरकार समाधान निकाल रही है। आठ महीनों में ही डीटीसी के बेड़े में बड़ी संख्या में ई-बसें शामिल की हैं, जिससे दिल्ली के सार्वजनिक परिवहन को नई गति और स्वच्छ दिशा मिली है। हम लगातार नए-नए प्रोजेक्ट जनता को समर्पित कर रहे है।

- रेखा गुप्ता, सीएम, नई दिल्ली

जनता का विश्वास

लठैतवाद की लाठी, छद्मवाद का छल व जंगलराज की विरासत तीनों मिलकर जितना ज्यादा भ्रम का मायाजाल बुनते हैं, जनता का विश्वास उतना ही भाजपा और एनडीए के प्रति अडिग होता जाता है।

- केशव प्रसाद मौर्य, डिप्टी सीएम, उप्र

हम करके दिखाते हैं

हमारे कर्मों में हमारे द्वारा किए गए वादे छिपे होते हैं। नए आसमान खोलने, आपके सपनों को क्षितिज तक ले जाने और उड़ान के दौरान आपका हाथ थामने के वादे। आपके सफर में हमसफर बन जाते हैं। नए आसमान आ गए हैं! हम करके दिखाते हैं!

- गौतम अदाणी, उद्यमी

करंट अफेयर

यूएई को एफ-35 लड़ाकू विमान बेचेगा अमेरिका

सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान की बहुप्रतीक्षित वाशिंगटन यात्रा की पूर्व संध्या पर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को कहा कि वह इस खाड़ी देश को एफ-35 लड़ाकू विमान बेचेंगे। हालांकि, ट्रंप प्रशासन में इस बात को लेकर चिंता है कि इस तरह की बिक्री से चीन को उन्नत हथियार प्रणाली के पीछे की अमेरिकी प्रौद्योगिकी तक पहुंच मिल सकती है। जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या वह सऊदी अरब को ये विमान बेचेंगे तो उन्होंने कहा, ''मैं कहूंगा कि हम ऐसा करेंगे। हम एफ-35 बेचेंगे।'' उन्होंने कहा, "वे हमारे लिए एक महत्वपूर्ण सहयोगी रहे हैं।" यह सात वर्षों से अधिक समय में क्राउन प्रिंस की पहली अमेरिका यात्रा होगी इसलिए उम्मीद की जा रही है कि वह अपनी इच्छाओं और मांगों की एक सूची लेकर आएंगे, जिसमें ट्रंप से अपने देश के लिए अमेरिकी सैन्य सुरक्षा के दायरे को परिभाषित करने का औपचारिक आश्वासन और अमेरिका में निर्मित दुनिया के सबसे उन्नत विमानों में से एक एफ-35 लड़ाकू विमान खरीदने का समझौता शामिल है। तीन प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि रिपब्लिकन प्रशासन यह नहीं चाहता कि इस लड़ाकू विमान के सौदे से इजराइल की उसके पड़ोसियों के बीच गुणात्मक सैन्य बढ़त कम हो, खासतौर से ऐसे वक्त में जब ट्रंप अपनी गाजा शांति योजना की सफलता के लिए इजराइली समर्थन पर निर्भर हैं।

ऑफ बीट

वायु प्रदूषण में कमी मानव स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद

उत्तरी गोलार्ध में सर्दी के मौसम की दस्तक के साथ ही बादलों से घिरे सर्द दिनों का भी आगमन हो गया है। बादल पर्यावरण में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वे न सिर्फ बारिश की बूंदें बरसाते हैं, बल्कि सूर्य की किरणों के धरती पर पहुंचने से पहले उन्हें अंतरिक्ष में परावर्तित भी करते हैं। हालांकि, 2003 से 2022 के बीच उत्तर अटलांटिक और उत्तर-पूर्व प्रशांत महासागर क्षेत्र के ऊपर के बादल कम परावर्तक हो गए, जिससे समुद्र की सतह पर धूप की पहुंच बढ़ गई और उसके तापमान में वृद्धि देखने को मिली। मेरे और मेरे सहकर्मियों के हालिया अध्ययन से पता चलता है कि वायु गुणवत्ता सुधारने के वैश्विक प्रयासों ने बादलों की क्रिया में बदलाव लाकर अनजाने में जलवायु परिवर्तन को बढ़ावा दिया है। स्वच्छ आबोहवा मानव स्वास्थ्य के लिए बेहद अहम है, लेकिन कण प्रदूषण की मात्रा घटने से बादलों के शीतलन प्रभाव में भी कमी आई है, जिससे ग्लोबल वॉर्मिंग की प्रक्रिया तेज हो गई है। बादलों पर कण प्रदूषण के स्तर में बदलाव और ग्लोबल वॉर्मिंग के प्रभाव का आकलन करने के लिए हमने अपने अध्ययन में दो दशक के उपग्रह डेटा का इस्तेमाल किया। ये डेटा दिखाता है कि उत्तरी गोलार्ध में वायु मंडल के सबसे निचले स्तर में पाए जाने वाले बादल 2003 के बाद से तेजी से कम परावर्तक होते गए हैं।

हमारा पता

हरिभूमि कार्यालय
रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर
फोन: 401050,271016,फैक्स-271018
ई-मेल: haribhoomibsp@gmail.com
वेब-साइट: www.haribhoomi.com

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

तीन महीने पहले जिस मशरूम यूनिट से बाल मजदूर मुक्त कराए गए, वहां फिर मिले 120 बाल

11 साल की उम्र में लाया गया था बच्चों को, अब भी नाबालिग

ह्यूमन ट्रैफिकिंग...6 साल बाद मिली आजादी, अंधेरे कमरे में रखते थे, सूर्यास्त के बाद भोजन नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

सोमवार देर रात रायपुर के आउटर में मशरूम फैक्ट्री से मुक्त कराए गए बाल मजदूरों के बारे में चौंकाने वाली दर्दनाक जानकारी सामने आई है। ये बाल मजदूर ह्यूमन ट्रैफिकिंग का शिकार हुए हैं। इनमें से अधिकतर को 11 साल की उम्र में यहां लाया गया था। अधिकतर अब भी नाबालिग हैं। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, महिला एवं बाल विकास विभाग, पुलिस व गैर सरकारी संगठन एसोसिएशन फॉर वॉलंटरी एक्शन (एवीए) ने संयुक्त रूप से यहां छापा मारा था। चार घंटे तक चली इस कार्रवाई में 14 से 17 साल की उम्र की 80 लड़कियां और 40 लड़के बाल श्रम से मुक्त कराए गए। इन्हें बेहद अमानवीय हालात में रखा ▶▶|शेष पेज 6 पर

हरिभूमि फॉलोअप

दिनभर चलती रही काउंसिलिंग

सोमवार देर रात फैक्ट्री से बच्चों को छुड़वाने के बाद उन्हें माना के बाल कल्याण गृह में रखा गया था। इतनी बड़ी संख्या में बाल मजदूर मिलने से अधिकारी और कर्मचारी भी हैरान रहे। मंगलवार सुबह से इन बच्चों की काउंसिलिंग शुरू की गई। देर रात तक बच्चों की काउंसिलिंग की जाती रही, जहां उनसे उनके परिवार सहित अन्य व्यक्तिगत जानकारियां ली गईं। फैक्ट्री में हो रही यातनाओं के विषय में भी बच्चों ने विस्तार से काउंसलर्स को बताया।

कई बच्चे कुपोषित

एसोसिएशन फॉर वॉलंटरी एक्शन का कहना है कि इन बच्चों का गंभीर रूप से शोषण हो रहा था। उनकी आवाजाही पर पाबंदी थी और उन्हें डरा-धमकाकर रखा जाता था। उन्हें जिन कमरों में ठहराया गया था, उनमें से अधिकतर में रोशनी की कोई व्यवस्था नहीं थी। इसके अलावा रात को उन्हें खाना कभी-कभी ही मिलता था। एक समय ही भोजन मिलने के कारण कई बच्चे कुपोषित रह गए हैं। एवीए ने लगभग बंधुआ मजदूर जैसे हालत में रखे ▶▶|शेष पेज 6 पर

पुराने विस भवन में आखिरी सत्र, साय का बड़ा ऐलान, अब 200 यूनिट तक बिजली बिल हॉफ

- विधानसभा के पुराने भवन में 25 साल की यादगारी पर होती रही चर्चा
- अजय चंद्राकर ने कहा- रमन का कार्यकाल स्वर्णिम

विधानसभा के पुराने भवन के आखिरी सत्र में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बड़ा ऐलान किया। उन्होंने कहा, अब बिजली बिल हॉफ योजना की सीमा को 100 यूनिट से बढ़ाकर 200 यूनिट किया जाएगा। इससे प्रदेश के 42 लाख बिजली उपभोक्ताओं को फायदा होगा। राज्य सरकार ने विकास की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम आगे बढ़ाते हुए कई बड़े निर्णयों और उपलब्धियों की जानकारी सार्वजनिक की है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

राज्य के विद्युत उपभोक्ताओं को बड़ी राहत देते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज विधानसभा के विशेष सत्र में नई बिजली योजना की घोषणा की। अब प्रदेश के ऐसे घरेलू उपभोक्ताओं को जिनका 200 यूनिट तक विद्युत खपत है उन्हें 200 यूनिट तक हाफ बिजली का पूरा लाभ प्राप्त होगा। इस निर्णय से राज्य के 36 लाख घरेलू उपभोक्ता सीधे तौर पर लाभान्वित होंगे। 200 से 400 यूनिट तक बिजली खपत करने वाले उपभोक्ताओं को भी अगले 1 वर्ष तक 200 यूनिट तक हॉफ बिजली बिल का लाभ मिलेगा, इससे 6 लाख उपभोक्ता लाभान्वित होंगे। इन उपभोक्ताओं को 1 वर्ष तक की छूट दी गई है ताकि इस अवधि में वे अपने घरों में पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत सोलर प्लांट स्थापित करा सके। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता हर उपभोक्ता को सस्ती, सुचारू और भरोसेमंद विद्युत आपूर्ति उपलब्ध ▶▶|शेष पेज 6 पर

25 साल के सफर को किया याद

विधानसभा के विशेष सत्र में राज्य के 25 वर्ष के सफर पर चर्चा के दौरान किए गए कार्यों को याद किया गया। इसकी शुरुआत भाजपा के वरिष्ठ विधायक अजय चंद्राकर ने की। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के कार्यकाल को स्वर्णिम युग ▶▶|शेष पेज 6 पर

रिजेक्टेड सलाहकारों ने भूपेश के नाम का किया दुरुपयोग

श्री चंद्राकर ने कहा कि उसके बाद भूपेश बघेल का कार्यकाल आया। उनमें वो आग थी, और आज भी है। उनके निर्णय ग्राम्य जीवन को बदल सकते थे, अगर वे योजनाओं को बजटीय सपोर्ट देते। उन योजनओं को बजटीय सपोर्ट न होने के कारण नहीं चल पाईं। उनके सलाहकार ऐसे रिजेक्टेड लोगों को बनाया गया था, जिन्होंने उनके नाम का दुरुपयोग किया। उसके बाद राज्य में विष्णुदेव की पारी चल रही है। अभी शुरुआत अच्छी हुई है। प्रधानमंत्री ने उनके आदिवासी क्षेत्रों में किए गए कार्यों की सराहना की है। 11 हजार करोड़ से अधिक की सड़क परियोजनाओं पर काम चल रहा है।

डॉ. रमन का कार्यकाल स्वर्णिम युग

श्री चंद्राकर ने कहा, उसके बाद भाजपा की सरकार आई, डॉ. रमन सिंह मुख्यमंत्री बने। डॉक्टर रमन सही में डॉक्टर हैं, उन्होंने राज्य की नब्ज पकड़ ली। तीन कार्यकाल में 15 साल राज्य की जनता को 1 रुपए किलो में चावल और जीरो प्रतिशत ब्याज का ऐतिहासिक निर्णय लिया। राज्य को शून्य से उठाकर ऊंचाई तक ले गए। रमन के कार्यकाल को उन्होंने स्वर्णिम युग बताया।

संसदीय यात्रा का इतिहास लिखने जा रहा छत्तीसगढ़-महंत

नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने कहा, छत्तीसगढ़ विधान सभा भी अपने 25 वर्षों की संसदीय यात्रा उच्च आदर्शों एवं परम्पराओं के पालन में प्रदेश एवं देश के लिए मिशाल कायम की है। छत्तीसगढ़ विधान सभा अपने 25 वर्ष के संसदीय यात्रा के दौरान आयोजित संसदीय, सांस्कृतिक एवं अन्य प्रशासनिक कार्यक्रमों के आयोजन में सत्ता पक्ष के साथ-साथ विपक्ष के नेता को उनकी गरिमा के अनुरूप स्थान एवं महत्व प्रदान करता रहा है। अधिपत्य में लेकर 25 वर्षों तक प्रदेश की षष्ठम विधान सभा का सांतवा सत्र आज इस भवन में संचालित रहा है। राज्य अपने युवा अवस्था में स्वयं के निर्मित विधान सभा भवन में अपनी आगामी संसदीय यात्रा का इतिहास लिखने जा रहा है।

पार्टी में कॉफी मशीन फटी एक की मौत, कई घायल

शाहजहांपुर। मदनापुर इलाके में एक विवाह समारोह के दौरान कॉफी मशीन फटने से कॉफी बना रहे सुनील नामक व्यक्ति की मौत हो गई तथा कई अन्य घायल हो गया। पुलिस ने बताया कि बहुरा पेहना गांव में अंकित नामक व्यक्ति की बहन की बारात सोमवार को फर्रुखाबाद के शमशाबाद से आई थी।

सीआरपीएफ स्कूलों समेत दो कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में एक फिर से दो सीआरपीएफ स्कूलों और दो कोर्ट को ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिली है। जिन स्थानों के लिए धमकी मिली उनमें द्वारका का सीआरपीएफ पब्लिक स्कूल, प्रशांत विहार का सीआरपीएफ स्कूल, साकेत कोर्ट परिसर व रोहिणी कोर्ट परिसर शामिल हैं। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। एक ही दिन में चार जगहों को धमकी मिलने से सभी सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गईं। इन सभी जगहों को एक ही ईमेल में बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। दिल्ली पुलिस के अनुसार, अभी सभी लोकेशन सुरक्षित हैं, लेकिन शहर में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाई गई है। साइबर सेल ईमेल भेजने वाले की पहचान करने में लगी है। साकेत और रोहिणी कोर्ट में पहले से ही सुरक्षा व्यवस्था मजबूत थी, लेकिन धमकी मिलने के बाद सभी गाड़ियों की कड़ी चेकिंग, कोर्ट परिसर और आसपास एरिया ▶▶|शेष पेज 6 पर

नए भवन में शीत सत्र 14 से पुराने भवन की हुई विदाई

छत्तीसगढ़ विधानसभा का शीतकालीन सत्र दिसंबर में आयोजित किया जाएगा। वहीं एक दिन के विशेष सत्र में छत्तीसगढ़ विधानसभा के पुराने भवन को विदाई दी गई।

- नए विधानसभा में सत्र की शुरुआत रविवार को, चार दिन का रखा सत्र

छत्तीसगढ़ विधानसभा के एक दिन के विशेष सत्र में पुराने भवन को विदाई दी गई। अब छत्तीसगढ़ विधानसभा का कार्यकाल नए भवन में संचालित होगा, इसके लिए एक दिन के विशेष सत्र में नए भवन में संचालन का प्रस्ताव भी पास किया गया, जिस पर सभी ने सहमति जताई। वहीं छत्तीसगढ़ विधानसभा के शीतकालीन सत्र की तारीख भी तय हो गई है और इसकी तैयारियां शुरू करने के निर्देश भी विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने दिए। एक दिन के विशेष सत्र ▶▶|शेष पेज 6 पर

गुजरात में दर्दनाक हादसा

एम्बुलेंस में लगी आग, नवजात पिता, डॉक्टर समेत 4 जिंदा जले

सूरत। गुजरात के अरवल्ली जिले के मोडासा शहर के पास एक दर्दनाक हादसा हो गया, जहां एक चलती एम्बुलेंस में आग लग गई, जिसमें एक नवजात शिशु, उसका पिता, एक डॉक्टर और एक नर्स की जलने से मौत हो गई। पुलिस निरीक्षक डीबी वाला ने बताया कि मोडासा-धनसुरा रोड पर एम्बुलेंस में आग रात करीब एक बजे लगी, जब जन्म के बाद बीमार नवजात बच्चे को आगे के इलाज के लिए मोडासा स्थित एक अस्पताल से अहमदाबाद के एक निजी अस्पताल ले जाया जा रहा था। चालक और मोची के दो रिश्तेदार, घायल होने से बच गए। वे आगे की सीट पर थे। एसपी डीबी वाला ने आगे कहा- जिग्नेश मोची पड़ोसी महिसागर जिले के निवासी थे और उनके नवजात बच्चे का जन्म के बाद मोडासा के एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा था।

हादसे में इनकी हुई मौत

इस हादसे में बच्चे, उसके पिता जिग्नेश मोची, अहमदाबाद निवासी डॉक्टर शांतिलाल रेंतिया और अरवल्ली निवासी नर्स भूरीबेन मनात की मौत हुई है। मोची के दो रिश्तेदार, निजी एम्बुलेंस चालक और तीन अन्य लोग झुलस गए है। उन्हें पास के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया।

सऊदी में ही दफनाए जाएंगे हादसे में मृत 45 भारतीयों के शव

नई दिल्ली। सऊदी अरब के मक्का–मदीना हाईवे पर रविवार देर रात हुए भीषण बस हादसे में जान गंवाने वाले 45 भारतीय नागरिकों के शव अब भारत नहीं लाए जाएंगे। ये सभी उमरा यात्रा के लिए सऊदी गए थे। तेलंगाना मंत्रिमंडल ने घोषणा की है कि मारे गए सभी भारतीयों को उनके धार्मिक रीति-रिवाजों के अनुसार सऊदी अरब में ही दफनाया जाएगा। इसके लिए हर पीड़ित परिवार से दो लोगों को अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए सऊदी भेजा जाएगा। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि परिजनों को शव सऊदी में दफनाने या भारत लाने का विकल्प दिया जा सकता है, लेकिन सऊदी कानून के अनुसार शवों को वापस भेजना बेहद मुश्किल होता है।

मोक्ष की कामना सनातन संस्कृति की पहचान है। मोक्ष शरीर, चेतन मन और अचेतन मन को शून्यता प्रदान करती है ऐसा माना जाता है, किंतु जनजातीय समाज में मोक्ष की कामना हमें देखने नहीं मिलती। वे जीवन की निरंतरता और जीवन मृत्यु के चक्र को मानता है। जीवन-पद्धति में जनजातियों का सामाजिक ढांचा प्रकृति, पूर्वजों और समुदाय की स्मृतियों से गहराई से जुड़ा होता है। इसी परंपरा का एक महत्त्वपूर्ण अंग है — वंशावली संधारण प्रणाली। यह केवल पारिवारिक नामों या पीढ़ियों का क्रमिक लेखा-जोखा भर नहीं है।

बस्तर अंचल के आदिवासी बनाते हैं आत्माओं का घर

संस्कृति
स्वाती आनंद

बस्तर संभाग के कोंडागांव, बीजापुर, नारायणपुर जिले में रहने वाली जनजाति आज भी अपनी विशिष्टता को लिए हुए है।कम नहीं है अबूझ पहेली। जनजातीय दर्शन में पुनर्जन्म को जीवन-मृत्यु के स्वाभाविक चक्र के रूप में देखा जाता है। जनजातीय समाज मानता है कि आत्मा अमर है, जो शरीर त्यागने के बाद समाप्त नहीं होती, बल्कि पुनः अपने वंश या समुदाय में जन्म लेती है। यह पुनर्जन्म केवल मानव रूप में ही नहीं, बल्कि पेड़, पशु, पक्षी या किसी अन्य जीव रूप में भी संभव माना जाता है।

जनजातियों के अनुसार मृत्यु आत्मा का अंत नहीं, बल्कि एक नई यात्रा की शुरुआत है। आत्मा कुछ समय " डूमा लोक " या " पेन लोक " में रहती है और उचित समय आने पर पुनः धरती पर लौट आती है। इसी विचार से जुड़ी है 'आना कुड़मा' की धारणा — जिसका अर्थ है " फिर से मानव रूप में लौटना। " जब किसी बच्चे में किसी पूर्वज के गुण, व्यवहार या निशान देखे जाते हैं, तो कहा जाता है कि वह " आना कुड़मा " होकर आया है। इस प्रकार जनजातीय दर्शन में पुनर्जन्म का विचार केवल धार्मिक विश्वास नहीं, बल्कि वंश, प्रकृति और आत्मा के सतत संबंध की दार्शनिक अभिव्यक्ति है — जहाँ जीवन कभी समाप्त नहीं होता, बल्कि रूप बदलकर चलता रहता है।

लोक साहित्य
डा. पीसी लाल यादव

आंचलिक साहित्य में मिथक व्यापक रूप में मिलता है

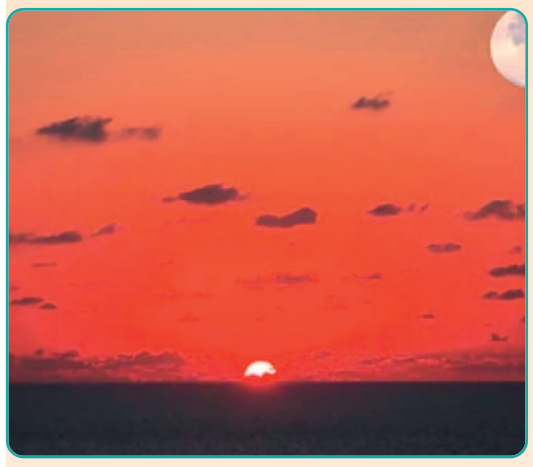

लोक साहित्य में मिथक का प्रभाव व्यापक रूप में देखने को मिलता है। एक छत्तीसगढ़ी मिथक के अनुसार सूर्य और चन्द्रमा भाई बहन थे। मां बीमार थी और दावत में गए। सूर्य लोभी था और वह खूब खाया, पर अपनी मां के लिए कुछ भी नहीं लाया। चन्द्रमा ने अपनी मां का ख्याल रखा और दावत से मां के लिए कुछ भोज्य पदार्थ ले आए। सूर्य को मां ने श्राप दिया कि तूने बीमार मां का ख्याल नहीं रखा। इसलिए हमेशा जलता रहेगा। चूंकि चन्द्रमा ने मां का ख्याल रख संतृप्त किया इसलिए शीतल रहेगी। आज भी सूर्य तप कर सबको तपा रहा है और चन्द्रमा शीतलता प्रदान कर रहा है। सूर्य और चन्द्रमा पर एक और मिथक - चंद्रमा भूना हुआ बेल खा रहा था। सूरज ने उससे पूछा - तुम क्या खा रहे हो? चन्द्रमा ने जवाब दिया, अपने बच्चे। सूरज ने कहा -तो फिर मुझे थोड़ा दो। सूरज ने फल खाया और उसे मीठा लगा। इससे खुश होकर सूरज ने अपने सभी बच्चे खा लिए सिवाय एक के छोड़ जो बिजली की तरह भाग गया। वास्तविकता पता चलने पर सूरज ने चंद्रमा को श्राप दिया, तुम हमेशा जीते मरते रहोगे। बदले में चंद्रमा ने सूरज को श्राप दिया और सूरज की एक आंख फूट गई। इसलिए उसकी एक ही आंख है। साल के आठ महीने वह आंख नहीं धोता। इसके बाद वह आंख की गंदगी पोंछ डालता है और बहुत गर्म हो जाता है। चन्द्रमा और सूरज पर ही और कई मिथक प्रचलित हैं। इस तरह लोक साहित्य में समृद्ध मिथक की परम्परा हमें देखने मिलते हैं।

पुस्तक समीक्षा

छेरछेरा

कृति का नाम
छेरछेरा

कृतिकार
भोलाराम सिन्हा

समीक्षक
टीकेश्वर सिन्हा 'गब्दीवाला'

प्रकाशक
रूम टू रीड, नई दिल्ली

संस्करण
प्रथम, 2024

साहित्य शिक्षा में समाया हुआ है; और शिक्षा साहित्य में। इसी भाव प्रवण तथ्य के साथ शिक्षा के प्रति समर्पित, साहित्य का मशाल लिये शिक्षक युवा कहानीकार भोलाराम सिन्हा ने नन्हे बच्चों के लिए एक छोटी-सी कहानी लिखी है- छेरछेरा, जो एक सचित्र पुस्तक के रूप में प्रकाशित हुआ है। यह चित्रकथा छत्तीसगढ़ के समस्त शासकीय प्राथमिक शालाओं में उपलब्ध है। इस कहानी को समग्र शिक्षा व रूम टू रीड इंडिया द्वारा चौदह भाषाओं में अनुवाद कराया गया है। उक्त कहानी छत्तीसगढ़ी ग्रामीण परिवेश पर आधारित है। ग्राम्यांचल संस्कृति को उजागर करती कहानी के प्रमुख पात्र दादी और पोती मीना हैं। लोकपर्व छेरछेरा को मीना अपनी सहेलियों के साथ छेरछेराने जाती है। वह दान में मिले अन्न को बेचती है, जिससे उसे कुछ पैसे मिलते हैं। फिर अपनी सहेली के साथ बाजार घूमने जाती है। घर लौटते समय अपनी दादी के लिए एक चादर खरीद कर लाती है। मुंशी प्रेमचंद की कहानी ईदगाह का स्मरण कराती यह कहानी बच्चों के लिए बड़ी रोचक एवं प्रेरक बन पड़ी है। कहानी में वत्सल तो है ही, मर्म भी है।

लेखकों से..

छत्तीसगढ़ की लोक कला, लोक साहित्य, पर्यटन, तीज त्योहार, गांव की कहानी, ऐतिहासिक, पुरातात्विक, शैलचित्र, भित्तिचित्र, कला कृति और पुरखा के सुरता के साथ ही सम सामयिक विषयों पर अधिकतम 500 शब्दों पर लेख भेजें- **Choupalharibhoomi@gmail.com**

गांव की कहानी
सतीश शर्मा

नरेश्वर महादेव के नाम पर ग्राम नारी का नामकरण

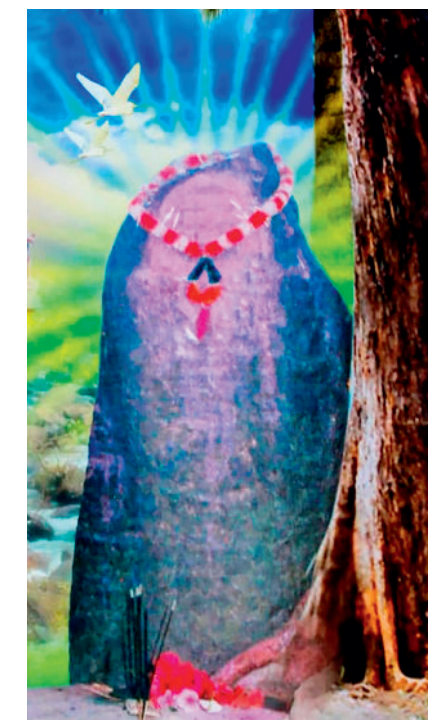

धमतरी जिले के कुरुद विकासखंड में महानदी के तट में स्थित ग्राम नारी में स्वयंभू भगवान नरेश्वर महादेव के प्राकट्य से ही गांव का नाम जुड़ा हुआ है। ग्राम नारी में यह शिवलिंग शीतला माता के ठीक पार्श्व भाग और शीतला तालाब के सामने स्थित है। जनश्रुति के अनुसार वर्तमान नारी बस्ती में पहले बसाहट नहीं थी। यहां पहले झाड़-झरोखे से भरा हुआ, वीरान स्थान हुआ करता था। प्राचीन बस्ती भरेठी के एक खेत के चौरा में प्राचीन शीतला माता विराजमान हैं। अनुमान है कि महानदी के पास पानी की सहज उपलब्धता और कृषि के लिए सिंचित योग्य भूमि भी बस्ती स्थानांतरण का प्रमुख कारण रहा होगा। शिवलिंग का ऊपरी हिस्सा किनारे से एक छोर कटा हुआ प्रतीत होता है। एक सिरा सिर के समान पूर्ण है और किनारे भाग पर उभरी रेखा स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। यह रेखा संकेत करती है कि शिवलिंग में शिव और शक्ति का युगल स्वरूप विद्यमान है। प्राचीन फोटो में यह वास्तविक रूप से स्पष्ट भी हो जाता है। जबकि वर्तमान में शिवलिंग के आधे से भी अधिक का हिस्सा पीपल वृक्ष के जड़ में बंधा हुआ है। अनुमान है भूमि से यह शिवलिंग 5 फुट से अधिक है। युगल स्वरूप होने की इसी प्राचीन मान्यता से इनकी प्रसिद्धि व्याप्त है। इस कारण इसे अर्ध नारीश्वर महादेव कहा गया। समय के साथ उच्चारण की सुगमता के कारण नारीश्वर महादेव और अंततः नरेश्वर महादेव कहा जाने लगा। भगवान नरेश्वर महादेव के इस अर्ध नारीश्वर प्राकट्य के कारण ही गांव का नाम नारी पड़ा। यह नाम न केवल धार्मिक महत्व दर्शाता है, बल्कि क्षेत्र की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर को भी संजोए हुए है। छत्तीसगढ़ के भौगोलिक और राजस्व अध्ययन में उल्लेखनीय जानकारी यह है कि छत्तीसगढ़ में इस गांव के अतिरिक्त 'नारी' नाम का कोई दूसरा गांव राजस्व अभिलेख में नहीं है।

ऐतिहासिक : डा. प्रकाश पतंगीवार

अनेक प्राचीन साक्ष्य को संजोया बालोद जिले का गुरूर

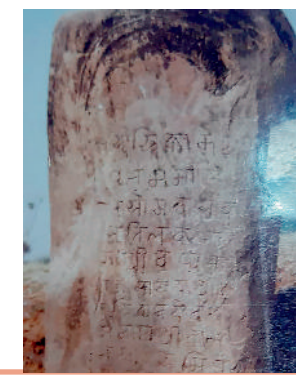

चित्रकला, मूर्तिकला, स्थापत्य कला, संस्कृति और साहित्य से किसी समाज का क्षेत्र विशेष की पहचान बनती है। खंडहर, भग्नमूर्तियां या पुरातात्विक धरोहरों से उस काल का पता चलता है। एक जमाना था जब आर्थिक या व्यावसायिक दृष्टि से बालोद गुरूर क्षेत्र काफी विख्यात था। यह जमाना था सोमवंशी नरेशों का। कांकेर राज्य के सोमवंशी नरेशों का क्षेत्र में आना जाना लगा रहता था। उनके द्वारा स्थापित मंदिरों व मूर्तियों के भग्नावशेष यहां स्थान स्थान पर बिखरे पड़े हैं। पुष्टि होती है कि बालोद गुरूर तक राज करने वाले सोमवंशी ने यहां विष्णु, हनुमान, गणेश इत्यादि की मूर्तियां स्थापित की थी, जो काल के गाल में समा कर अब भग्न रूप में दिखाई देते हैं। सन 1906 के पूर्व गुरूर , कांकेर राजवंश का ही हिस्सा था। इस क्षेत्र में सन 1192 में सोमवंशी नरेशों का प्रभुत्व कायम हुआ। कन्हर देव ने कांकेर गढ़िया राजा को मार कर इसे राजधानी बना ली। कलिंग के समीप होने के कारण बालोद गुरूर सीमा कहीं कहीं गुप्तकालीन पाषाण प्रतिमाएं प्राप्त हुई हैं।

परब विशेष
डॉ. नीलकंठ देवांगन

छत्तीसगढ़ में अगहन मास का महत्व

छत्तीसगढ़ धान का कटोरा कहलाता है। यहां धान की फसल बहुतायत में होती है। पहले यह ओहांरी, सियारी का राज्य भी कहलाता था। रबी और खरीफ दोनों प्रकार की फसलों का भरपूर उत्पादन होता था। धान, गेहूं, कोदो, चना, अरहर, लाख, लाखड़ी, उड़द, मसूर की अच्छी खेती होती थी। सबके कोठी भरे होते थे। कोदो को तो पंद्रह बीस साल तक रखने पर भी खराब नहीं होता था। आवश्यकतानुसार दरवा कर भोक्कड़ भात खाते थे। भाटा, टमाटर के दिनों में अधिक खाना खिलाता है। अकाल, दुकाल के समय कोठी का अनाज काम आता था। जिनके पास नहीं होता था वह उधारी बाढ़ी से काम चला लेते थे। अगहन महीने में लक्ष्मी माई का प्रत्यक्ष दर्शन अन्न का रूप में होता। सबके मन खिले रहते। घर गद बोलता, भरा भरा लगता। हर घर कोठी में अन्न रहता। जिस गांव में धान के संग ओनहारी फसल होता है वह गांव आज भी अगहन महीने में गद लगता है। अगहन महीना चाहे वह धान कोदो के लिए चाहे तीवरा चना भाजी के लिए हो, पहचाना जाता है।

सुरता: डा. डी. पी. देशमुख

अपनी काव्य सरिता से गुदगुदाने वाले सुरजीत नवदीप को भुलाया नहीं जा सकता

सुरजीत नवदीप हिन्दी और छत्तीसगढ़ी काव्य के सशक्त हस्ताक्षर थे।उनके काव्य के कथ्य और उनकी जीवन शैली में जरा भी फर्क नहीं था। बदन पर पाजामा-कुर्ता,सिर पर केसरिया पगड़ी, घनी दाढ़ी-मूंछ और होठों में तरल मुस्कान। जब वे किसी भीड़ से गुजरते थे तो लोग विस्मय में पड़ जाते थे कि सरदारों में ऐसा सरल व्यक्तित्व शायद ही कोई दूसरा मिले। सुरदीप नवदीप जी का जन्म 1 जुलाई 1937 को पंजाब के भावलदीप में हुआ था, जो अब पाकिस्तान में है। देश बंटवारे के बाद उनका परिवार धमतरी से चार किलोमीटर दूर कंडेल ग्राम में आ बसा। उन्होंने एम.ए. हिंदी तक शिक्षा ग्रहण की थी। जब वे सातवीं पढ़ रहे थे तभी उनके मन में कविता के प्रति अभिरुचि जागी।

उनकी प्रारंभिक कविता की कुछ पंक्तियां इस प्रकार है-

इन खेतों में दाल दोरों
छीट दोरे बीज दी
ये धान के गुरमतिया, सुरमतिया
भेजरी अजान के

पिता को गुरुग्रंथ साहेब कंठस्थ था, पिता के श्लोकों के सहारे वे तुकांत कविता लिख जाते थे, तब उनकी उम्र छोटी थी। उनके आरंभिक कविताओं का विषय खेत व किसान होता था। आगे उनकी गणना अखिल भारतीय कवि-समुदाय में की जाने लगी।तब के काका हाथरसी, जगदीश सोलंकी, हरिओम प्रकाश, गोविंद व्यास, सोम ठाकुर, मदन पांडे जैसे कवियों के साथ अनेक मंचों में काव्य पाठ किये। निरंतर उनके काव्य संकलन का दायरा बढ़ते गया। सामाजिक, राजनीतिक विसंगतियों का विद्रुप चित्रण,संस्कृति और मानवीय संवेदनाओं के विघटन जैसे विषयों पर व्यंग लिखते गए।हास्य व्यंग्य कविता की एक बानगी देखें-

पति-पत्नी के, संबंध बतलाइये
दाल में नमक अधिक है
चुपचाप खाइये।

पेशे से वे शिक्षक थे, वहां वो पूर्णतः अनुशासित और समय के पाबंद थे। कहा जाता है कि उनका सौम्य-सरल व्यक्तित्व, विद्यार्थियों के दिलों-दिमाग मे एक अमिट छाप छोड़ जाता था। किन्तु यह भी सच है कि आम आदमी पर जमाना लदता जा रहा था। शिक्षक तो अपनी सम्मान की ख्वाइश लिए हुये थे लेकिन कुछ विद्यार्थी ऐसे भी थे जो गंदी राजनीति के हाथों खेल रहे थे। इस संबंध में नवदीप जी के दो शब्द देखिये-

एक शिक्षकीय जीवन पर,,
ये शिक्षक,,जी हां
इसे राष्ट्रपति पुरस्कार
मिला हुआ है
ये नींव का पत्थर है,
पर हिला हुआ है।
और दूसरा,
आज के विद्यार्थी जीवन पर
इनके पढ़ाये हुए
नौवीं फेल छात्र,मंत्री बनकर
देश का झंडा चढ़ा रहे हैं
और ये गुरुजी, बीस साल से
कक्षा नौवीं पड़ा रहे है।

उनकी कविताओं की संख्या विशाल है। महत्वपूर्ण प्रकाशित ग्रंथों में ₹हवाओं में भटकते हुए हाथ₹(काव्य संग्रह), ₹लाजवंती का पौधा₹ (उपन्यास), आंसू हंसते हैं, भाई मुझे कम दिखाई देता है जैसे काव्य संकलन चर्चित रहे है।अखिल भारतीय मंचों में एक सशक्त संचालक के रूप में उनकी महती भूमिका रही है।

विविध स्तरों पर उनके सम्मान की लंबी फेहरिस्त है शासन स्तर पर छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग के सदस्य में उनकी महती भूमिका को नजर अंदाज नहीं किया जा सकता। धमतरी निवासी आज वे हमारे बीच नहीं रहे , लेकिन उनकी कवि सुलभ प्रतिभा से सम्पूर्ण साहित्य जगत अलौकिक होता रहेगा।

चीन के इस तालाब में मछलियों को खिलाई जाती हैं 5000 किलो मिर्च

चीन की खेती और मछली पालन से जुड़े कई अनोखे किस्से अक्सर सुनने को मिलते हैं, लेकिन हुनान प्रांत के इस तालाब की कहानी लोगों को हैरान कर देती है। इंसानों को मिर्च खाते तो हम देखते ही आए हैं, पर क्या कभी ऐसी मछलियों के बारे में सुना है जो रोज लाल मिर्च चटखारे लेकर खाती हों? चांग्शा में स्थित यह तालाब इसी वजह से इंटरनेट पर खूब चर्चा में है।

बीजिंग। यहां की मछलियों को प्रतिदिन करीब 5000 किलो ताजी लाल मिर्च दी जाती है, और यही वजह है कि यह जगह जितनी अजीब लगती है, उतनी ही दिलचस्प भी है। चांग्शा के इस 10 एकड़ बड़े तालाब की देखभाल दो साथी कर रहे हैं जियांग शेंग, जो लगभग चालीस साल से मछलियों की परवरिश का अनुभव रखते हैं, और उनके पुराने स्कूल मित्र कुआंग के। दोनों बताते हैं कि तालाब में इस समय दो हजार से अधिक मछलियां हैं। वे हर रोज इतनी मात्रा में मिर्च खाती हैं कि किसी को भरोसा ही नहीं होता। जियांग और कुआंग के अनुसार, मछलियों को इंसानों वाली वही मिर्चें खिलाई जाती हैं-कोन पेपर और मिलेट पेपर। उनका कहना है कि मिर्च खाने से मछलियों के शरीर की बनावट में सुधार आता है, उनका मांस अधिक मुलायम और स्वादिष्ट हो जाता है, और उनकी स्केल्स में एक अलग तरह की चमक आ जाती है।

क्यों खिलाई जाती है ये मिर्च

शुरू में मछलियां इस नए खाने को देखकर थोड़ा हिचकीं, लेकिन धीरे-धीरे वे इस कदर इसकी आदी हो गईं कि अब घास की जगह मिर्च उन्हें ज्यादा भाती है। जियांग बताते हैं कि मछलियों की स्वाद पहचानने की क्षमता इंसानों जैसी नहीं होती। वे स्वाद से ज्यादा गंध के आधार पर अपने भोजन को पहचानती हैं। इसलिए, मिर्च का तीखापन उन्हें परेशान नहीं करता। उनका कहना है कि मिर्चों में मौजूद विटामिन और कैप्सैसिन मछलियों के शरीर के लिए फायदेमंद हैं। इससे उनका पाचन दुरुस्त रहता है, विकास बेहतर होता है और उनमें बीमारियों से लड़ने की क्षमता बढ़ जाती है। कैप्सैसिन परजीवियों को भी दूर रखता है, जिससे मछलियों पर संक्रमण का खतरा कम हो जाता है।

पहले लोगों को लगता था मजाक

अब आसपास के किसान अपने खेतों से निकली बची हुई या खराब होने वाली मिर्चें मुफ्त में देने लगे हैं। इससे तालाब वालों का खर्च भी घट गया है और किसानों को भी फायदा है, क्योंकि उनकी फालतू मिर्चें अब बेकार नहीं जातीं। स्थानीय लोग बताते हैं कि यह प्रयोग पहले एक मजाक जैसा लगा था, लेकिन कुछ महीनों बाद जब मछलियों की बढ़त, रंग और स्वास्थ्य में फर्क दिखने लगा तो लोगों ने इसे गंभीरता से लेना शुरू कर दिया। अब यहां रोजाना कई लोग आते हैं, जो इस अनोखे तालाब को देखना चाहते हैं। सोशल मीडिया पर भी इस जगह के वीडियो तेजी से फैल रहे हैं, और लोग इसे दुनिया की सबसे अजीब, लेकिन दिलचस्प मछली पालन तकनीकों में से एक बता रहे हैं।

रोचक खबरें

दूल्हा-दुल्हन की एंट्री के वक्त सामने पड़े थे कफन ओढ़े लोग, मेहमानों की उड़ गई सिट्टी-पिट्टी

शादी-ब्याह में धूमधाम वाली एंट्री तो आपने बहुत देखी होगी। कभी दूल्हा घोड़ी पर आता है, कभी दुल्हन फूलों की बारिश के बीच। लेकिन, इस कपल ने जो कारनामा किया, उसने इंटरनेट पर लोगों की आंखें फटी की फटी छोड़ दीं। वीडियो की शुरुआत ही ऐसी होती है कि एक पल को लगता है जैसे किसी हॉरर फिल्म का ओपनिंग सीन हो। सामने कुछ बड़ा-सा सफेद लिपटा हुआ दिखाई देता है, बिल्कुल ऐसे जैसे किसी ने कफन ओढ़ा रखा हो। पहली नजर में तो किसी का भी कलेजा धक से बैठ जाए। तो आज की इस खबर में हम आपको इसी वीडियो के बारे में विस्तार से बताने जा रहे हैं। आइए जानते हैं। कपल जैसे-जैसे स्टेज की तरफ बढ़ता है, जमीन पर बड़े-बड़े सफेद पैक नजर आते हैं। देखने वाले सोच रहे थे कि यह कोई शादी की एंट्री है या गलती से इन्हें किसी क्राइम स्पॉट पर ले आए हैं। माहौल ऐसा था कि मेहमान भी समझ नहीं पा रहे थे कि आखिर हो क्या रहा है। तभी अचानक से वो सफेद पैक हलचल करने लगते हैं। कुछ सेकंड में ही नजर आने लगता है कि जिसके बारे में सबको लग रहा था कि यह 'डेड बॉडी' जैसा कुछ है, वह असल में कुछ और ही खेल है।

दूल्हा-दुल्हन की गजब हुई एंट्री : जैसे ही कपल नजदीक पहुंचता है, वे सफेद पैक जोर से फूलने लगते हैं और देखते ही देखते बैलून की तरह खड़े होकर एक खूबसूरत एंट्री गेट बन जाते हैं। तब सबको पता चलता है कि ये तो एयर बैग्स थे, जिन्हें खास तरीके से सरप्राइज एंट्री के लिए लगाया गया था। जिस चीज़ ने पहले सबको डरा दिया था, वही कुछ पलों बाद शादी का शानदार आर्च बनकर खड़ी थी। दूल्हा-दुल्हन के चेहरे पर मुस्कान थी और मेहमानों के चेहरे पर पहले डर की झलक, फिर समझ आने पर हंसी और हैरानी। सच कहें तो जिस तरह का ट्विस्ट इस एंट्री में था, उसे देखकर किसी की भी सांस रुक जाए। शुरुआत में ऐसा लग रहा था जैसे कोई अनहोनी होने वाली है। लेकिन कुछ ही सेकंड में पूरा माहौल बदल गया।

पैदा होते ही इस बच्चे का नाम गिनीज बुक में हुआ दर्ज

न्यूयार्क। कभी-कभी जिंदगी सबसे मुश्किल हालात में भी उम्मीद की एक हल्की-सी लौ दिखा देती है। ये कहानी है उसी रोशनी की...एक ऐसे नन्हे बच्चे की, जिसे डॉक्टरों ने उम्मीद से पहले ही 'असंभव' कह दिया था, लेकिन किस्मत ने उसकी स्क्रिप्ट कुछ और ही लिख रखी थी। अमेरिका के आइओवा सिटी में जन्मा छोटा-सा नैश आज दुनिया को ये संदेश दे रहा है कि, 'चमत्कार' कभी भी...कैसे भी हो सकता है। सिर्फ 283 ग्राम में जन्मा यह बच्चा दुनिया के सबसे प्रीमैच्योर यानी समय से पहले जन्मे बच्चे का खिताब पा चुका है।

2024 में सिर्फ 21 हफ्ते की गर्भावस्था में जन्मे नैश ने आते ही गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड बना दिया। इतने कम हफ्तों में जन्म लेना आमतौर पर जीवन की संभावना बेहद कम कर देता है, लेकिन नैश...जिसका वजन उस समय एक कपकेक जितना भी नहीं था।..जिंदगी जी रहा है, बल्कि अब उसे पूरा एक साल का हो चुका है। उसकी मुस्कान, उसकी प्यारी सी आंखें और उसकी छोटी-छोटी हरकतें बताती हैं कि जिंदगी को कभी कम मत आंकिए।

6 महीने का संघर्ष और माता-पिता का अडिग विश्वास : एनआईसीयू में 6 महीने की लड़ाई आसान नहीं थी. माता-पिता मोल्ली और रैंडल पहले ही एक गर्भपात झेल चुके थे। डॉक्टरों ने इस बार भी साफ चेतावनी दे दी थी, 'जीवित रहने की संभावना बेहद कम है और अगर रहा भी, तो कई गंभीर समस्याएं हो सकती हैं।' फिर भी मोल्ली ने उम्मीद का हाथ नहीं छोड़ा। लेबर को रोककर नैश का जन्म ठीक 21वें हफ्ते में करवाया गया...जहां डॉक्टरों ने एक नई मेडिकल सीमा को छुआ।

आखिरकार घर वापसी : छह महीने बाद, जब नैश अपने माता-पिता की गोद में घर लौटा, उसका चेहरा चमक रहा था। आज भी उसे ऑक्सीजन सपोर्ट और फीडिंग ट्यूब की जरूरत है। दिल में एक छोटा-सा दोष है।..जो डॉक्टरों के अनुसार वक्त के साथ ठीक हो सकता है। वो अभी रेंगता नहीं, लेकिन करवट लेता है, खुद को खड़ा करने की कोशिश करता है और अपनी हर मुस्कान से दुनिया को उम्मीद देता है।

एक-दूसरे से टकराती हैं प्लेटें, अचानक मच जाती है उथल-पुथल

टोक्यो। आपने महसूस किया होगा कि अचानक चलते-चलते धरती हिलने लगती है। कहीं पर पड़े हुए बर्तन खटखटाने लगते हैं। शहर की चकाचौंध में मशगूल लोगों के साथ जब ऐसा आलम होता है तो वो घबरा जाते हैं। अगर कोई बिल्डिंग के ऊपर रहता है तो वो जल्दी से नीचे भागकर खुद को बचाता है। जहां कहीं पर भी ऐसी स्थिति बनती है तो लोग उसे भूंकप कहते हैं, कभी आपने सोचा है कि भूकंप क्यों आते हैं?

क्यों आती है सुनामी : मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भूकंप और सुनामी तीन प्रकार के भ्रंशों पर आते हैं। ये सामान्य, स्ट्राइक-स्लिप और रिवर्स या थ्रस्ट कहे जाते हैं। अगर सभी भ्रंशों पर भूकंप आ रहा है तो इससे सुनामी आने की संभावना रहती है। अधिकतर सुनामी और सबसे बड़ी सुनामी, रिवर्स भ्रंशों पर आए भूकंपों के कारण आती हैं।

आखिर क्यों सर्जन पहनते हैं सिर्फ नीले-हरे रंग का गाउन?

नई दिल्ली। ऑपरेशन थियेटर में घुसते ही सबसे पहली चीज जो नजर आती है वो है सर्जन का नीला या हरा गाउन. आपने कभी किसी सर्जन को लाल, पीला या सफेद गाउन पहने नहीं देखा होगा। आपको क्या लगता है, ये क्या महज इत्तेफाक है? क्या आपने कभी सोचा कि ये रंग क्यों फिक्स है? इस एक सवाल का जवाब आपके दिमाग की बत्ती जला देगा।

आफ्टरइमेज का खतरनाक खेल

जब आप घंटों लाल रंग (खून) देखते रहते हैं तो आंख की रेटिना थक जाती है। इसके बाद जब आप सफेद या हल्के रंग की तरफ देखते हैं तो दिमाग में लाल का उल्टा कलर यानी हरा दिखने लगता है। इसे पूरक प्रतिबिम्ब कहते हैं। पुराने समय में डॉक्टर सफेद कोट में ऑपरेशन करते थे।

लाल खून देखते-देखते जब वो सफेद दीवार या सफेद गाउन पर नजर डालते थे तो पूरा कमरा उन्हें हरा दिखने लगता था। इससे चक्कर आते थे और हाथ कांपते थे। इस कारण कई बार सर्जन गलत कट लगा देते थे। 1914-1920 के बीच अमेरिका-यूरोप में कई सर्जिकल हादसे सिर्फ इसी वजह से हुए थे। इसे अवॉयड करने के लिए सर्जन्स को सफ़ेद की जगह हरे गाउन पहनाए जाने लगे।

लाल और हरे-नीले का दुश्मनी वाला रिश्ता

कलर व्हील में लाल का सीधा दुश्मन हरा-नीला है। अगर बैकग्राउंड हरा-नीला होगा तो लाल खून उस पर सबसे ज्यादा अलग और क्लियर दिखेगा। सफेद या पीले पर खून 'ब्लेंड' हो जाता है और पता ही नहीं चलता कितना बह रहा है। नीले-हरे पर खून चमकता है। इससे सर्जन को तुरंत पता चल जाता है कि कहां ज्यादा ब्लीडिंग हो रही है।

आंखों को मिलता है 'आराम'

कई बार ऑपरेशन 8-10 घंटे तक चलता है। हरा-नीला रंग आंखों के लिए सबसे कम स्ट्रेनिंग होता है। ये 'कूल कलर्स' कहलाते हैं जो ब्लड प्रेशर और स्ट्रेस कम करते हैं। नासा भी अपने कंट्रोल रूम में हरे-नीले रंग का इस्तेमाल करता है, ताकि वैज्ञानिक घंटों फोकस रख सके।

सत्यमेव जयते
भारत सरकार

उन्नत कृषि, समृद्ध किसान
विकसित भारत का निर्माण

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा

पीएम किसान सम्मान निधि की 21वीं किस्त के तहत
₹18,000 करोड़ से अधिक की सम्मान राशि
9 करोड़ से अधिक किसानों के बैंक खातों में सीधे ट्रांसफर एवं
दक्षिण भारत प्राकृतिक खेती समिट 2025 का उद्घाटन

19 नवम्बर, 2025 | दोपहर 1:00 बजे | कोयम्बत्तूर, तमिलनाडु

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि

- किसानों के खातों में तीन समान किस्तों में **प्रतिवर्ष ₹6,000** की सीधी सहायता
- अब तक **₹3.90 लाख करोड़ से अधिक की राशि** सीधे **किसानों** के बैंक खातों में ट्रांसफर
- पीएम किसान के लाभार्थियों में **25% महिला किसान**
- विश्व की सबसे बड़ी **डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांफसर (DBT)** योजनाओं में से एक
- पीएम किसान के **85%** से अधिक लाभार्थी छोटे और सीमांत किसान

कृषि में अभूतपूर्व उपलब्धियाँ

- बीते 11 वर्षों में खाद्यान्न उत्पादन 246 मिलियन टन से बढ़कर **354 मिलियन टन** हुआ
- **25 करोड़** से अधिक **सॉइल हेल्थ कार्ड**
- **100 लाख हेक्टेयर** में सूक्ष्म सिंचाई
- **₹2 लाख करोड़** की फसल बीमा सहायता
- राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के तहत **55 हज़ार** से अधिक किसानों का प्रमाणीकरण
- पिछले 11 वर्षों में कृषि क्षेत्र में ऋण प्रवाह ₹ 6.35 लाख करोड़ से बढ़कर करीब **₹16 लाख करोड़** हुआ
- नई तकनीक, एफपीओ, किसानों की डिजिटल आईडी, पीएम आशा और एआईएफ के साथ ग्रामीण भारत में बड़ा सकारात्मक बदलाव

कृषि क्षेत्र में ऐतिहासिक निवेश

- ₹24,000 करोड़ की राशि से **प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना** संचालित
- ₹11,440 करोड़ की राशि से **दलहन आत्मनिर्भरता मिशन** को प्रोत्साहन
- पिछले 11 वर्षों में कृषि बजट में लगभग **5 गुना** बढ़ोतरी, ₹22,000 करोड से बढ़कर **₹1.27 लाख करोड़** हुआ
- पिछले 11 वर्षों में लगभग **₹14 लाख करोड़ की उर्वरक सब्सिडी** से किसानों को सही समय और किफायती दामों पर खाद की आपूर्ति

CBC 01102/13/0007/2526

बीज से बाजार तक भारत सरकार किसानों के साथ

कार्यक्रम का सीधा प्रसारण डीडी न्यूज़, डीडी किसान चैनल www.youtube.com/@AgriGoi पर देखें
फॉलो करें: @AgriGoI
अधिक जानकारी के लिए क्यूआर कोड को स्कैन करें

भारत की आर्थिक वृद्धि दूसरी तिमाही में 7.5 प्रतिशत से अधिक रहने का अनुमान

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

देश की जीडीपी वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में 7.5 प्रतिशत या उससे अधिक रहने की उम्मीद है। इसका मुख्य कारण सितंबर के अंत में जीएसटी दरों में कटौती के कारण त्योहारी बिक्री में तेज वृद्धि है। एसबीआई रिसर्च की एक रिपोर्ट में मंगलवार को यह कहा गया।

रिपार्ट में कहा गया है कि निवेश गतिविधियों में तेजी, ग्रामीण खपत में सुधार और सेवाओं और विनिर्माण क्षेत्र में तेजी से वृद्धि को मजबूती मिल रही है। इसे जीएसटी को युक्तिसंगत बनाये जाने जैसे संरचनात्मक सुधारों से भी मदद मिल रही है। इससे त्योहारों के दौरान मांग को गति मिली और कुल मिलाकर अर्थव्यवस्था पर सकारात्मक असर पड़ा है।

सभी क्षेत्रों में मांग बढ़ी

शहरों के हिसाब से क्रेडिट कार्ड खर्च से पता चलता है कि मांग सभी क्षेत्रों में बढ़ी है। लेकिन मझोले शहरों में सबसे अधिक बढ़ रही है। ई-कॉमर्स की बिक्री सभी शहरों में काफी हद तक सकारात्मक रही है।

डेबिट कार्ड खर्च में भी वृद्धि दिखी

रिपोर्ट में कहा गया, ''जीएसटी को युक्तिसंगत बनाये जाने के साथ, इस साल सितंबर-अक्टूबर में बीते वित्त वर्ष की इसी अवधि की तुलना में सभी प्रमुख राज्यों में डेबिट कार्ड खर्च में भी वृद्धि दिखी है।'' इसमें यह भी कहा गया है कि भारत का वृहद आर्थिक दृष्टिकोण सतर्क रुख के साथ संभावनाओं वाला बना हुआ है। इसका कारण मजबूत घरेलू मांग और कम होता मुद्रास्फीतिक दबाव है।

तेजी का संकेत पहली तिमाही में 70 फीसदी था

एसबीआई की आर्थिक शोध विभाग की रिपोर्ट में कहा गया है, ''त्योहारों के दौरान बिक्री के अच्छे आंकड़ों के साथ कृषि, उद्योग और सेवाओं में खपत और मांग में तेजी दिखाने वाले प्रमुख संकेतकों का प्रतिशत बढ़कर दूसरी तिमाही में 83 प्रतिशत हो गया जो पहली तिमाही में 70 प्रतिशत था।

नवंबर के लिए जीएसटी संग्रह 1.49 लाख करोड़ हो सकता है

रिपोर्ट के अनुसार, विश्लेषण से संकेत मिलता है कि नवंबर के लिए सकल घरेलू माल एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह लगभग 1.49 लाख करोड़ रुपये रह सकता है, जो सालाना आधार पर 6.8 प्रतिशत की वृद्धि है। इसके साथ 51,000 करोड़ रुपये के आईजीएसटी और आयात पर उपकर के साथ, नवंबर का जीएसटी संग्रह दो लाख करोड़ रुपये को पार कर सकता है।

सोना 3,900 रुपए टूटा, चांदी में 7,800 रुपए की गिरावट

सोना टूटकर 1,25,800 रुपए प्रति 10 ग्राम पर चांदी घटकर 1,56,000 रुपए प्रति किलो

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अगले महीने अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद कम होने के बीच वैश्विक कीमतों में गिरावट के कारण मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोने की कीमत 3,900 रुपये टूटकर 1,25,800 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गई।

अखिल भारतीय सराफा संघ के अनुसार, 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाली सोने की कीमत 3,900 रुपये गिरकर 1,25,200 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) रह गई। चांदी की कीमतों पर भी दबाव रहा और यह 7,800 रुपये गिरकर 1,56,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) रह गई।

ऑग्मोंट की शोध प्रमुख रेनिशा चैनानी ने कहा, ''अमेरिकी ब्याज दरों में कटौती की घटती उम्मीदों के बीच, निवेशक इस सप्ताह जारी होने वाले अमेरिकी आर्थिक आंकड़ों से फेडरल रिजर्व की नीतिगत दिशा के संकेतों का इंतजार कर रहे हैं, जिससे सोने और चांदी में भारी बिकवाली देखी जा रही है।''

दिसंबर में ब्याज दरों में कटौती संभव

सिंह ने कहा, ''दिसंबर में ब्याज दरों में कटौती की संभावना घटकर 41 प्रतिशत रह गई है, जो पांच नवंबर को लगभग 63 प्रतिशत थी।'' हाजिर चांदी में तीन दिन की गिरावट का थम गया और यह 0.57 प्रतिशत बढ़कर 50.49 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई।

फिजिक्सवाला का शेयर पहले दिन 42 फीसदी चढ़ा

नई दिल्ली। शिक्षा प्रौद्योगिकी कंपनी फिजिक्सवाला का शेयर कारोबार के पहले दिन मंगलवार को अपने निर्गम मूल्य 109 रुपये के मुकाबले 42 प्रतिशत से अधिक बढ़त के साथ बंद हुआ। बीएसई पर इसके शेयर ने निर्गम मूल्य से 31.28 प्रतिशत की बढ़त के साथ 143.10 रुपये पर शुरुआत की। बाद में यह 48.66 प्रतिशत चढ़कर 162.05 रुपये पर पहुंच गया। अंत में यह 42.38 प्रतिशत की बढ़त के साथ 155.20 रुपये पर बंद हुआ। एनएसई पर शेयर 145 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ जो निर्गम मूल्य से 33 प्रतिशत की बढ़त दर्शाता है। दिन में 48.61 प्रतिशत की बढ़त के साथ 161.99 रुपये पर पहुंचा और अंत में 42.42 प्रतिशत की तेजी के साथ 155.24 रुपये पर बंद हुआ।

अल्ट्रावॉयलेट ब्रिटेन के बाजार में उतरी

नई दिल्ली। भारतीय इलेक्ट्रिक दोपहिया विनिर्माता अल्ट्रावॉयलेट ने अपनी प्रमुख मोटरसाइकिल एफ77 एमएसीएच 2 रेकॉन और एफ77 सुपरस्ट्रीट रेकॉन को ब्रिटेन के बाजार में मंगलवार को पेश किया। कंपनी ने एक बयान में कहा कि यह रणनीतिक विस्तार मोटोमोंडो के साथ साझेदारी में किया जा रहा है।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता, लोक निर्माण विभाग, बिलासपुर मंडल, बिलासपुर

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

Portal: http://eproc.cgstate.gov.in

छत्तीसगढ शासन, लोक निर्माण विभाग, बिलासपुर मण्डल, बिलासपुर में निम्नलिखित कार्य नवीन ई-पंजीयन में पंजीकृत ठेकेदार हेतु दिनांक 01.12.2025 तक निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	नि.आ.सू.क्र./ दिनांक	कार्य का नाम	लागत (लाख में)
1	408	मटिया बकरकुदा मार्ग के किमी 2/2 से 2/4 (126.50) = 326.50 मीटर, किमी 3/4 से 3/6(126.50) 326.50 मीटर, दर्री लावर कोनी इटवापाली सरसेनी मटिया गिधपुरी मार्ग के किमी 15/2 से 15/4 (126.50) = 326.50 मीटर, जोधरा सोन बसंतपुर मार्ग के किमी 7/8 से 7/10 (126.50) 326.50 मीटर एवं किमी 8/4 से 8/6 (126.50) 326.50 मीटर, में बी.टी. कार्य एवं कोरमी से हरदीकला टोना मार्ग के कि.मी. 1/8 में एवं खण्डोबा रतनपुर मार्ग के किमी 4/4 में विशेष मरम्मत कार्य। द्वितीय आमंत्रण। संभाग क्र. 1. बिलासपुर।	83.49
2	409	सिल्ली से बैहाकापा मार्ग कि.मी. 1/2 से 1/10 कुल 1.00 कि.मी. एवं नवागांव घुठेरा बैहाकापा छाता मार्ग के कि.मी. 1/2 से 1/10 कुल 1.00 कि.मी. का विशेष मरम्मत कार्य। द्वितीय आमंत्रण। मुंगेली संभाग।	99.00
3	410	सेतगंगा परसवारा मार्ग कि.मी. 1/6 एवं 4/8 में मार्ग का एवं स्लैब कल्वर्ट, पेण्डाराकापा भरूवागुडा दाबो छटन मार्ग कि.मी. 3/10 से 4/8, दुल्लापुर से जल्ली मार्ग के कि.मी. 1/2 से 1/4 कुल 300 मी.. पलानसरी से बोडतरा मार्ग के कि.मी. 1/2(200) एवं 2/10 (100) कुल 300 मी एवं पुरान से औराबांधा मार्ग लं. 1/2 में रिटर्निंग वाल लंबाई 30 मी. का विशेष मरम्मत कार्य। द्वितीय आमंत्रण। मुंगेली संभाग।	138.88
4	411	कपुआ पहुंच मार्ग के कि.मी. 1/6 (100), 1/8 से 1/10 कुल 400 मी' एवं परसदा से केवईयां मार्ग के कि.मी. 1/2 से 1/4 एवं 2/6 (100) कुल 500 मी. का विशेष मरम्मत कार्य। द्वितीय आमंत्रण। मुंगेली संभाग।	99.88
5	412	धनगांव संबलपुर मार्ग कि.मी. 1/2 से 1/10 कुल 1.00 कि.मी. एवं दाबो से हरियरपुर (वैहरसरी) पहुंच मार्ग कि.मी. 1/2 से 1/10 कुल 1.00 कि.मी. का विशेष मरम्मत कार्य। द्वितीय आमंत्रण। मुंगेली संभाग।	99.00
6	413	जिला मुंगेली के चमारी पहुंच मार्ग कि.मी. 1/2 से 1/10 कुल 1.00 कि.मी. एवं सिपाही से गाड़ाघाट मार्ग कि.मी. 1/2 से 1/10 कुल 1.00 कि.मी. का विशेष मरम्मत कार्य। द्वितीय आमंत्रण। मुंगेली संभाग।	100.00
7	414	जिला मुंगेली के खम्हरिया पहुंच मार्ग (बस्तीवाला भाग में) लंबाई 600 मीटर में सी.सी. मार्ग एवं तोरला पहुंच मार्ग कि.मी. 1/2 से 1/10 कुल 1.00 कि.मी. का विशेष मरम्मत कार्य। द्वितीय आमंत्रण। मुंगेली संभाग।	100.00
8	415	जिला मुंगेली के दशरंगपुर सोढ़ार मार्ग के कि.मी. 2/4 से 2/8 में मार्ग का एवं ह्यूम पाईप कल्वर्ट, सोढार से जगताकापा मार्ग कि.मी 1/6 से 1/10 में मार्ग का एवं हयूम पाईप कल्वर्ट एवं देवरी भर्राकुण्डा मार्ग के कि.मी. 1/2 से 1/6 का विशेष मरम्मत कार्य। द्वितीय आमंत्रण। मुंगेली संभाग।	147.81
9	416	जिला मुंगेली के हरनाचाका से भठलीकला मार्ग कि.मी. 1/2 से 1/10 में मार्ग का एवं ह्यूम पाईप कल्वर्ट, हरनाचाका से भठलीकला मार्ग कि.मी. 2/2 से 2/10 में मार्ग का एवं ह्यूम पाईप कल्वर्ट का विशेष मरम्मत कार्य एवं ठाकुरकापा से लोहाराकापा बस्ती वाला भाग सी.सी. मार्ग का विशेष मरम्मत कार्य। द्वितीय आमंत्रण। मुंगेली संभाग।	149.00
10	417	अफरीद पहुंच मार्ग के कि.मी. 1/2 से 1/4, कि.मी. 1/6 से 1/8 एवं कि.मी. 1/10 से 2/2, राहौद सलखन मार्ग के कि.मी. 1/2 से 1/4 (60) मी. 1/4(140), 1/6 (120) = 260 मी., राहौद बुंदेला मार्ग के कि.मी. 1/2 से 1/4(60) = 260 मी. एवं कि.मी. 1/4 (140), 1/6 (120) = 260 मी. में विशेष मरम्मत कार्य। द्वितीय आमंत्रण। चांपा संभाग।	135.99
11	418	जगमहंत से महंत मार्ग के कि.मी. 1/2 से 1/8 (50) = 0.650 मी., कि.मी. 1/8 (150) से 2/4(150) = 0.700 मी., कि.मी. 2/4 (50) से 3/2(50) = 0.700 मी., कि.मी. 3/2(150) से 3/8(150) = 0.700 मी., कि.मी. 3/8 (50) से 4/4 = 0.650 मी. में विशेष मरम्मत कार्य। द्वितीय आमंत्रण। चांपा संभाग।	97.74
12	419	तरौद-किरारी-तागा- धाराशिव मार्ग के कि.मी. 1/2 से 1/6 = 0.60 मी., कि.मी. 1/8 से 2/2 = 0.60 मी., कटरा-कोरबी मार्ग के कि.मी. 2/2, 2/8, 4/6 एवं 4/8 = 0.80 कि.मी., अकलतरा जर्वे मार्ग के कि.मी. 1/2 से 2/10 2.00 कि.मी., पचरी झिरिया मार्ग के कि.मी. 1/2, 1/4, 1/8, 3/2, 3/6, 4/10 = 1.20 कि.मी. एवं मधुवां पहुंच मार्ग के कि.मी. 1/2 से 1/8 = 0.80 कि.मी. एवं अकलतरा से अमोरा मार्ग के कि.मी. 1/8 से 2/2 0.60 कि.मी. में विशेष मरम्मत कार्य । द्वितीय आमंत्रण। चांपा संभाग।	114.81
13	420	बसंतपुर-भाड़ी मार्ग (मुख्य जिला मार्ग 79) का विशेष मरम्मत अंतर्गत मरम्मत कार्य। पेण्ड्रा पसान (राज्यमार्ग क्रमांक 04) में कि.मी. 290/2, 290/4,290/8, 290/10 एवं 286/4, 291/4 में पुलिया का विशेष मरम्मत अंतर्गत मरम्मत कार्य। पेण्ड्रा पसान (राज्यमार्ग क्रमांक 04) में कि.मी. 278/10, 281/6, 289/8 में पुलिया में रेलिंग, पीपरखुटी आमागोहन खोंगसरा मार्ग (मुख्य जिला मार्ग 86) लंबाई 18.80 कि.मी. (राज्यमार्ग क्रमांक 08) में फेसवॉल एवं रिटेंनिग वॉल का विशेष मरम्मत अंतर्गत मरम्मत कार्य। द्वितीय आमंत्रण। पेण्ड्रा संभाग।	88.49

निविदा में भाग लेने की प्रक्रिया एवं निविदा के संबंध में विस्तृत जानकारी विभाग के उपरोक्त वेबसाईट में देखें जा सकते है।

अधीक्षण अभियंता
लो.नि.वि., बिलासपुर मण्डल, बिलासपुर

जी. 252604857/4

कार्यालय कार्यपालन अभियंता
वि./यां. लाईट मशीनरी नलकूप एवं गेट संभाग सकरी, बिलासपुर (छ.ग.)

निविदा निरस्तीकरण आदेश

पत्र क्र. / व.ले.लि./2025-26 बिलासपुर दिनांक..........

प्रमुख अभियंता जल संसाधन विभाग, शिवनाथ भवन, सेक्टर-19, नार्थ ब्लॉक, नवा रायपुर, अटल नगर रायपुर के पत्र क्रं. 4263823 / निविदा प्रकोष्ठ /2025/2688 (TC) नवा रायपुर दिनांक 04.11.2025 के परिपालन में इस कार्यालय के निविदा सूचना क्र. 16/व.ले.लि./2025-26 दिनांक 09.10.2025 जांजगीर-चांपा जिले के विकासखण्ड बलौदा अंतर्गत कुदरी बैराज योजना के वि./यां. उपकरणों का पेंटिंग कार्य (प्रथम आमंत्रण) निविदा सिस्टम क्रं. 177267 को निविदा में एकल निविदाकार होने के कारण निविदा निरस्त किया जाता है।

विज्ञापन क्रं. जी 252604078 दिनांक 11.10.2025

कार्यपालन अभियंता
वि./यां. लाईट मशीनरी नलकूप एवं गेट संभाग सकरी बिलासपुर (छ.ग.)

G 252604842/4

कार्यालय, नगर पालिक निगम, कोरबा (छत्तीसगढ़)

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

क्र./निर्माण/2025 दिनांक 14.11.2025

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु (Online) आनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू. लाख में)	निविदा डालने की अंतिम तिथि
1	Revamping of Material Recovery Facility (MRF) including installation of Machinery and construction of Compost Plant in Municipal Areas of Korba, Chhattisgarh (2nd Call)	878.93	28.11.2025 (T.No. 179579)

उपरोक्त कार्यों की निविदा की जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है, साथ ही निगम के वेब साईट www.korbamunicipal.in पर भी देखी जा सकती है।

।। स्वच्छ भारत निर्माण में योगदान दें ।।

अधीक्षण अभियंता
नगर पालिक निगम कोरबा (छत्तीसगढ़)

कार्यालय, कार्यपालन अभियंता ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, संभाग दुर्ग (छ.ग.)

ई-निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक-16

Email id: ee-res.durg@gov.in

ज्ञा.कं. 2881/ व.ले.लि. / ग्रा.यां.से./2025-28 दुर्ग, दिनांक 17/11/2025

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में)
1	ग्रामीण यांत्रिकी सेवा उपसंभाग दुर्ग अंतर्गत विभिन्न मदों में वर्ष 2025-26 एवं पूर्व वित्तीय वर्ष में स्वीकृत कार्य हेतु स्वीकृत रूपये 30.00 लाख तक लागत के छोटे-छोटे विभिन्न प्रकार के निर्माण कार्य का सम्पादन करना। **(जोनल निविदा ग्रुप क्र. 40, 41,42, 43, 44, 45, 46 एवं 47)** S.T.N.-179792, 179793, 179794, 179795, 179796, 179797, 179799, 179800	100.00 लाख प्रति ग्रुप
2	ग्रामीण यांत्रिकी सेवा उपसंभाग पाटन अंतर्गत विभिन्न मदों में वर्ष 2025-26 एवं पूर्व वित्तीय वर्ष में स्वीकृत कार्य हेतु स्वीकृत रूपये 30.00 लाख तक लागत के छोटे-छोटे विभिन्न प्रकार के निर्माण कार्य का सम्पादन करना। **(जोनल निविदा ग्रुप क्र. 08 एवं 09)** S.T.N.- 179801, 179802	100.00 लाख प्रति ग्रुप
3	ग्रामीण यांत्रिकी सेवा उपसंभाग धमधा अंतर्गत विभिन्न मदों में वर्ष 2025-26 एवं पूर्व वित्तीय वर्ष में स्वीकृत कार्य हेतु स्वीकृत रूपये 30.00 लाख तक लागत के छोटे-छोटे विभिन्न प्रकार के निर्माण कार्य का सम्पादन करना। **(जोनल निविदा ग्रुप क. 07, 08, 09, 10, 11,12 एवं 13)** S-T.N.-179803, 179804, 179805, 179806,179807, 179808, 179809,	100.00 लाख प्रति ग्रुप

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि विस्तृत निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी http://eproc.cgstate.gov.in में दिनांक 17.11.2025 से देखी जा सकती है एवं ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड करने की अंतिम तिथि 01.12.2025 तक है।

कार्यपालन अभियंता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, संभाग दुर्ग (छ.ग.)

G 252604862/3

कार्यालय कार्यपालन अभियंता, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, संभाग-रायपुर (छ.ग.)

ऑनलाईन प्रथमबार निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 440

क्रमांक 3290 / निविदा/ ग्रा.यां. सेवा/ 2025 रायपुर, दिनांक 18/11/2025

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत (लोक निर्माण विभाग में) ''द'' एवं उच्च श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से प्रपत्र- 'ब' (अपेंडिक्स-2.14) पर दर्शित विविध कार्य हेतु सक्षम अधिकारी द्वारा अनुमोदित आईटम / दर पर निविदा दर प्राप्त करने ऑनलाईन ई-निविदा दिनांक 25/11/2025 तक आमंत्रित की जाती है :-

स. क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत राशि (रू. लाख में)
1	TPSIRD, निमोरा के गेस्ट हाऊस नंबर 3 में सेनेटरी फिटिंग, फिक्चर आयटम एवं वाटर प्रूफिंग तथा पेंटिंग कार्य।	79.50
2	TPSIRD, निमोरा के गेस्ट हाऊस नंबर 3 में इंटीरियर फर्नीसिंग कार्य।	87.33
3	TPSIRD, निमोरा के गेस्ट हाऊस नंबर 4 में सेनेटरी फिटिंग, वाटर प्रुफिंग एवं पेंटिंग कार्य।	119.18
4	TPSIRD, निमोरा के गेस्ट हाऊस नंबर 4 में इंटीरियर फर्नीसिंग कार्य।	25.91

उपरोक्त कार्यो की निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in में दिनांक 18/11/2025 से देखी जा सकती है।

2. कार्य निर्धारित स्पेशिफिकेशन अनुसार समय-सीमा में पूर्ण कराना अनिवार्य होगा।
3. निविदा में भाग लेने वाले ठेकेदारों को दिनांक 21/11/2025 को प्री बिड मिंटिंग अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में 11.00 बजें रखा गया हैं, जिसमें समस्त आयटमों का नमूना प्रस्तुतीकरण (चलचित्र के माध्यम से) एवं कार्ययोजना प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।
4. नियम एवं अन्य शर्ते यथावत रहेगी।

टीप:- मैन्युअल दस्तावेज की अंतिम तिथि 25/11/2025 सायं 5.30 तक कार्यपालन अभियंता, ग्रा.यां.सेवा, संभाग रायपुर में पहुंचना अनिवार्य है।

G 252604865/3

जनसम्पर्क संचालनालय छत्तीसगढ़
इंद्रावती भवन, नवा रायपुर अटल नगर, जिला - रायपुर (छ.ग)

निविदा सूचना

"जनसंपर्क संचालनालय, छत्तीसगढ़ द्वारा मीडिया कवरेज हेतु वाहन किराये पर उपलब्ध कराने वाली एजेंसियों का इम्पैनलमेंट हेतु निविदा"

निविदा सूचना क्रमांक - 5845 नवा रायपुर, दिनांक - 18/11/2025

राज्य शासन के विभिन्न शासकीय कार्यक्रमों, आयोजनों एवं मीडिया कवरेज हेतु आवश्यक वाहनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने एवं किराया दरों के मानकीकरण के उद्देश्य से, जनसम्पर्क संचालनालय, रायपुर द्वारा योग्य एजेंसियों/संस्थाओं से "वाहन किराये पर उपलब्ध कराने हेतु फर्मों के पंजीकरण (Empanelment)" के लिए अभिरुचि आमंत्रित की जाती है।

इच्छुक एजेंसियाँ निविदा दस्तावेज़ छत्तीसगढ़ संवाद की वेबसाइट https://samvad.cg.nic.in से प्राप्त कर सकती हैं। निविदा दस्तावेज़ शुल्क ₹ 1180/- (₹ 1000/- + GST@18%) (अपरिवर्तनीय) तथा ई.एम.डी (Earnest Money Deposit) ₹50,000/- देय होगी।

निविदा प्रपत्र का शुल्क	₹ 1180/-(₹1000/- + GST@18%) (वापसी योग्य नहीं)
अमानत राशि	₹ 50,000/- (बिना ब्याज के वापसी योग्य)
प्री-बिड प्रश्न प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	प्रश्न / स्पष्टीकरण (Pre-bid Queries) ई-मेल द्वारा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि : दिनांक 24/11/2025 को शाम 06:00 बजे तक, ई-मेल पते cadpreproc@gmail.com पर।
प्री-बिड मीटिंग की तिथि	दिनांक 25/11/2025 समय दोपहर 03:00 बजे
प्री-बिड मीटिंग का स्थान	छत्तीसगढ़ संवाद, सेक्टर-19, नवा रायपुर-अटल नगर
तकनीकी निविदा जमा करने की अंतिम तिथि	दिनांक 17/12/2025 समय दोपहर 03:00 बजे तक
तकनीकी निविदा खोलने की तिथि	दिनांक 17/12/2025 समय दोपहर 04:00 बजे
वित्तीय निविदा खोलने की तिथि	पात्र बोलीदाताओं को पृथक रूप से सूचित की जाएगी

आयुक्त
जनसम्पर्क संचालनालय
इंद्रावती भवन, नवा रायपुर अटल नगर
जिला - रायपुर (छ.ग)

जी. 252604864/3

छत्तीसगढ शासन, जल संसाधन विभाग
कार्यालय कार्यपालन अभियंता, हसदेव नहर जल प्रबंध संभाग, जांजगीर जिला-जाजंगीर-चाम्पा (छ.ग.)

ई. प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in

निम्नलिखित कार्यों के लिए दिनांक 27-11-2025 समय 17:30 तक ऑन लाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है :-

सिस्टम निविदा क्रमांक	निविदा सूचना क्रमांक एवं दिनांक	कार्य का नाम	निविदा की लागत (लाख में)	आमंत्रण का क्रमांक
178774	24/व.ले.लि./ 2025-2026 दिनांक 10.11.2025	जांजगीर-चाम्पा जिले के हसदेव बांगो परियोजना अंतर्गत अकलतरा शाखा नहर के आर.डी. 2200 मी. से 2700 मी., 2900 मी. से 3500 मी. एवं 3600 मी. से 4050 मी. तक फिलिंग रीच में कांक्रीट, टो-वाल का निर्माण कार्य।	287.31	द्वितीय आमंत्रण
178775	25/व.ले. लि./2025-2026 दिनांक 10.11.2025	जांजगीर चाम्पा जिले के चाम्पा एनीकट के अपस्ट्रीम एवं डाऊन स्ट्रीम में प्रोटेक्शन कार्य एवं एनीकट में Wearing Coat एवं सौंदर्यीकरण कार्य।	277.39	द्वितीय आमंत्रण
178776	26/व.ले.लि./2025-2026 दिनांक 10.11.2025	जांजगीर-चाम्पा जिले के हसदेव बांगो परियोजना अंतर्गत खिसोरा माईनर (आर.डी. 1600 मी. से 2100 मी.) एवं पोड़ी माईनर 02 (कन्टूर केनाल) (आर.डी. 130 मी. से 700 मी.) तक फिलिंग रीच में टो-वॉल का निर्माण कार्य	274.87	द्वितीय आमंत्रण
178777	27/व.ले.लि./2025-2026 दिनांक 10.11.2025	जांजगीर-चाम्पा जिले के विकास खण्ड अकलतरा अंतर्गत ग्राम घनवा के पास कांजी नाला में स्टॉप डेम सह रपटा का निर्माण कार्य।	248.00	द्वितीय आमंत्रण

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc. cgstate.gov.in पर दिनांक **17-11-2025** समय 17:31 बजे से देखे तथा डाउनलोड़ किये जा सकते है।

नोट : निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in नामांकित / पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।

अन्य निविदा संबंधी शर्ते विभाग के साईट https://eproc.cgstate.gov.in में Live Tender के अंतर्गत निविदा प्रपत्र में उपलब्ध है।

कार्यपालन अभियंता
हसदेव नहर जल प्रबंध संभाग, जांजगीर
जिला-जांजगीर-चाम्पा (छ.ग.)

G 252604832/2

राशिफल

मेष — मन अशान्त हो सकता है। नौकरी में अफसरों से सद्भाव बनाकर रखें। तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

वृष — पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। वस्त्र उपहार में मिल सकते हैं। किसी मित्र के सहयोग से आय में वृद्धि हो सकती है।

मिथुन — संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध से बचें। परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं।

कर्क — आशा-निराशा के भाव मन में हो सकते हैं। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें। कठिनाइयां आ सकती हैं। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी।

सिंह — आत्मसंयत रहें। किसी सम्पत्ति से आय के साधन बन सकते हैं। किसी मित्र का सहयोग भी मिल सकता है। नौकरी में स्थान परिवर्तन के योग बन रहे हैं।

कन्या — मन में उतार-चढ़ाव रहेगा। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। किसी मित्र के सहयोग से नौकरी के अवसर मिल सकता है। भागदौड़ बढ़ सकती है। खर्च बढ़ेंगे।

तुला — आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु शान्ति बताये रखने के लिए प्रयास करें। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है।

वृश्चिक — मन अशान्त रहेगा। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। स्वास्थ्य का भी ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

धनु — आशा-निराशा के भाव मन में हो सकते हैं। घर-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें।

मकर — मन प्रसन्न रहेगा, परन्तु संयत रहें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। रहन-सहन अव्यवस्थित हो सकता है। वाहन सुख में वृद्धि हो सकते हैं। तनाव रहेगा।

कुंभ — मन शान्त तो रहेगा, परन्तु फिर भी संयत भी रहें। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन की अधिकता रहेगी।

मीन — मन अशान्त हो सकता है। नौकरी में अफसरों से सद्भाव बनाकर रखें। तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

शब्द पहेली - 6052

बाएँ से दाएँ
1.बरस,वर्ष-2
2.आफत,मुसीबत-2
3.यमराज-2
4.तीर, बाण-2
6.आनेवाला दिन-2
7.उत्साह-2
8.उचित, सही-3
9.बंधन-2
10.बाण-2
11.उपवन, जंगल-3
12.सरिता-2
13.शिविर, तंबू-2
14.रुई साफ करना-3
16.फंदा, पाश-2
17.भीरु, डरपोक-3
18.तालाब -2
19.सम्मान-2
20.पासों फैंक कर भविष्य देखने की विद्या-3
21.श्याम,काले रंग का-2
22.देह, तन, बदन-2
23.चुनना, छांटना-3
24.रघुवीर, सियावर-2
26.जलजला-3
27.कोलाहल-2
28.अवरोध-2
29.दलदल-3
30.पत्नी का भाई-2
31.रिवाज, रस्म-2
32.कक्ष, रूम-3
33.गधा, गर्दभ-2
34.जनकपुत्री-2
36.वोट, राय-2
37.विजय-2
38.मां का भाई-2
39.मूल्य-2

ऊपर से नीचे
1.परछाई-2
2.दम, ताकत-2
3.यमराज-2
4.सोना, निद्रा लेना-3
5.धूल, मिट्टी-2
6.शारीरिक ऊंचाई-2
7.बल, दम-2
8.पहचानना-3
9.बंधक-2
10.मोमबत्ती (उर्दू-2)
11.विवश-3
12.भीगा हुआ-2
13.क्रीडा-2
14.सहमत-3
15.फंदा-2
16.प्राण-2
17.आकांक्षा-3
18.लॉक-2
19.प्रकृति,धन-2
20.धावक-3
21.कार्य-2
22.सवारी गाड़ी-2
23.जंगल-3
24.झगड़ा-2
25.सरल-2
26.कूड़ा-3
27.अंगारा-2
28.वार्तालाप-2
29.दाम, मूल्य-3
30.सारांश-2
31.खाली-2
32.थोड़ा-2
33.पत्र, चिट्ठी-2
34.हद-2
35.बल, ताकत-2

शब्द पहेली- 6051 का हल

ल	ब	■	व	स	■	धा	गा	■	ह	रा
व	ह	म	■	ब	म	■	ना	ला	■	ह
■	न	म	न	■	जा	ज	■	र	मा	■
ना	■	ता	क	त	■	शा	न	■	ता	त
क	मी	■	ल	ल	ना	■	म	न	■	न
■	न	ख	■	वा	च	क	■	ल	क्ष	■
स	■	र	वा	■	ना	म	क	■	मा	दा
खा	द	■	त	र	■	र	ह	न	■	म
■	म	स्त	■	मा	न	■	वा	ह	क	■
दा	■	र	स	■	या	र	■	र	व	ना
स	दा	■	च	क्षु	■	न	भ	■	रा	ल

सूडोकु नवताल - 6062

★★★ मध्यम

		5			8			3
	7			3	5			
3						6		
							8	5
	6			7			1	
4	2							
		1						8
			7	4			3	
6			2			7		

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6061 का हल

9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8

नाराज शिंदे सेना के कई मंत्री कैबिनेट बैठक में नहीं हुए शामिल

पार्टी कार्यकर्ताओं को भाजपा में शामिल कराने का लगाया आरोप

एजेंसी ▶▶| मुंबई

महाराष्ट्र में निकाय चुनाव से पहले राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। भाजपा और शिवसेना के बीच की तल्खियां और इतनी बढ़ गई है। आलम ये है कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की कैबिनेट बैठक में एकनाथ शिंदे के अलावा शिवसेना का एक भी मंत्री इस बैठक में नहीं पहुंचा। जिसके बाद महाराष्ट्र में सियासी गलियारों में हलचल मच गई है। माना जा रहा है कि शिंदे गुट और भाजपा के बीच पिछले कई दिनों से मनमुटाव चल रहा है। दरअसल, कैबिनेट मीटिंग मंत्रालय भवन की सातवीं मंजिल पर होती है, जबकि शिवसेना के सभी मंत्री छठी मंजिल पर स्थित मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के दफ्तर में मौजूद थे उन्होंने कैबिनेट बैठक में हिस्सा नहीं लिया।

ऐसे बढ़ा तनाव

दरअसल, अब महाराष्ट्र में आगामी स्थानीय निकाय चुनावों से पहले बीजेपी अपनी स्थिति मजबूत कर रही है। राज्य के कई जिलों में विभिन्न पार्टियों के कार्यकर्ता और नेता बीजेपी में शामिल हो रहे हैं। इसी क्रम में, कल्याण-डोंबिवली में शिवसेना के दोनों गुटों के पदाधिकारी और कार्यकर्ता बीजेपी में शामिल हो गए, जिससे शिवसेना (शिंदे गुट) और बीजेपी के बीच तनाव उत्पन्न हो गया। इस घटना के विरोध में, ऐसी खबरें थीं कि शिवसेना के मंत्रियों ने 18 नवंबर को मुंबई में हुई कैबिनेट बैठक का बहिष्कार किया। कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को छोड़कर शिवसेना का कोई भी मंत्री इस बैठक में मौजूद नहीं था।

बावनकुले की आई सफाई

विवाद की खबरों को हालांकि, राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने खारिज कर दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्य भर में स्थानीय निकाय चुनावों की सरगर्मी है और कई मंत्रियों को विभिन्न जिलों का प्रभार सौंपा गया है। बावनकुले के अनुसार, 'कई मंत्री अपने-अपने जिलों में व्यस्त हैं, जिसके कारण आज की बैठक में तीनों पार्टियों के मंत्रियों की संख्या कम थी। मंत्रियों की अनुपस्थिति का कोई और कारण नहीं था।' उन्होंने आगे बताया कि इन मंत्रियों ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से अनुमति ली थी और उसके बाद ही वे अपने-अपने क्षेत्रों में गए थे।

शिवसेना के ये नेता भाजपा में शामिल

महाराष्ट्र की राजनीति में बीते रविवार को उस समय बड़ा उलटफेर देखने को मिला था जब शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट के मुख्य यूथ लीडर दीपेश महात्रे अपने समर्थकों के साथ भाजपा में शामिल हो गए थे। महाराष्ट्र भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण ने उनका स्वागत किया। माना जा रहा था कि इससे न सिर्फ शिवसेना यूबीटी को झटका लगा। साथ ही शिवसेना के दूसरे गुट को भी नुकसान पहुंचा. नाराजगी की शुरुआत यहीं से हुई थी। वहीं, भाजपा को ज्वाइन करने वालों में एक कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व पूर्व निगम पार्षद संतोष केने में शामिल थे।

खबर संक्षेप

180 किमी के रफ्तार से दौड़ी वंदे भारत स्लीपर

नई दिल्ली। आरडीएसओ ने दूसरे वंदे भारत स्लीपर रेक का ट्रायल रन सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। यह नई ट्रेन बीईएमएल द्वारा आईसीएफ टेक्नॉलाजी का इस्तेमाल करके विकसित की गई है। इस नई सेमी-हाई-स्पीड स्लीपर ट्रेन से पूरे भारत में लंबी दूरी की रेल यात्रा में बड़े बदलाव आने की उम्मीद है। परीक्षणों के दौरान तीन रेलवे जोन में 16-कोच वाले प्रोटोटाइप स्लीपर रेक-2 पर कई गति पर विस्तृत ऑसिलेशन ट्रायल और आपातकालीन ब्रेकिंग डिस्टेंस परीक्षण किए। इस रेलवे जोन में उत्तर मध्य रेलवे, पश्चिम मध्य रेलवे और पश्चिम रेलवे शामिल है। एक वरिष्ठ रेलवे अधिकारी ने बताया, 'आरडीएसओ ने दूसरे वंदे भारत स्लीपर रेक का ट्रायल रन पूरी तरह से पूरा कर लिया है। परीक्षण समाप्त होने के बाद, अब ध्यान अगले चरणों पर केंद्रित है, जिसमें ट्रेन के आधिकारिक लॉन्च के लिए मंजूरी और तैयारी शामिल है। परीक्षण समाप्त होने के बाद, अब ध्यान अगले चरणों पर केंद्रित है, जिसमें ट्रेन के आधिकारिक लॉन्च के लिए मंजूरी और तैयारी शामिल है।एक अन्य वरिष्ठ रेलवे अधिकारी ने इंडियन एक्सप्रेस को बताया कि दूसरे वंदे भारत स्लीपर रेक का परीक्षण पूरा होने के बाद, ट्रेन को परीक्षण के दौरान पहचाने गए आवश्यक सुधारों और समायोजनों के लिए बीईएमएल वापस भेजा जाएगा।

सोनभद्र हादसा : रेस्क्यू बंद, 7 शव बरामद

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले के ओबरा स्थित बिल्ली-मारकुंडी खनन क्षेत्र में बीते 15 नवंबर को हुए हादसे के बाद करीब 72 घंटे से चल रहा रेस्क्यू ऑपरेशन आज बंद कर दिया गया। इस बचाव कार्य में एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, सीआईएसएफ और स्थानीय पुलिस के साथ-साथ ग्रामीण भी शामिल थे। सोनभद्र के डीएम बद्रीनाथ सिंह के मुताबिक अभी तक 7 शवों को बरामद किया गया है। पुलिस और एनडीआरएफ की टीम ने पूरी खदान की दो बार जांच की। डीएम बद्रीनाथ सिंह ने पुष्टि की कि मलबे के नीचे से सात शवों के अलावा और कोई डेड बॉडी या घायल व्यक्ति नहीं मिला है। पूरी संतुष्टि के बाद रेस्क्यू ऑपरेशन को बंद कर दिया गया। एसपी अभिषेक वर्मा के मुताबिक, खदान में बचाव कार्य को बंद कर दिया गया है। 72 घंटे तक चले इस सघन ऑपरेशन का मकसद मलबे के नीचे दबे अन्य पीड़ितों को खोजना था। बरामद किए गए शवों की कुल संख्या सात है।

एनडीए की आठवीं सरकार के गठन की प्रक्रिया हुई तेज

नीतीश 20 मंत्रियों के साथ कल लेंगे शपथ, मिनिस्टर भी हो गए तय!

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की आठवीं सरकार के गठन की प्रक्रिया बुधवार को विधायक दल का नेता चुनने के बाद तेजी हो जाएगी। सूत्रों का कहना है कि नीतीश 20 नवंबर को एनडीए के पांच दलों के लगभग 20 मंत्रियों के साथ दसवीं बार बिहार के सीएम पद की शपथ ले सकते हैं। 202 विधायकों की जीत से एनडीए के पास दो तिहाई से भी ज्यादा बहुमत है, लेकिन विधानसभा में बहुमत परीक्षण (फ्लोर टेस्ट) की औपचारिकता पूरी करने के बाद कैबिनेट विस्तार में बाकी को मौका मिलेगा। नीतीश के साथ शपथ लेने वाले मिनिस्टर की संख्या और सूची पर दिल्ली में भाजपा नेता और गृहमंत्री अमित शाह के साथ जेडीयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा और केंद्रीय मंत्री ललन सिंह की मुलाकात हुई है।

भाजपा ने केशव मौर्य को बनाया पर्यवेक्षक | गृहमंत्री शाह बुधवार को पहुंच रहे पटना

शाह करेंगे लिस्ट फाइनल

नीतीश की नई सरकार में डिप्टी सीएम की संख्या और नेता पर भी अमित शाह के साथ चर्चा की संभावना है। अमित शाह शपथ ग्रहण से एक दिन पहले बुधवार की शाम को ही पटना पहुंच रहे हैं। माना जा रहा है कि सरकार में शामिल होने वाले बीजेपी के मंत्रियों की लिस्ट को अमित शाह पटना आकर फाइनल करेंगे। बीजेपी ने यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य को बिहार का पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। उनके साथ अर्जुन राम मेघवाल, साध्वी निरंजन ज्योति को सह–पर्यवेक्षक नियुक्त किया है।

भाजपा जदयू से होंगे 14-16 मंत्री

सूत्रों का कहना है कि सरकार गठन के पुराने तौर-तरीकों से पहले फ्लोर टेस्ट होगा और फिर कैबिनेट विस्तार में खाली जगह भरे जाएंगे। 20 मंत्रियों की लिस्ट में बीजेपी व जेडीयू से कुल 14-16 मंत्री हो सकते हैं जबकि पासवान, मांझी और कुशवाहा के कुल 4 मिनिस्टर बन सकते हैं।

गृहमंत्रालय पर रस्साकशी

जानकारी के मुताबिक एनडीए गठबंधन की प्रमुख पार्टियां बीजेपी, जेडीयू और लोक जनशक्ति पार्टी के बीच मंत्रालयों का बंटवारा लगभग हो चुका है, लेकिन बिहार के 'पावर सेंटर' यानी गृह मंत्रालय पर पेंच फंसा हुआ है, जिसे लेकर अभी तक एनडीए गठबंधन किसी भी नतीजे पर नहीं पहुंच सका है। गृह मंत्रालय नीतीश कुमार की राजनीतिक मजबूती का 'कोर सेंटर' माना जाता है। 2005 से लेकर अब तक वे गृह विभाग को अपने नियंत्रण में रखते आए हैं और यही वजह है कि वे इसे छोड़ने के मूड में नहीं हैं।

डिप्टी सीएम की रेस में कौन आगे?

डिप्टी सीएम की दौड़ में एक बार फिर सम्राट चौधरी का नाम आगे है। उन्हें विधायक दल का नेता भी बनाया जा सकता है। दूसरी तरफ अगड़ी जाति से डिप्टी सीएम बनने की उम्मीद के चलते नीतीश मिश्रा, नितिन नवीन और मंगल पांडे जैसे चेहरों के नाम भी चर्चा में हैं।

स्पीकर किसे बनाया जाएगा?

स्पीकर पद के लिए प्रेम कुमार और राम कृपाल यादव जैसे नाम सामने आ रहे हैं। वहीं, एक्सपेरिमेंट के तौर पर दीघा के पहली बार के विधायक संजीव चौरसिया को भी स्पीकर बनाया जा सकता है। फिलहाल स्थिति पूरी तरह साफ नहीं है और कई नाम दौड़ में चल रहे हैं।

यूनुस सरकार का फैसला

हसीना के खिलाफ इंटरपोल की मदद लेगा बांग्लादेश

एजेंसी ▶▶| ढाका

बांग्लादेश में राजनीतिक हलचल एक नई दिशा ले चुकी है। इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल (आईसीटी) की ओर से अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना और पूर्व गृह मंत्री असदुज्जमान खान को मौत की सजा सुनाए जाने के एक दिन बाद अब उन्हें देश वापस लाने की प्रक्रिया तेज हो गई है। प्रॉसिक्यूटर गाजी मुनावर हुसैन तमीम ने आज बताया कि प्रॉसिक्यूशन इंटरपोल की सहायता लेने के लिए अपनी पुरानी अर्जी अपडेट कर रहा है। जल्द ही विदेश मंत्रालय के माध्यम से एक नया अनुरोध भेजा जाएगा, जिसके आधार पर इंटरपोल नोटिस जारी किए जा सकेंगे। उन्होंने कहा, 'इस प्रक्रिया पर काम शुरू हो चुका है।' **मौत की सजा सुनाई गई है हसीना को :** ट्रिब्यूनल-1 ने शेख हसीना और असदुज्जमान को पिछले साल जुलाई में हुए जनविद्रोह के दौरान कथित मानवता-विरोधी अपराधों के लिए दोषी करार दिया है। दोनों नेताओं को गैरहाजिर रहने पर मौत की सजा सुनाई गई, जबकि उस वक्त देश के पुलिस प्रमुख रहे चौधरी अब्दुल्ला अल-मामून को पांच साल की सजा दी गई।

प्रत्यर्पण पर भारत ने यह कहा

बांग्लादेश द्वारा भारत सरकार से हसीना के प्रत्यर्पण की मांग पर भारत सरकार ने टिप्पणी नहीं की है। हालांकि भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा, भारत ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के संबंध में बांग्लादेश के अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण द्वारा सुनाए गए फैसले पर ध्यान दिया है। हम इस दिशा में सभी हितधारकों के साथ हमेशा रचनात्मक रूप से जुड़े रहेंगे।' क्या भारत हसीना को प्रत्यर्पित करेगा?

एनआईए कसेगी शिकंजा, भारत में है मोस्ट वांटेड

लॉरेंस बिश्नोई का 'पावर सेंटर' खत्म, भाई अनमोल डिपोर्ट

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

लॉरेंस बिश्नोई गैंग के लिए अमेरिका से एक बहुत बड़ी बुरी खबर आई है। गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के छोटे भाई अनमोल बिश्नोई जिसे पावर सेंटर माना जाता था, उसे अमेरिका ने मंगलवार को भारत डिपोर्ट कर दिया है। अनमोल बिश्नोई महाराष्ट्र के विधायक बाबा सिद्दीकी मर्डर केस में एक अहम साजिशकर्ता है। अमेरिकी डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी ने खुद सिद्दीकी के बेटे जीशान सिद्दीकी को इस डिपोर्टेशन की जानकारी दी है। जीशान ने एक ईमेल का स्क्रीनशॉट शेयर किया, जिसमें साफ लिखा है, 'यह ईमेल आपको सूचित करने के लिए है कि संघीय सरकार द्वारा अनमोल बिश्नोई को अमेरिका से हटा दिया गया है। अपराधी को 18 नवंबर 2025 को हटाया गया।'

अनमोल पर दर्ज हैं 18 संगीन मामले

अनमोल बिश्नोई भारत में कई गंभीर और हिंसक अपराधों को लेकर वांटेड है। इसमें अक्टूबर 2024 में हुए बाबा सिद्दीकी की हत्या और मई 2022 में पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला की हत्या शामिल है। इसके अलावा, अप्रैल 2024 में बॉलीवुड स्टार सलमान खान के मुंबई वाले घर के बाहर हुई फायरिंग के सिलसिले में भी उसकी तलाश है। पिछले साल नवंबर में, अनमोल को अमेरिकी अधिकारियों ने गिरफ्तार किया था।

फोटो में मुजम्मिल भी दिखा साथ

दिल्ली ब्लास्ट से पहले शाहीन ने खरीदी थी नई ब्रेजा कार

नई दिल्ली। दिल्ली के लाल किला ब्लास्ट मामले की जांच में डॉक्टर शाहीन से जुड़े नए खुलासे हो रहे हैं। अब जो जानकारी सामने आई है, उसके मुताबिक शाहीन ने ब्लास्ट से ठीक दो महीने पहले एक नई ब्रेजा कार खरीदी थी। 25 सितंबर को कार खरीदने के समय की तस्वीरें भी सामने आई हैं। गौरतलब है कि इन तस्वीरों में शाहीन के साथ डॉ. मुजम्मिल अहमद को भी देखा जा सकता है। मुजम्मिल से ही शाहीन का कथित तौर पर प्रेम संबंध है। मालूम हो कि मुजम्मिल एक कश्मीरी डॉक्टर है और फरीदाबाद की अल-फलाह यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर रहा है। शाहीन द्वारा खरीदी गई ये कार जांचकर्ताओं द्वारा बरामद तीन कारों में से एक है। ब्रेजा कार अल फलाह यूनिवर्सिटी में खड़ी मिली थी।

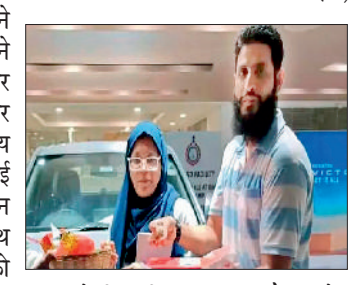

यह है आरोप

लाल किला ब्लास्ट मामले के बाद रडार पर आई डॉक्टर शाहीन पर गंभीर आरोप लगे हैं। शाहीन पर जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) के महिला विंग की भारतीय शाखा की कमांडर होने और महिलाओं को संगठन में भर्ती करने का आरोप है। बताया जा रहा है कि वह जेईएम के सरगना मसूद अजहर की बहन सादिया के निर्देश पर काम कर रही थी। गौरतलब है कि 10 नवंबर शाम को लाल किला के पास हुए धमाके में 19 लोगों की मौत हो गई थी और 20-25 लोग घायल हुए थे।

एतिहाद ने 16 एयरबस विमान का दिया ठेका

दुबई। अबू धाबी की विमान कंपनी एतिहाद ने 16 एयरबस विमान का मंगलवार को ठेका दिया। यह उसकी आर्थिक स्थिति में सुधार के साथ विस्तार के प्रयासों का हिस्सा है। दोनों कंपनियों के प्रतिनिधियों ने जानकारी दी की कि इस ठेके में छह ए330-900, सात ए350-1000 और तीन ए350एफ मालवाहक विमान शामिल हैं।

आगामी बजट में लेनदेन कर में कटौती का किया आह्वान

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

पूंजी बाजार के प्रतिनिधियों ने आगामी बजट में लेनदेन कर में कटौती और वित्तीय क्षेत्र को मजबूत करने के उपायों की मंगलवार को वकालत की। सूत्रों ने बताया कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के साथ बजट पूर्व बैठक में पूंजी बाजार की दक्षता में सुधार और पूंजी बाजार समावेश बढ़ाने के बारे में भी सुझाव दिए गए। सूत्रों ने कहा कि क्षेत्र के प्रतिनिधियों ने वायदा-विकल्प की तुलना में नकद बाजार कारोबार पर कम प्रतिभूति लेनदेन कर (एसटीटी) की मांग की। यह वित्त मंत्री और बीएसई, मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज, एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया, एसोसिएशन ऑफ रजिस्टर्ड इन्वेस्टमेंट एडवाइजर्स और कमोडिटी पार्टिसिपेंट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया सहित पूंजी बाजार के प्रतिनिधियों के बीच चौथी बजट-पूर्व बैठक थी। पूंजी बाजार ने वित्त वर्ष 2024-25 में 14.6 लाख करोड़ रुपये के संसाधन जुटाने में मदद की जो उससे गत वित्त वर्ष 2023-24 की तुलना में 33 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। वित्तीय साधनों की एक विस्तृत श्रृंखला..शेयर एवं ऋण से लेकर रियल एस्टेट निवेश ट्रस्ट (रीट) और अवसंरचना निवेश ट्रस्ट (इनविट) तक के इस्तेमाल में कॉरपोरेट तथा बुनियादी ढांचा संस्थाओं की विकसित व अनुकूल वित्तपोषण रणनीतियों का भी उल्लेख किया गया। शेयर एवं ऋण खंडों का योगदान केवल 14.2 लाख करोड़ रुपये रहा, जो पूंजी निर्माण में सहायता करने तथा आर्थिक वृद्धि को गति देने में उनकी केंद्रीय भूमिका की पुष्टि करता है।

दमघोंटू हवा का कहर दिल्ली में एक्यूआई 400 पार

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में एयर क्वालिटी बेहद खराब होने के साथ आसमान में जहरीली धुंध की चादर छाई हुई है।जहरीली हवा में सांस लेना मुश्किल हो रहा है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के मुताबिक, मंगलवार 18 नवंबर को सुबह 6 बजे राष्ट्रीय राजधानी का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक यानी एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 341 दर्ज किया गया, जो 'बहुत खराब' श्रेणी में आता है। वहीं, कुछ इलाकों का एक्यूआई 400 के पार दर्ज किया गया है, जो 'गंभीर' श्रेणी में आता है। चारों तरफ धुंध की परत जमने की वजह से विजिबिलिटी काफी कम हो गई है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक, पिछले कई दिनों से ऐसी ही स्थिति बनी हुई है, लेकिन अब सर्दी की दस्तक के साथ स्मॉग की चादर और गाढ़ी हो रही हैं। शहर के कई इलाकों में विजिबिलिटी यानी दृश्यता घटकर 50 मीटर से भी कम रह गई है। गाजीपुर लैंडफिल के आस-पास सफेद-ग्रे धुएं की मोटी परत छाई हुई है. सुबह 6.30 बजे के करीब यहां का एक्यूआई 345 दर्ज किया गया।

बिटकॉइन क्रैश के बाद भी शांत बने हुए हैं रॉबर्ट कियोसाकी

रॉबर्ट कियोसाकी अपनी किताब 'रिच डैड पुअर डैड' के लेखक है

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

पूरी दुनिया में अपनी किताब 'रिच डैड पुअर डैड' के लिए प्रसिद्ध रॉबर्ट कियोसाकी ने वैश्विक स्तर पर जारी उतार-चढ़ाव और बिटकॉइन में हुई जबरदस्त गिरावट को लेकर अपनी राय दी है। रॉबर्ट ने कहा है कि, बाजार में इस गिरावट के बावजूद भी वे अपना निवेश बेचने का कोई इरादा नहीं रखते हैं। बतौर रॉबर्ट, वैश्विक स्तर पर नकदी की मांग के कारण ये गिरावट देखी जा रही है। उनके अनुसार बाजार की वास्तविक कीमतों में कोई कमी नहीं है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट करके अपनी बात कही है। उन्होंने कहा कि, वे अपना निवेश नहीं बेच रहे हैं, बल्कि उनकी योजना निवेश को बनाए रखने की है।

26 किताबें लिख चुके

विकिपीडिया के अनुसार, कियोसाकी रिच ग्लोबल एलएलसी और रिच डैड कंपनी के संस्थापक हैं, जो लोगों को वित्तीय शिक्षा देने का काम करती है। रॉबर्ट अब तक 26 से अधिक किताबें लिख चुके हैं।
बिटकॉइन सात माह के निचले स्तर पर- बिटकॉइन की कीमत सात महीने में पहली बार 90,000 डॉलर (लगभग 75 लाख रुपए) से नीचे आ गई। यह एक नया संकेत है कि निवेशकों का जोखिम भरे कारोबार से मोह भंग हो रहा है। जोखिम के प्रति संवेदनशील माने जाने वाले इस क्रिप्टोकरेंसी ने साल 2025 में हुई सारी बढ़त गंवा दी है। अक्टूबर में 126,000 डॉलर (लगभग 1.05 करोड़ रुपए) के शिखर के बाद से अब तक इसकी कीमतों में लगभग 30 प्रतिशत की गिरावट आई है।

कौन है रॉबर्ट कियोसाकी?

रॉबर्ट कियोसाकी अमेरिका के एक प्रसिद्ध व्यवसायी, निवेशक और लेखक हैं। 'रिच डैड पुअर डैड' के लेखक होने के नाते उनकी पहचान पूरी दुनिया में है। उनकी यह किताब इंटरनेशनल बेस्ट सेलर का खिताब भी जीत चुकी है।

कियोसाकी की इंवेस्टमेंट स्ट्रेटजी

रॉबर्ट कियोसाकी का मानना है कि, सोना , चांदी , बिटकॉइन और एथेरियम जैसी चीजों की कीमतें बढ़ सकती हैं। बतौर रॉबर्ट, लोगों को इस वक्त नकदी की जरूरत हैं। अपनी इस निवेश सलाह पर जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि, दुनिया में बढ़ता हुआ कर्ज और बड़ी मौद्रिक घटनाओं की संभावना आने वाली है।

न्यायालय तहसीलदार, घरघोड़ा, जिला रायगढ़ (छ.ग.)

रा.प्र.क्र./ /बी-121/2025-26 साकिन-कंचनपुर प.ह.न. 12

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि कार्यालय कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी रायगढ़ के पत्र क्रमांक / GENS-12/689/2025-COLL RGH LIC SEC रायगढ़ दिनांक 06/11/2025 के द्वारा आवेदक मेसर्स रिलाईन्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड नवी मुम्बई द्वारा मेसर्स मॉ मंगला ट्रान्सपोर्ट धरमजयगढ़ रोड, कंचनपुर तहसील घरघोड़ा जिला रायगढ़ (छ.ग.) स्थित अपने भूमिस्वामी हक की भूमि खसरा नंबर 690/3 रकबा 0.745 हे. भूमि पेट्रोलियम क्लास बी कन्जूमर पम्प (एचएसडी) स्थापित किये जाने हेतु अनापत्ति प्रमाण पत्र प्रदाय किये जाने का निवेदन किया गया है। जो जांच एवं प्रतिवेदन हेतु प्राप्त हुआ है।

प्रस्तुत आवेदन के संबंध में इस न्यायालय में दिनांक 28/11/2025 को सुनवाई नियत की गई है। उक्त संबंध मे जिसे किसी को दावा / आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वे स्वयं अथवा अपने किसी अभिभाषक के माध्यम से दावा/आपत्ति दिनांक 28.11.2025 को इस न्यायालय मे उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार का कोई भी विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 14.11.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पद मुद्रा अंकित कर जारी किया गया।

तहसीलदार, घरघोड़ा

OFFICE OF THE MUNICIPAL COUNCIL, JANJGIR-NAILA, DISTT-JANJGIR CHAMPA {C.G.}

e-procurement Tender Notice

NIT.NO./ /PWD/NPP/2025 JANJGIR-NAILA, DATE:

s. no.	System Tender no.	Name of work/ description of work	Probable amount of contract (lacs)
1	179880	Nintey Five, Skilled, Un Skilled, Semi Skilled Worker Are Required For The Work In Municipal Council Janjgir Naila (C.G.)	130.56

The details can be viewed and download online directly from the government of Chhattisgarh e-procurement portel http://cgeprocurement.gov.in on sub portal of though urban administration and development department http://uadd.cgeprocurement.gov.in for more datails on the tendar and bidding process you may please visit the above-mentioned portal. The last date of bid submission Date 19.12.2025 Time 5.30 pm.

CHIEF MUNICIPAL OFFICER
MUNICIPAL COUNCIL JANJGIR-NAILA

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर-495009 (छ.ग.) भारत, दूर. +91-7752-260342

क्र. 856/VRET/Academic/25 प्रवेश सूचना (2025-26) बिलासपुर, दिनांक 17.11.2025

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर शैक्षणिक सत्र 2025-26 के विभिन्न पी.एच.डी. (शोध) कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए अर्ह उम्मीद्वारों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित करता है कोई भी अर्ह उम्मीद्वार विश्वविद्यालय शोध प्रवेश परीक्षा के माध्यम से प्रवेश प्राप्त कर सकता है।

अर्ह NET/GATE या अन्य उत्तीर्ण उम्मीद्वार/कार्यरत सेवी/विदेशी विद्यार्थी सीधे साक्षात्कार हेतु प्रवेश परीक्षा छूट माध्यम से प्रवेश प्राप्त कर सकते है। प्रवेश के लिए उपलब्ध पाठ्यक्रम, प्रवेश प्रक्रिया, पात्रता के मापदंड, सीट संख्या, शुल्क, छात्रवृत्ति, प्रवेश परीक्षा तिथि एवं समय आदि का विवरण विश्वविद्यालय के वेब पटल www.ggu.ac.in पर उपलब्ध है -

1. ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया प्रारंभ होने की तिथि- : 17.11.2025
2. आवेदन ऑनलाइन जमा करने की अंतिम तिथि- : 12.12.2025
3. प्रवेश परीक्षा तिथि 04.01.2026 (11.00AM) (संभावित)
4. परिणाम घोषणा तिथि : 16.01.2026

सहायता : 07752-260342, 9406430720 कुलसचिव (कार्यवाहक)

FORM NO. 14
[See Regulation 33(2)]
OFFICE OF THE RECOVERY OFFICER - I/II
DEBTS RECOVERY TRIBUNAL JABALPUR
2nd & 3rd Floor, Sanchar Vikas Bhavan (BSNL Building), Near Head Post Office Residency Road, Jabalpur -482001, MP.

DEMAND NOTICE

NOTICE UNDER SECTIONS 25 TO 28 OF THE RECOVERY OF DEBTS & BANKRUPTCY ACT, 1993 AND RULE 2 OF SECOND SCHEDULE TO THE INCOME TAX ACT, 1961.

RC/189/2024 10.11.2025

PUNJAB NATIONAL BANK
Versus
SAHEBLAL BHARADWAJ BHARADWAJ

To,
(CD 1) SAHEBLAL BHARADWAJ BHARADWAJ DAYA RAM
HN 1243/1, RAILWAY WIRELESS COLONY, BILASPUR (C.G)
Bilaspur, CHHATTISGARH- 495001
(CD 2) SUDHIR BHARADWAJ
HN 1243/1, RAILWAY WIRELESS COLONY, BILASPUR (C.G.)
Bilaspur CHHATTISGARH -495001
(CD 3) RESHAM BHARADWAJ
HN 1243/1, RAILWAY WIRELESS COLONY, BILASPUR (C.G.) Bilaspur CHHATTISGARH -495001

This is to notify that as per the Recovery Certificate issued in pursuance of orders passed by the Presiding Officer, DEBTS RECOVERY TRIBUNAL JABALPUR in **OA/554/2022 an amount of Rs 2734606.10 (Rupees Twenty Seven Lakhs Thirty Four Thousands Six Hundred Six And Paise Ten Only)** along with pendentellite and future interest @ 10.25% Simple Interest Yearly w.e.f. 28/04/2022 till realization and costs of Rs 30000 (Rupees Thirty Thousands Only) has become due against you (Jointly and severally / Fully / Limited).

2. You are hereby directed to pay the above sum within 15 days of the receipts of the notice, failing which the recovery shall be made in accordance with the Recovery of Debts Due to Banks and Financial Institutions Act, 1993 and Rules there under.

3. You are hereby ordered to declare on an affidavit the particulars of yours assets on or before the next date of hearing.

4. You are hereby ordered to appear before the undersigned on **07/01/2026** at 10:30 a.m. for further proceedings.

5. In addition to the sum aforesaid, you will also be liable to pay:

(a) Such interests as is payable for the period commencing immediately after this notice of the certificate / execution proceedings.

(b) All costs, charges and expenses incurred in respect of the service of this notice and warrants and other processes and all other proceedings taken for recovering the amount due.

Given under my hand and the seal of the Tribunal, on this date: **10/11/2025**

SEAL
Ms Priti Desai
Recovery Officer
Debts Recovery Tribunal, Jabalpur

प्रथम पृष्ठ का शेष

अबूझ आतंक का...

कमेटी मेंबर राजे ने भी प्रतिबंधित सीपीआई माओवादी संगठन में कई महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाईं। वह 1994-95 में बाल संगठन सदस्य रही, उसके बाद एसीएम जगरगुंडा (2002-3), किस्टारम एसीएम (2006-7), पलाचलमा एलओएस कमांडर (2008), बटालियन मोबाइल पॉलिटिकल स्कूल की शिक्षिका (2009) और अंततः एमओपीओएस इंचार्ज तथा बीएनपीसी बटालियन पार्टी कमेटी सदस्य के रूप में सक्रिय रही। **मुख्यधारा में लौटकर शांतिपूर्ण व सार्थक जीवन जिएं-** बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक ने बताया कि बस्तर और पड़ोसी राज्यों में पुलिस और सुरक्षा बलों के निरंतर और समन्वित प्रयासों ने अंततः माड़वी हिड़मा की हिंसक विरासत का अंत कर दिया है। उसकी निष्क्रियता के साथ क्षेत्र में शांति स्थापना और सामान्य स्थिति बहाली का एक नया अध्याय प्रारंभ होता है। हिड़मा ने सरकार, पुलिस, सुरक्षा बलों और यहां तक कि अपने परिवार की बार-बार की अपीलों को भी अनदेखा किया और कभी हिंसा का रास्ता नहीं छोड़ा। यह शेष बचे कुछ माओवादी कैडरों और कमजोर नेतृत्व के लिए एक सबक होना चाहिए कि वे वास्तविकता स्वीकार करें और मुख्यधारा में लौटकर शांतिपूर्ण और सार्थक जीवन जिएं।

आंध्रप्रदेश के एडीजी...

नक्सलियों को मार गिराया, जिसमें सेंट्रल कमेटी मेंबर बटालियन नम्बर एक का कमांडर माड़वी हिड़मा सहित उसकी पत्नी राजे मारी गई। इनके साथ चार और नक्सलियों मार गिराए गए। वहीं कुछ नक्सली मुठभेड़ स्थल से भागने में सफल हुए। इस अभियान में पुलिस ने अलग अलग जिलों से सेंट्रल कमेटी मेंबर देवजी सहित नव नक्सलियों के साथ कुल 31 नक्सलियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।

माओवादी आंदोलन...

सीतारामराजू जिले के आंध्र-छत्तीसगढ़ सीमा क्षेत्र में उनकी भाग दौड़ अंततः समाप्त हो गई। 18 नवम्बर को मारेडुमिल्लो मंडल में कॉम्बिंग ऑपरेशन के दौरान, माओवादियों और आंध्रप्रदेश पुलिस दल के बीच मुठभेड़ हुई। इस मुठभेड़ में छह माओवादी मारे गए, जिनमें सबसे प्रमुख माओवादी के सेंट्रल कमेटी सदस्य मदवी हिडमा भी शामिल था। माड़वी हिड़मा की मौत माओवादी विरोध अभियान के इतिहास की सबसे निर्णायक सफलताओं में से एक है, सिर्फ छत्तीसगढ़, आंध्रप्रदेश और तेलंगाना के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र के लिए है। माओवादी आंदोलन को एक बेहद करारा झटका है, जिसने अपना सबसे कुख्यात, जनविरोधी, आदिवासी-विरोधी, विकास-विरोधी और अमानवीय कमांडर खो दिया है। मुठभेड़ में निष्क्रिय किए गए माओवादी कैडरों की प्रारंभिक पहचान माड़वी हिड़मा सेंट्रल कमेटी सदस्य, मड़कम राजे (हिडमा की पत्नी) एसजेडसीएम, लक्मल डीसीएम, कमलू पीपीसीएम, मल्ला पीपीसीएम एवं देवे हिडमा का पर्सनल गार्ड है।

हथियार व विस्फोटक...

और माओवादी शीर्ष नेतृत्व का एक लंबे समय से सक्रिय आतंक का प्रतीक समाप्त हुआ।

16 की उम्र में...

हिड़मा का जन्म छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले स्थित पूवर्ति गांव में 1981 में हुआ था। वह अभी पीएलजीएम बटालियन नंबर एक का प्रमुख था, जिसे माओवादियों का सबसे घातक हमलावर इकाई माना जाता है।। साथ ही सीपीआई माओवादी की सेंट्रल कमिटी का सबसे युवा सदस्य था। वह बस्तर क्षेत्र से सेंट्रल कमिटी में शामिल होने वाला एकमात्र आदिवासी सदस्य था। छत्तीसगढ़ में सिर्फ उस पर 50 लाख रुपए का इनाम था। माड़वी हिड़मा का असली नाम संतोष था।

रिसिन जहर मामले...

हमले के दौरान स्थिति इतनी बिगड़ गई कि मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने हस्तक्षेप कर उसकी जान बचाई। मारपीट की सूचना मिलते ही सेल के बाहर तैनात सुरक्षाकर्मी तुरंत अंदर पहुंचे और डॉ. अहमद को कैदियों के चंगुल से बाहर निकाला। घटना की जानकारी मिलते ही गुजरात एटीएस की टीम भी साबरमती जेल पहुंच गई है और हमले की वजह की जांच शुरू कर दी गई है। अभी तक यह साफ नहीं हो पाया है कि कैदियों ने अचानक हमला क्यों किया।

बाघों के निवास...

तत्काल प्रभाव से लागू किए जाने योग्य प्रावधान भी शामिल हैं। साथ ही कोर्ट ने साफ कहा कि ऐसी घटनाओं में अगर किसी व्यक्ति की मौत होती है, तो राज्यों को अनिवार्य रूप से 10 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देनी ही होगी। यह मुआवजा पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की सीएसएस-आईडब्ल्यूडीएच योजना के तहत तय नियमों के मुताबिक होगा। सुप्रीम कोर्ट ने 6 माह में मॉडल गाइड लाइन तैयार करने का निर्देश भी दिया। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने टाइगर सफारी, बाघ अभयारण्यों के प्रबंधन और संवेदनशील बाघ परिदृश्यों की सुरक्षा को लेकर कई दिशानिर्देश जारी किए। कोर्ट ने कॉर्बेट टाइगर रिजर्व में हुए बड़े पैमाने पर अवैध निर्माण और पेड़ कटाई के मुद्दे पर गठित विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट को स्वीकारते हुए राज्यों को समय-सीमा में पालन सुनिश्चित करने का आदेश दिया। कोर्ट ने कहा कि तेजी से राहत दिलाने के लिए मानववन्यजीव संघर्ष को प्राकृतिक आपदा घोषित करने पर विचार होना चाहिए, जैसा कि उत्तर प्रदेश पहले ही कर चुका है।

एक पते से...

मोबाइल नंबर और ईपीएफओ का कोई रिकॉर्ड नहीं मिला। ये कार्रवाई विश्वविद्यालय, उसके ट्रस्टीज और उससे जुड़े व्यक्तियों के खिलाफ चल रही मनी लॉन्ड्रिंग जांच का हिस्सा है। ईडी की टीम ने यूनिवर्सिटी के चेयरमैन जावेद अहमद सिद्दीकी से भी पूछताछ की, वह पिछले कुछ दिनों से लापता बताए जा रहे थे। ईडी की टीम विश्वविद्यालय से संबंधित ट्रस्टियों और अन्य व्यक्तियों के परिसरों पर तलाशी ले रही है। वह दिल्ली में ओखला स्थित कार्यालय भी पहुंची थी। जांच टीम ने ग्रुप द्वारा यूजीसी और एनएएसी मान्यता को लेकर किए गए दावों में भी शुरुआती गड़बड़ियाँ पकड़ी हैं। अधिकारियों का कहना है कि इस पूरे मामले की गहराई से जांच की जा रही है। **9 कंपनियां सिर्फ कागजों पर ही चल रहीं** -जांच एजेंसियों की छापेमारी में पता चला है कि ग्रुप से जुड़ी 9 शेल कंपनियां एक ही पते पर रजिस्टर्ड हैं। जब अधिकारी वहां पहुंचे तो पाया कि ऑफिस में न कोई स्टाफ मौजूद था और न ही बिजली-पानी का कोई इस्तेमाल दिखा। इससे साफ लगता है कि इन कंपनियों की जमीन पर मौजूदगी सिर्फ कागजों में ही है। **एक ही मोबाइल नंबर, ईपीएफओ का कोई रिकॉर्ड नहीं**-जांच में यह भी सामने आया कि कई कंपनियों में एक ही मोबाइल नंबर और ईमेल का इस्तेमाल किया गया है। ईपीएफओ और ईएसआईसी में भी इन कंपनियों का कोई रिकॉर्ड नहीं मिला, जबकि कागजों में इन्हें बड़े कारोबार वाली कंपनियाँ बताया गया था। इससे इन कंपनियों की गतिविधियों पर और ज्यादा शक गहरा गया है।

पाकिस्तान के ...

फिदायीन बनाने की फिराक में थे। दोनों लड़कों के मोबाइल तथा लैपटॉप में और कई आपत्तिजनक सामग्री मिली है, जिसका एटीएस जांच कर रही है।

क्लाउडफ्लेयर डाउन...

मंगलवार शाम करीब 5:00 बजे से डाउन हुआ। क्लाउडफ्लेयर एक वेब इंफ्रास्ट्रक्चर और सिक्योरिटी कंपनी है। इसका काम वेबसाइटों और ऐप्स को साइबर अटैक, हैकिंग, और ट्रैफिक की वजह से धीमी गति से बचाना है। यह कंपनी 2010 में शुरू हुई थी। **कंपनी ने कहा सुधार कार्य जारी है**-बता दें कि क्लाउडफ्लेयर ने कहा कि वे तकनीकी गड़बड़ी की जांच कर रहे हैं जो कई यूजर्स को प्रभावित कर रही है। कंपनी के अनुसार वाइडस्प्रेड 500 इरर आ रहे हैं, साथ ही क्लाउडफ्लेयर डैशबोर्ड और एपीआई भी ठीक से काम नहीं कर रहे। पूरी स्थिति समझने और समस्या को ठीक करने पर काम जारी है। **चैट जीपीटी हुई सही, एक्स में रही समस्या**-चेट जीपीटी की वेबसाइट भी डाउन हो गई। भारत में एक्स अकेला डाउन नहीं हुआ है। इसके साथ ही चैट जीपीटी की वेबसाइट भी कुछ समय के लिए डाउन हो गई। हालांकि बाद में चैट जीपीटी की सेवाएं सामान्य हो गईं, लेकिन एक्स अभी भी कई जगहों पर सही से काम नहीं कर रहा है। एक्स पर काम करते समय उसे बार-बार रिफ्रेश करना पड़ा रहा है लेकिन फिर भी कोई असर देखने को नहीं मिला। **क्लाउडफ्लेयर के काम -वेबसाइट की रफ्तार बढ़ानाः** यह दुनिया भर में अपने सर्वर (कंप्यूटर) रखता है। जब आप किसी वेबसाइट को एक्सेस करते हैं, तो क्लाउडफ्लेयर उस वेबसाइट के डेटा को आपके सबसे नजदीकी सर्वर से डिलीवर करता है, जिससे वेबसाइट बहुत तेजी से लोड होती है। **साइबर अटैक से सुरक्षाः** यह वेबसाइटों को हैकर्स और डीडीओएस अटैक (जब लाखों कंप्यूटर एक साथ हमला करके सर्वर को जाम कर देते हैं) से बचाता है। यह एक फिल्टर की तरह काम करता है, जो खराब ट्रैफिक को पहचान कर ब्लॉक कर देता है। **हमेशा ऑनलाइन रखनाः** अगर किसी वेबसाइट का मुख्य सर्वर डाउन हो जाता है, तब भी क्लाउडफ्लेयर की टेक्नोलॉजी उस वेबसाइट को कुछ हद तक ऑनलाइन बनाए रखती है, ताकि ग्राहकों को सेवा में कोई रुकावट न आए।

ह्यूमन ट्रैफिकिंग...6...

और काम कराया जाता था। ये बच्चे मुख्य रूप से पश्चिम बंगाल, ओडिसा, मध्यप्रदेश, झारखंड और असम के जनजातीय इलाकों के हैं। स्थानीय एजेंट इन बच्चों को ट्रैफिकिंग के जरिए उनके गृह राज्यों से लेकर यहां लाए और काम पर लगा दिया। बीते 6 वर्षों से इन्हें यहां कैद जैसी हालत में रखकर काम करवाया जा रहा था। शुरुआती जांच में सामने आया है कि कंपनी के डायरेक्टर मोनिका खेतान, विमल खेतान और विश्वप्रताप सिंह राणा हैं। अब इनके खिलाफ भी अपराध दर्ज कराया जाएगा। गौरतलब है कि यह वही मशरूम फैक्ट्री है, जहां से तीन माह पूर्व बाल मजूदरों को छुड़वाया गया था। उस वक्त उचित कार्रवाई नहीं होने के कारण आरोपियों के हौसले बुलंद हो गए और उन्होंने पुनः बाल मजदूरों से काम लेना शुरु कर दिया।

कई बच्चे कुपोषित...

गए इन बच्चों की जानकारी राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग को पत्र लिखकर दी थी और कार्रवाई की मांग की थी। चिट्ठी पर तुरंत कार्रवाई करते हुए राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के सदस्य प्रियांक कानूनगो ने रायपुर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को सूचित किया। उन्होंने डीएसपी नंदिनी ठाकुर के नेतृत्व में एक टीम गठित कर तत्काल छापा मारा।

पुराने विस भवन...

कराना है। सोलर प्लांट स्थापना प्रक्रिया में समय लगने के कारण घरेलू उपभोक्ताओं के लिए 1 दिसंबर से नई योजना लागू की जा रही है, जिससे आम जनता के बिजली बिल में महत्वपूर्ण कमी आएगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने यह भी बताया कि पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत राज्य शासन की ओर से सब्सिडी दी जा रही है। जिसके तहत 1 किलोवॉट क्षमता के सोलर प्लांट पर 15,000 रुपये तथा 2 किलोवॉट या उससे अधिक क्षमता के प्लांट पर 30,000 रुपये की अतिरिक्त सब्सिडी दी जा रही है। यह व्यवस्था राज्य में सौर ऊर्जा अपनाने को प्रोत्साहित करेगी और आने वाले समय में उपभोक्ताओं को हाफ बिजली से फ्री बिजली की ओर ले जाएगी। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि यह निर्णय न केवल जनता के बिजली बिल को कम करेगा बल्कि राज्य को ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक मजबूत कदम साबित होगा।मुख्यमंत्री ने आगामी योजनाओं, उद्योगों में तेजी से बढ़ रही संभावनाओं और नागरिकों को मिलने वाले प्रत्यक्ष लाभों का विस्तार से उल्लेख किया। उनके अनुसार नई उद्योग नीति लागू होने के बाद बेहद कम समय में 7.83 लाख से अधिक नौकरी और निवेश प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं, जो राज्य के औद्योगिक भविष्य के लिए एक मजबूत संकेत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित "विकसित भारत 2047" के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए राज्य भी तेजी से प्रगति की दिशा में बढ़ रहा है। उद्योग, ऊर्जा, बुनियादी ढांचा, कृषि और सामाजिक कल्याण सहित हर क्षेत्र में सुधार एवं विस्तार सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल हैं। ऊर्जा उत्पादन और बिजली उपलब्धता को लेकर मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के अंतर्गत राज्य ने उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है। सरकार घरेलू उपभोक्ताओं को सोलर एनर्जी की ओर ले जाने के लिए तेज़ी से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि आगामी समय में अधिक से अधिक घरों को सोलर रूफटॉप से जोड़कर मुफ्त बिजली की दिशा में कदम बढ़ाए जाएंगे। इससे न केवल बिजली बिलों में कमी आएगी बल्कि राज्य की ऊर्जा आत्मनिर्भरता भी मजबूत होगी। **विधानसभा की उपलब्धि**-विधानसभा की उपलब्धियों को लेकर श्री चंद्राकर ने कहा, 25 सालों में विधानसभा ने कई उपलब्धि हासिल की है। यह पहली विधानसभा थी, जिसे राष्ट्रपति ने संबोधित किया था। यहां बेल में आने पर स्वयं निलंबन की परंपरा को कायम किया गया, जिसका पालन हो रहा है। नक्सलियों को लेकर गोपनीय बैठक भी इस विधानसभा में हुई। रविवार के दिन भी विधानसभा की कार्यवाही चली। कोरम के अभाव में विधानसभा कभी स्थगित नहीं हुई। मार्शल का उपयोग कभी नहीं किया गया। श्री चंद्राकर ने बताया कि विधानसभा में कई ऐतिहासिक विधेयक पारित हुए। इन विधेयकों में खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2012, पंचायती राज अधिनियम, पंचायतों में स्वच्छता अभियान, साक्षरता और कुपोषण जैसे मामलों में भाजपा सरकार के समय काम किया गया। लोक सेवा गारंटी अधिनियम, 24 और 14 घंटे तक अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा की गई। **लखमा को जेल भेजे जाने पर उठाए सवाल** -बस्तर विधायक लखेश्वर बघेल ने जेल में बंद कोंटा विधायक कवासी लखमा को याद किया। उन्होंने लखमा को जेल भेजे जाने को लेकर भी सवाल किया। उन्होंने कहा, इस गौरवशाली पल में हमारे विधायक साथी कवासी लखमा नहीं हैं। कौन से गंभीर अपराध में जेल भेजा गया है? चाहते तो उनको यहां लाया जा सकता था।

25 साल के सफर...

बताया। उन्होंने सदन में मौजूद पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से कहा, आपके भीतर छत्तीसगढ़ के लिए काम करने की आग दिखती है, लेकिन योजनाएं संसदीय मंजूरी और बजट के अभाव में प्रभावित हुईं, जिसकी बदनामी आपको झेलनी पड़ी। उन्होंने छत्तीसगढ़ राज्य गठन के इतिहास और उसमें भाग लेने वाले नेताओं के बारे में चर्चा की। राज्य बनने के बाद पहली विधानसभा जशपुर हाल में हुई। विधानसभा की पहली प्रोसिडिंग थी- जोगी जी अपने मंत्रिमंडल का परिचय कराएंगे कि नहीं। राज्य बनने के दौरान अजीत जोगी ने कई कार्य किए जिसमें एमपीएसआरटी को बंद करने, सीएसईबी की स्थापना, निजी विवि की स्थापना जैसे कई अच्छे कार्य हुए। वहीं उनके कार्यकाल में विधानसभा की शुरुआत अच्छी रही।

नए भवन में...

में सबसे पहले विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने दिवंगत पूर्व सदस्यों का उल्लेख किया, जिस पर सदन ने रजनीताई उपासने, बनवारी लाल अग्रवाल, राधेश्याम शुक्ला को श्रद्धांजलि अर्पित की। छत्तीसगढ़ विधानसभा के पुराने भवन में आज आयोजित विशेष सत्र बेहद खास रहा। सत्र के दौरान छत्तीसगढ़ के 25 साल के संसदीय इतिहास को याद किया गया। एक दिन के विशेष सत्र की शुरुआत बीजेपी के वरिष्ठ विधायक अजय चंद्राकर ने की। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के कार्यकाल को स्वर्णिम युग बताया। उन्होंने सदन में मौजूद पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से कहा, आपके भीतर छत्तीसगढ़ के लिए काम करने की आग दिखती है, लेकिन योजनाएं संसदीय मंजूरी और बजट के अभाव में प्रभावित हुईं, जिसकी बदनामी आपको झेलनी पड़ी। **4 दिन चलेगा शीतकालीन सत्र** -छत्तीसगढ़ विधानसभा का शीतकालीन सत्र 4 दिनों तक आयोजित होगा, जो 14 से 17 दिसंबर तक चलेगा, जिसमें अलग-अलग विषयों पर चर्चा होगी। यह सत्र नए विधानसभा भवन में आयोजित होगा। सत्र के पहले दिन 'विकसित भारत 2047' विषय पर भी चर्चा होगी।

सीआरपीएफ स्कूलों ...

डोमिनेशन, संदिग्ध लोगों पर नजर इन्हें और बढ़ा दिया गया। **धमकी जैश-ए-मोहम्मद के नाम से भेजी गई**-सूत्रों के मुताबिक, धमकी भरा ईमेल जैश-ए-मोहम्मद नाम के आतंकी संगठन की ओर से भेजा गया बताया जा रहा है। इससे सुरक्षा एजेंसियां और ज्यादा सतर्क हो गई हैं। दिल्ली पुलिस की साइबर सेल ईमेल की तकनीकी जांच कर रही है। ईमेल किस जगह से भेजा गया, किस सर्वर का इस्तेमाल हुआ, क्या यह धमकी असली है या किसी की शरारत, इन सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

अहलूवालिया हॉस्पिटल
8103128515, 0771-4050006
• कान, नाक, गला रोग • Hearing Aids • दंत रोग • मुख के कैंसर/प्लास्टिक सर्जरी • चक्कर, खर्राटे
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, स्टेशन रोड रायपुर

Skin Care डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं: • लेजर हेयर रिमूवल • हाइड्रोफेशियल • कार्बन फेशियल • केमिकल पीलिंग • रेडियोफ्रिक्वेंसी • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

सभी प्रकार की एलर्जी — डेंटल सुविधा भी उपलब्ध..
• जैसे नाक • कान • गला • आंख • श्वास की (अस्थमा) • त्वचा
छाती रोग- • अस्थमा • सी.पी.ओ.डी. • फेफड़े सिकुड़ना • पानी भरना • न्यूमोनिया • स्वाइन फ्लू • मोटापे • खर्राटे • छाती दर्द
50 बिस्तरों का सर्वसुविधायुक्त हॉस्पिटल
Vrinda Multispeciality Hospital, Chest & Allergy Centre
वृन्दा चेस्ट एंड एलर्जी मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल
अवंति बाई चौक, लोधीपारा, पंडरी रोड, कांपा, रायपुर (छ.ग.) संपर्क: 8962566221, 07714916125, 7223065604

मोतियाबिंद — आयुष्मान कार्ड सुविधा
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
अष्टविनायक हॉस्पिटल — आयुष्मान कार्ड/राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल — डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA — भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंती विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

कार्यालय वनमण्डलाधिकारी (सा.) मनेन्द्रगढ़ वनमण्डल, मनेन्द्रगढ़ (छ.ग.)

नीलाम विज्ञापन

सामान्य सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है, कि मनेन्द्रगढ वनमण्डल के अधीनस्थ काष्ठागार जनकपुर में उपलब्ध पुराना ईमारती काष्ठ एवं पुराना जलाऊ काष्ठ का दर्शित तिथि व समय में ई-ऑक्सन द्वारा निवर्तन किया जाना है, इच्छुक व्यापारी ई-ऑवसन में अवश्य भाग लेवे। ई-ऑक्सन की शर्ते एवं अन्य जानकारी कार्यालयीन दिवस व समय पर वनमण्डल कार्यालय अथवा काष्ठागार जनकपुर से प्राप्त कर सकते है।

क्र.	प्रजाति	नये अविक्रित काष्ठ		पुराने अविक्रित काष्ठ			
		लट्ठा	बल्ली	लट्ठा		बल्ली	
		नग	घ.मी.	नग	घ.मी.	नग	घ.मी.
1	सागौन	0	0	366	27.585	3693	41.491
2	साल	0	0	13587	1448.533	1990	51.129
3	साजा	0	0	217	25.333	66	1.366
4	हल्दू, मुण्डी, बांसा	0	0	13	1.016	0	0.000
5	धावड़ा	0	0	18	2.049	0	0.000
6	सतकठा	0	0	36	5.208	2	0.089
	योग :-	0	0	14237	1509.724	5751	94.075
7	मिश्रित जलाऊ	-		525 चट्टा पुराना			
योग		-		525 चट्टा पुराना			

टीप :- 1. क्रेता को ई-ऑक्सन के पूर्व MSTC E-commerce पोर्टल में रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य है। 2. क्रेताओं को ई-ऑक्सन के पूर्व क्रय लॉटों के अपसेट प्राईज मूल्य के 10 प्रतिशत की राशि अपने वॉलेट में रखना अनिवार्य है, सफल बोलीदार को एक सप्ताह के भीतर 15 प्रतिशत E.M.D. की राशि जमा करना अनिवार्य है। 3. लॉट की थप्पी एवं फोटो MSTC E-commerce पोर्टल में अपने आई.डी से लॉगईन करके देख सकते है।

वनमण्डलाधिकारी
मनेन्द्रगढ़ वनमण्डल, मनेन्द्रगढ़

जी. 252604855/4

असली कैंदवा मलहम
ढक्कन पर कैंदवा मलहम लिखा देखें। रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें। ओरिजनल का होलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।
दाद, खाज, खुजली, कैंदवा के लिये। HMS देखकर खरीदें

बाल्य रोगों व चुरना, दस्त (कृमि) के लिए विशेष लाभकारी
सुखौना टेबलेट
20 वर्षों से प्रसिद्ध 94060-21769

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है- मैनेजर/ आफिस सुपरवाइजर की आवश्यकता है जिसे फील्ड में कार्य करने, कम्प्यूटर चलाने का अनुभव हो। वेतन योग्यता अनुसार। स्वयं का वाहन। सम्पर्क करें- फर्म किशनचंद जी जादवानी 9827126666, 9827177676 (39187)

आवश्यकता है- अनुभवी रिसेप्शनिस्ट हॉस्पिटल मैनेजमेंट, अनुभवी PRO (पब्लिक रिलेशन ऑफिसर फील्ड वर्क अनुभवी) अनुभवी फार्मासिस्ट (मेडिकल स्टोर हेतु) चाहिए सम्पर्क करें- प्रभा हॉस्पिटल, महामाया चौक, रतनपुर रोड, लोधीपारा सरकंडा बिलासपुर 7470946314 (39188)

आवश्यकता है- Receptionist, & OT नर्स की जरूरत। Receptionist को Computer की जानकारी होना अनिवार्य। Salary अनुभव के आधार पर। सम्पर्क करे- अग्रवाल प्लास्टिक सर्जरी सेन्टर, लालगंगा बिजनेस पार्क, पचपेड़ी नाका, रायपुर। 9575042809 (10am से 7pm) (39190)

आवश्यकता है-OMI कम्पनी में ऑफिस हेतु लड़के, लड़कियों की। योग्यता 10वीं से ग्रेजुएट, उम्र 18 से 28, आय 8500 से 18000 रहना खाना, पता- न्यू बस स्टैण्ड तिफरा बिलासपुर 8818877406, 9644433021 (39183)

आवश्यकता है- हास्टल में साफ सफाई कार्य करने के लिए कर्मचारी की आवश्यकता है सम्पर्क करें- पी. पुरी मित्र विहार नारायण प्लाजा के पास लिंक रोड बिलासपुर 9340969592, 7828803577 (39186)

आवश्यकता है- कपड़े एवं कॉस्मेटिक शॉप में काम कुन के लिए लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- शिमर एण्ड शाइन कॉस्मेटिक सुपर मार्केट कॉम्प्लेक्स अग्रसन चौक बिलासपुर 8602460166 (39184)

आवश्यकता है-घरेलू एवं ऑफिस के ऊपरी कार्य हेतु एक लड़का चाहिए (जिसे खाना बनाना, बाइक चलाना आता हो) एवं एक मेल कुक चाहिए सम्पर्क करें- पुराना बस स्टैण्ड बिलासपुर 9893081826, 7067124226 (39180)

आवश्यकता है नर्सिंग स्टॉफ काउन्टर स्टॉफ
अग्रवाल चिल्ड्रन हॉस्पिटल मगरपारा रोड, बिलासपुर
संपर्क करें:- सुबह 11 से 01 बजे तक 07752-226296, 402543

आवश्यकता है-एक मिस्त्री एवं एक बाई खाना बनाने के लिए और एक बाई झाड़ू पोछा बर्तन धोने केलिए आवश्यकता है सम्पर्क करें- होटल राज दयालबंद बिलासपुर (39167)

आवश्यकता है-सीए आफिस में ड्राइवर कम चपरासी योग्यता 10वीं/ 12वी एवं कामर्स ग्रेजुएट ट्रेनी की आवश्यकता है। सम्पर्क करें-सीए दिनेश अग्रवाल मेन रोड, विद्या नगर, बिलासपुर 7440969033, 7869354218 (39168)

आवश्यकता है- Puniform Texmart में सिलाई कार्य के लिए 6 दर्जी (Tailor) 2 मास्टर चाहिए। अनुभवी को प्राथमिकता वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- महामाया विहार वेयर हाउस रोड बिलासपुर 9406351753, 8889990201, 9111002777 (39181)

आवश्यकता है-थोक दवाई दुकान में काम करने हेतु लड़कों/ लड़कियों की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता। सम्पर्क करें- धनवन्तरी मेडिको ट्रेडर्स मसानगंज बिलासपुर 9827123009 (39169)

आवश्यकता है-वेलनेस शॉपी में बिलिंग, प्रोडक्ट देने हेतु एक कम्प्यूटर अनुभवी नवयुवक, एक अनुभवी फील्ड मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव, मैनेजर लड़का चाहिए सम्पर्क करें- शाम 6 से 10बजे शॉप नं-2, अरपा कॉम्प्लेक्स पुराना बस स्टैण्ड बिलासपुर 9893081826, 7067124226 (39179)

आवश्यकता है-नवजात शिशु की देखभाल हेतु महिला/ लड़की की आवश्यकता है सम्पर्क करें- 8109167378 (39177)

आवश्यकता है-हाऊस कीपिंग स्टाफ-100 (गर्ल, ब्यॉय) नर्स-15, लेडिज गार्ड-10, वार्डब्यॉय-10, ऑफिस ब्यॉय-10 बिलासपुर अम्बिकापुर हेतु रहना फ्री ड्यूटी 8घंटे, वेतन 6000-10000 पता-डीके एण्ड सन्स प्लेसमेन्ट सर्विसेस शंकर नगर बिलासपुर 8889823100 (39144)

आवश्यकता है-नवजात शिशु एवं माँ की मालिश हेतु अनुभवी 35 से 50वर्ष महिला चाहिए। वेतन 15000 से 20000 भोजन मुफ्त छत्तीसगढ़ में तुरन्त आवश्यकता है। सम्पर्क करें- 9244664654, 9109511248 (39178)

आवश्यकता है-स्टाफ नर्स बीएससी नर्सिंग, जीएनएम और ओटी टेक्निशियन की आवश्यकता है (होस्टल उपलब्ध) सम्पर्क करें- अम्रुता हॉस्पिटल, टाटीबंध, रायपुर 7770003286 (6572)

आवश्यकता है-होटल के रेस्टोरेन्ट में कार्य करने हेतु अनुभवी जिम्मेदार कैप्टन की आवश्यकता है अनुभव 2 से 4वर्ष वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 9977861508 (39170)

आवश्यकता है-औद्योगिक क्षेत्र हेतु सुपरवाइजर 16000 फील्ड ऑफिसर 15000/- कम्प्यूटर ऑपरेटर 3 सुरक्षागार्ड 56 वेतन योग्यता अनुसार आवास फ्री सम्पर्क करें- Alert SGS Private Limited, FF-6 जे.शुक्ला कॉम्प्लेक्स पचपेड़ी नाका चौक रायपुर 7747000019, 7747000016, 7746000016, 7746000019 (348)

आवश्यकता है-सफाई कर्मचारी की नियुक्ति चंदखुरी रायपुर में कुत्तों के अस्पताल में स्वीपर का झाड़ू लगाना, बर्तन, कपड़े धोने का काम है वेतन 10000 खाने रहने की सुविधा सम्पर्क करें- 7225888800 (नशेड़ी सम्पर्क न करें) (6974)

आवश्यकता है-एयरपोर्ट हेतु पक्की परमानेंट नौकरी बिना इंटरव्यू आठवीं से ग्रेजुएट पास लड़के, लड़कियां वेतन 24500 से 64500 महीना लोडर, चैकर, सुपरवाइजर, रहना खाना फंड बोनस सम्पर्क करें- 8053979338 (1225)

टैक्स कंसलटेंट

टैक्स कंसलटेंट- इनकम टैक्स, जीएसटी, गुमास्ता, डायवर्शन, अकाउंटिंग, एमएसएमई पंजीयन, फूड लाइसेन्स, लीगल कंसल्टेन्सी इत्यादि कार्यों हेतु सम्पर्क करें- सुयश अग्रवाल टैक्स कंसलटेंट, सेकेण्ड फ्लोर मुल्कराज कॉम्प्लेक्स व्यापार विहार बिलासपुर 9009101660, 9244068285 (39185)

Advertisement Booking Time 10.30 AM to 4.00 PM

भवन निर्माण

भवन निर्माण-सिविल निर्माण परामर्श, पर्यवेक्षण, बिलिंग, अनुमान, परीक्षण एवं बिलिंग ऑडिट कार्य के लिए 28 वर्षों के अनुभव वाले सिविल इंजीनियर से सम्पर्क करें- 7587483116, 877773579 Email- ssm2502bridge@gmail.com (39171)

बेचना

बेचना है-बिलासपुर गोल्डन पार्क छतौना रोड में हाईकोर्ट से लगा हुआ TNC Rera रजिस्टर्ड कालोनी में 35×52= 1820 वर्गफुट जमीन अतिशीघ्र बेचना है सम्पर्क करें- 9109818177 (39166)

बेचना है-जमीन जिले के भविष्य विकसित सीपत में निवेश करें आवासीय डायवर्टेड प्लाट, मकान, दुकान, कृषि भूमि की खरीदी बिक्री हेतु सीधे भूस्वामी से सम्पर्क करें। वाजिब रेट ईमानदारी का सौदा प्रॉपर्टी डीलर भी सम्पर्क करें। फाईनेन्स उपलब्ध राजू एण्ड इमरान प्रापर्टी नवाडीह भूपेन्द्र सम्पर्क- 8349566067 (39140)

बेचना है-2016 की टोयोटा इनोवा क्रिस्टा 2.4V मैनुअल सेकेंड टॉप मॉडल केवल 90000किमी चली गाड़ी बहुत अच्छी रनिंग कंडीशन में बेचना है सम्पर्क करें- 7725043140 (39176)

बेचना है-न्यू पिकनिक स्पॉट खोन्धरा, शांत, सुरक्षित, सबसे कम दाम शानदार भवन शादी, पार्टी पिकनिक स्कूल टूर बाटनिकल गार्डन हेतु सम्पर्क करें- सार्थक फार्म स्टे- रमेश 7587298733 (39139)

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेंवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें

- जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल काम्पलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
- जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230
- शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटी:- मो. 9993567380, 8770837744
- एड प्रयास:- मो. 9826701269, 9926003943
- श्यामनानी एडवरटाईजर्स:- मो. 9827168452, 9300625174
- रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटी:- मो. 9826129386, 8319503386
- जे.जे. एडवरटाइजर्स:- मो. 9300659628
- भार्गव एडवरटाइजर्स:- मो. 9827167997
- श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:- मो. 9826705603
- एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:- मो. 9827180896, 9131155033
- रौनक पब्लिसिटी:- मो. 9300328290, 9981658490
- श्री श्याम पब्लिसिटी:- मो. 9425540759
- अमित पब्लिकेशन:- मो. 9826304304, 9827124304
- विप्रा विज्ञापन सेवा:- मो. 9302462506
- माधवास & कम्पनी:- मो. 9977185123, 9893115084
- बालाजी एडवरटाइजर्स:- मो. 9827466133, 9907047586

जर्मनी और नीदरलैंड की दमदार जीत, दोनों टीमों ने वर्ल्ड कप का टिकट किया पक्का

जर्मनी ने 1954, 1974, 1990 और 2014 में जीता था फुटबाल विश्व कप

एजेंसी ▶▶| बर्लिन

जर्मनी और नीदरलैंड ने बड़ी जीत दर्ज करके अगले साल होने वाले विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट में जगह बना ली है। जर्मनी ने स्लोवाकिया को 6-0 से हराकर अपने ग्रुप में शीर्ष पर रहकर विश्व कप के लिए हमेशा क्वालीफाई करने का अपना गौरवपूर्ण रिकॉर्ड कायम रखा। चार बार की चैंपियन जर्मनी की टीम 23वें विश्व कप में 21वीं बार फुटबॉल के सबसे बड़े मंच पर अपनी चुनौती पेश करेगी।

जर्मनी ने 1930 में खेले गए पहले विश्व कप में भाग नहीं दिया था जबकि 1950 में उसे विश्व कप में भाग लेने की अनुमति नहीं दी गई थी। जर्मनी का पुराना प्रतिद्वंद्वी नीदरलैंड भी अपने ग्रुप में शीर्ष पर रहकर अगले साल अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में होने वाले टूर्नामेंट में जगह बनाने में सफल रहा।

नीदरलैंड अपराजित रिकॉर्ड के साथ किया क्वालीफाई

नीदरलैंड की टीम ने लिथुआनिया पर 4-0 की जीत के साथ अपराजित रिकॉर्ड के साथ क्वालीफाई किया और वह अपने ग्रुप में पोलैंड से आगे रही। स्लोवाकिया और पोलैंड के पास अभी विश्व कप में जगह बनाने का मौका है। इसके लिए उन्हें प्लेऑफ में खेलना होगा, जिसका ड्रॉ गुरुवार को होगा। जर्मनी और नीदरलैंड के अलावा इंग्लैंड, फ्रांस, पुर्तगाल, क्रोएशिया और नॉर्वे यूरोप से विश्व कप में जगह बनाने वाली अन्य टीम हैं।

स्लोवाकिया से तीन अंक आगे रहा जर्मनी

स्लोवाकिया ने ग्रुप ए के पहले दौर के मैच में जर्मनी को 2-0 से हरा दिया था। यह विश्व कप क्वालीफाइंग में जर्मनों की केवल तीसरी हार थी, लेकिन इसके बाद उसने लगातार पांच मैच जीते और इसका समापन लीपजिग में स्लोवाकिया पर बड़ी जीत से किया। इस तरह से उसने शुरुआती मैच में मिली हार का बदला भी चुकता कर दिया। जर्मनी को इस मैच में केवल ड्रॉ की जरूरत थी और वह स्लोवाकिया से तीन अंक आगे रहा। जर्मनी की टीम ने 1954, 1974, 1990 और 2014 विश्व कप जीता था। नीदरलैंड की टीम अभी तक विश्व कप नहीं जीत पाई है। वह 1974, 1978 और 2010 में उपविजेता रही थी।

ऑकलैंड डब्ल्यूटीए नहीं खेलेंगी नाओमी ओसाका

यूनाइटेड कप के लिए भरी हामी

वेलिंगटन (न्यूजीलैंड)। नाओमी ओसाका ने जनवरी में न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में होने वाले एएसबी क्लासिक डब्ल्यूटीए टेनिस प्रतियोगिता से अपना नाम वापस ले लिया है और इसके बजाय वह जापान के लिए यूनाइटेड कप में खेलेंगी। चार बार की ग्रैंड स्लैम विजेता ओसाका ने सितंबर में ऑकलैंड में 2026 का अपना सत्र शुरू करने पर सहमति व्यक्त की थी, जहां वह इस वर्ष की शुरुआत में फाइनल में पहुंची थी। ऑकलैंड टूर्नामेंट के निदेशक निकोलस लैपरिन को बताया कि उन्होंने अपना मन बदल लिया है और अब वह ऑस्ट्रेलिया में ऑस्ट्रेलियाई ओपन के लिए अपनी तैयारी शुरू करेंगी।ओसाका दो से 11 जनवरी तक पर्थ में होने वाले यूनाइटेड कप के लिए शिंतारो मोचिजुकी के साथ जापान की टीम में शामिल होंगी। जापान को ग्रुप चरण में ब्रिटेन और यूनान से खेलना है। वर्ष का पहला ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट ऑस्ट्रेलियाई ओपन 18 जनवरी से मेलबर्न पार्क में शुरू होगा।

डेविस कप फाइनल्स से हटे अल्काराज

मैड्रिड। शीर्ष रैंकिंग वाले स्पेन के खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने हैमस्ट्रिंग (मांसपेशियों) की चोट के कारण इटली में होने वाले डेविस कप फाइनल्स से अपना नाम वापस ले लिया। अल्काराज ने कहा कि उन्होंने यह फैसला चिकित्सकों की सलाह पर लिया है। अल्काराज ने लिखा, ' मुझे यह घोषणा करते हुए बहुत दुख हो रहा है कि मैं बोलोग्ना में होने वाले डेविस कप में स्पेन के लिए नहीं खेल पाऊंगा।' उन्होंने कहा, 'मेरे दाहिने हैमस्ट्रिंग में सूजन है और चिकित्सकों ने मुझे खेल से दूर रहने की सलाह दी है।' 22 साल के खिलाड़ी ने कहा कि वह निराशा के साथ घर लौट रहे हैं। अल्काराज को गुरुवार को बोलोग्ना में क्वार्टर फाइनल में चौथी वरीयता प्राप्त चेक गणराज्य के खिलाफ स्पेन का नेतृत्व करना था। स्पेन ने अभी तक एक बार भी डेविस कप खिताब नहीं जीता है।

खबर संक्षेप

बाबर आजम ने मारा स्टंप्स पर बल्ला आईसीसी ने ठोका जुर्माना

दुबई। पाकिस्तान के बल्लेबाज बाबर आजम पर रावलपिंडी में श्रीलंका के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय मैच में आउट होने के बाद स्टंप्स पर बल्ला मारने के लिए मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया और एक डिमेरिट अंक दिया गया। बाबर ने आईसीसी आचार संहिता के नियम 2.2 का उल्लंघन किया, जो अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान क्रिकेट उपकरण या कपड़ों, मैदानी उपकरणों या फिक्स्चर और फिटिंग को नुकसान पहुंचाने से संबंधित है। इसके अलावा इस 31 वर्षीय बल्लेबाज के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट अंक जोड़ दिया गया है, जिससे 24 महीने की अवधि में बाबर का यह पहला अपराध बन गया। यह घटना रविवार को श्रृंखला के आखिरी एकदिवसीय मैच में पाकिस्तान की पारी के 21वें ओवर में हुई जब बाबर ने आउट होने के बाद क्रीज छोड़ने से पहले अपना बल्ला स्टंप्स पर मारा।

ढाका हवाई अड्डे पर घंटों फंसे रहे भारतीय तीरंदाज

कोलकाता। भारतीय तीरंदाजों को उस समय बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ा जब वे एशियाई चैंपियनशिप के बाद ढाका से देश लौटने के दौरान उड़ान रद्द होने के कारण लगभग 10 घंटे तक हवाई अड्डे पर फंसे रहे। यही नहीं उन्हें हिंसा प्रभावित बांग्लादेश की राजधानी में बिना सुरक्षा के एक स्थानीय बस में बिठा दिया गया और बाद में उन्हें एक घटिया आश्रय स्थल में रुकना पड़ा। भारत के 23 सदस्यीय दल के 11 सदस्य उड़ान में बार-बार हो रही देरी के कारण काफी परेशान रहे। इनमें दो नाबालिग सदस्य भी शामिल थे। इस बीच उन्होंने जिस एयरलाइंस से टिकट बुक किया था उसका भी उन्हें कोई खास सहयोग नहीं मिला। इस दल में सीनियर खिलाड़ी अभिषेक वर्मा, ज्योति सुरेखा और ओलंपियन धीरज बोम्मादेवरा भी शामिल थे।

लीजेंड्स विजन में खेलेंगी साइना और गाडे

नई दिल्ली। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल और डेनमार्क के दिग्गज पीटर गाडे 'द लीजेंड्स विजन लिगेसी टूर इंडिया' में आकर्षण का केंद्र होंगे। यह एक वैश्विक पहल है, जिसका उद्देश्य सामुदायिक कार्यक्रमों, जूनियर खिलाड़ियों के साथ जुड़ने और स्थानीय साझेदारियों के माध्यम से खेल को बढ़ावा देना है। आठ वर्षों के बाद भारत में वापसी करने वाला लीगेसी टूर 23 और 24 नवंबर को नई दिल्ली के सिरी फोर्ट स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित किया जाएगा। लंदन ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता साइना ने कहा, 'मुझे द लीजेंड्स विजन को फिर से अपने देश में लाने की खुशी है। बैडमिंटन ने मुझे जीवन में सब कुछ दिया है और युवा खिलाड़ियों को प्रेरित करने वाले तरीके से कोर्ट पर वापसी करना हमेशा विशेष होता है।'

भारत बनाम दक्षिण अफ्रीका वनडे सीरीज का दूसरा मैच 22 को

कोच गंभीर ने जुरेल और सुदर्शन से कराई अजीब प्रैक्टिस, एक पैड पहनकर स्पिनरों का किया सामना

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले मैच में स्पिन गेंदबाजों के सामने भारतीय बल्लेबाजों के संघर्ष को देखते हुए साई सुदर्शन और ध्रुव जुरेल ने स्पिनरों के सामने एक पैड पहन कर लगभग तीन घंटे तक जमकर अभ्यास किया। यह वैकल्पिक अभ्यास सत्र था, जिसमें बाएं हाथ के बल्लेबाज सुदर्शन ने अपने दाहिने पांव के पैड को निकाल कर अभ्यास किया। बाएं हाथ के स्पिनरों और ऑफ स्पिनरों के सामने अपने अगले पैर में पैड के बिना बल्लेबाजी करने का मतलब था कि उन्हें पिंडली या किसी भी खुले हिस्से पर चोट लगने से बचने के बारे में विशेष रूप से सतर्क रहना पड़ता है।

यह बल्लेबाजी अभ्यास की पुरानी पद्धति है, जिसमें कोच इस बात पर जोर देते हैं कि बल्लेबाज गेंद को रोकने के लिए अपने फ्रंट पैड की बजाय अपने बल्ले का अधिक उपयोग करें। इस तरह के अभ्यास के पीछे एक और कारण यह है कि भारत के बाएं हाथ के बल्लेबाजों में बैकफुट पर जाने की प्रवृत्ति है। इस तरह के अभ्यास से उन्हें स्पिनरों को आगे बढ़कर खेलने में मदद मिलती है।

कोच गौतम की सुदर्शन पर कड़ी नजर

सुदर्शन की तरह जुरेल ने भी एक पैड निकाल कर अभ्यास किया। वह पहले टेस्ट मैच में विशेषज्ञ बल्लेबाज के रूप में खेले थे लेकिन अपेक्षित प्रदर्शन करने में नाकाम रहे थे। टीम प्रबंधन उन्हें गुवाहाटी में भी इसी भूमिका में अंतिम एकादश में रख सकता है। वैकल्पिक सत्र के दौरान मुख्य कोच गौतम गंभीर ने सुदर्शन पर कड़ी नजर रखी, जो शुभमन गिल की जगह लेने के दावेदारों में से एक हैं। भारतीय कप्तान को गर्दन में ऐंठन के कारण दूसरे टेस्ट से बाहर बैठना पड़ सकता है। इन दोनों बल्लेबाजों में तेज गेंदबाजों के सामने भी अभ्यास किया लेकिन वह उनके सामने सहज नजर नहीं आए। आकाशदीप की गेंद कई बार उनके बल्ले का किनारा लेकर गई और यहां तक कि नेट गेंदबाजों ने भी उन्हें मूवमेंट से परेशान किया। गंभीर और बल्लेबाजी कोच सीतांशु कोटक ने ब्रेक के दौरान उनसे लंबी बातचीत की।

दोनों हाथों से गेंदबाजी करने वाले मैती ने कराई सुदर्शन, जडेजा को प्रैक्टिस

ईडन गार्डन्स में एक अप्रत्याशित गेंदबाज सुर्खियों में आया। दोनों हाथों से गेंदबाजी करने में सक्षम बंगाल के स्पिनर कौशिक मैती ने वैकल्पिक अभ्यास सत्र के दौरान दोनों भूमिकाओं को सहजता से निभाया। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में बंगाल का प्रतिनिधित्व कर चुके 26 वर्षीय मैती ने सहजता से अपनी शैली बदली और बाएं हाथ के बल्लेबाजों को ऑफ स्पिनर और दाएं हाथ के बल्लेबाजों को बाएं हाथ की स्पिन गेंदबाजी की। शीर्ष प्रथम डिवीजन क्लब कालीघाट के लिए खेलने वाले मैती ने कहा, 'यह भारतीय टीम के नेट पर गेंदबाजी का मेरा पहला अनुभव था। हालांकि मैंने ईडन गार्डन्स में मुकाबलों के दौरान विभिन्न फ्रेंचाइजी के आईपीएल नेट सत्र में गेंदबाजी की है। आज मैंने साई सुदर्शन, वाशिंगटन सुंदर, रविंद्र जडेजा और देवदत्त पडिक्कल को ऑफ स्पिन गेंदबाजी की। ध्रुव जुरेल को मैंने बाएं हाथ की स्पिन गेंदबाजी की।'

भारत में मेदवेदेव, रयबाकिना दिखाएंगे जलवा, 17 से टूर्नामेंट

एजेंसी ▶▶| बेंगलुरु

पूर्व अमेरिकी ओपन चैंपियन दानिल मेदवेदेव और 2022 की विंबलडन चैंपियन एलेना रयबाकिना सहित कई शीर्ष अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी 17 दिसंबर से होने वाले विश्व टेनिस लीग (डब्ल्यूटीएल) में भारतीय प्रशंसकों के सामने अपना जलवा दिखाएंगे। इस प्रतियोगिता की शुरुआत 2022 में की गई थी और पहली बार भारत में इसका आयोजन किया जा रहा है। इससे पहले इस चार दिवसीय प्रतियोगिता का आयोजन संयुक्त अरब अमीरात में किया जाता रहा है। मेदवेदेव और रयबाकिना के अलावा आस्ट्रेलियाई खिलाड़ी निक किर्गियोस, फ्रांसीसी स्टार गेल मोनफिल्स और पाउला बडोसा भी इस प्रतियोगिता में भाग लेंगे।

डब्ल्यूटीएल में शुरुआत करने के लिए रोमांचित : रयबाकिना

रयबाकिना ने कहा, 'मैंने भारत में टेनिस संस्कृति के बारे में बहुत कुछ सुना है और मैं डब्ल्यूटीएल के साथ यहां अपनी शुरुआत करने के लिए रोमांचित हूं। मैं अपनी टीम के साथ कोर्ट पर हर पल का आनंद लेने के लिए तैयार हूं।' डब्ल्यूटीएल में चार टीमें राउंड-रॉबिन प्रारुप में खेलेंगी। प्रत्येक मुकाबले में पुरुष एकल, महिला एकल और दो युगल मैच खेले जाएंगे। राउंड रोबिन के बाद शीर्ष पर रहने वाली दो टीमें फाइनल में पहुंचेंगी।

पायस-स्वास्तिका ने जीता राष्ट्रीय रैंकिंग खिताब

पंचकुला। दिल्ली के पायस जैन और पीएसपीबी की स्वास्तिका घोष ने यूटीटी राष्ट्रीय रैंकिंग टेबल टेनिस टूर्नामेंट में कड़े मुकाबलों में जीत हासिल करके पुरुष और महिला एकल खिताब जीते। पुरुष एकल फाइनल में पायस ने रेलवे के आकाश की कड़ी चुनौती का सामना करते हुए 12-10, 10-12, 7-11, 11-9, 11-7, 11-8 से जीत हासिल की। महिला एकल फ़ाइनल में स्वास्तिका ने पश्चिम बंगाल की सिंड्रेला दास को छह गेम के रोमांचक मुकाबले में 12-10, 12-14, 12-10, 11-8, 9-11, 12-10 से हराया। असम के प्रियानुज भट्टाचार्य ने एम. बालामुरुगन को 4-1 से हराकर लड़कों के अंडर-19 वर्ग का खिताब जीता। लड़कियों के अंडर-19 फाइनल में पश्चिम बंगाल की सिंड्रेला दास ने तमिलनाडु की श्रेया आनंद को 4-0 से हराकर खिताब अपने नाम किया।

सात्विक-चिराग ने चीनी ताइपे जोड़ी को 48 मिनट में हराया

एजेंसी ▶▶| सिडनी

भारत के स्टार शटलर सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने चीनी ताइपे के चांग को-ची और पो ली-वेई पर सीधे गेम में जीत दर्ज करके ऑस्ट्रेलियाई ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष युगल के दूसरे दौर में प्रवेश किया।

विश्व की तीसरे नंबर की भारतीय जोड़ी ने को-ची और पो ली-वेई के खिलाफ 48 मिनट तक चले पहले दौर के संघर्षपूर्ण मुकाबले में 25-23, 21-16 से जीत हासिल की। महिला युगल में हालांकि त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद को अपने पहले मैच में इंडोनेशिया की एफ कुसुमा और एम पुष्पितसारी की जोड़ी से 10-21, 14-21 से हार का सामना करना पड़ा।

सात्विक और चिराग की शीर्ष वरीयता प्राप्त जोड़ी शुरुआती गेम में एक समय 2-6 से पीछे चल रही थी। इसके बाद भी कड़ी टक्कर देखने को मिली लेकिन चीनी ताइपे की जोड़ी ने 16-14 तक मामूली बढ़त बनाए रखी। भारतीयों ने पलटवार करते हुए 19-17 की बढ़त बना ली, लेकिन इसके बाद मुकाबला रोमांचक मोड़ पर पहुंच गया।

भारत और बांग्लादेश के बीच सीरीज स्थगित कटक और कोलकाता में होने वाले थे मैच

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की अगले महीने बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली सीमित ओवरों की घरेलू श्रृंखला को भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने स्थगित कर दिया है और इसी समय विश्व चैंपियन टीम के लिए एक वैकल्पिक कार्यक्रम तैयार करने की कोशिश कर रहा है।

बांग्लादेश के खिलाफ तीन एकदिवसीय और इतने ही टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच आईसीसी के भविष्य दौरा कार्यक्रम (एफटीपी) का हिस्सा थे और इनके कोलकाता तथा कटक में खेले जाने की उम्मीद थी।

दिसंबर में वैकल्पिक श्रृंखला

बीसीसीआई के एक सूत्र ने बताया, 'हम दिसंबर में एक वैकल्पिक श्रृंखला आयोजित करने की कोशिश करेंगे लेकिन अभी इस पर काम चल रहा है। जहां तक बांग्लादेश के खिलाफ श्रृंखला का सवाल है तो हमें इसके लिए मंजूरी नहीं मिली है।' इस महीने की शुरुआत में आईसीसी एकदिवसीय विश्व कप जीतने के बाद बांग्लादेश के खिलाफ श्रृंखला टीम की पहली श्रृंखला हो सकती थी।

हर टूर्नामेंट में पदक हासिल करना संभव नहीं : मनु

नई दिल्ली। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर ने आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप में अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन को बरकरार न रख पाने को झटका करार देते हुए हमवतन खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना की। भाकर ने कहा कि वह 'हर दिन नहीं जीत सकतीं'। हाल ही में हुए इस टूर्नामेंट में 13 भारतीय पदक विजेताओं में मनु भाकर का शामिल न होना निशानेबाजी जगत के कई लोगों के लिए थोड़ा आश्चर्य की बात है।

21 नवंबर से पर्थ में शुरू होगी 5 टेस्ट मैच की श्रृंखला

एशेज: ऑस्ट्रेलिया-इंग्लैंड के बीच प्रतिद्वंद्विता 100 साल पुरानी

एजेंसी ▶▶| मेलबर्न

बहुत कम खेल प्रतियोगिताएं एशेज जैसा इतिहास, नाटकीयता और आभा लिए होती हैं, जिसकी शुरुआत 1882 में एक समाचार पत्र में प्रकाशित शोक संदेश से हुई थी, जो बाद में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच क्रिकेट की सबसे बड़ी प्रतिद्वंद्विता का प्रतीक बन गई।

ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच एशेज को लेकर चली आ रही यह प्रतिद्वंद्विता 100 साल से भी पुरानी है, जिसका नया अध्याय 21 नवंबर से पर्थ में शुरू होने वाली पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला से लिखा जाएगा। एशेज श्रृंखला अंतरराष्ट्रीय खेलों की सबसे पुरानी और सबसे प्रतिष्ठित प्रतिद्वंद्विताओं में से एक है, जिसमें ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच टेस्ट क्रिकेट प्रतियोगिताएं शामिल हैं।

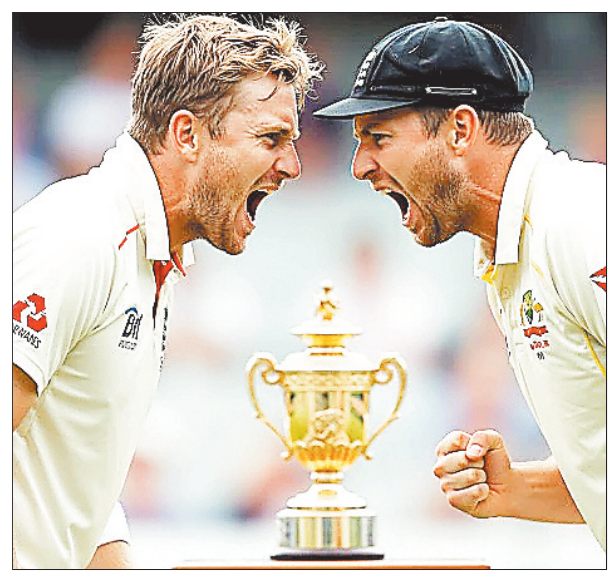

एशेज और कलश में अटूट संबंध

इंग्लैंड के कप्तान इवो ब्लाई ने उसी साल बाद में एशेज वापस लाने की शपथ लेकर अपनी टीम के साथ ऑस्ट्रेलिया का दौरा किया। इंग्लैंड की जीत के बाद एक प्रशंसक ने ब्लाई को एशेज के प्रतीक के रूप में एक छोटा सा टेराकोटा कलश भेंट किया और इस तरह एशेज और कलश का अटूट संबंध हो गया। उसी दिन ब्लाई की मुलाक़ात अपनी भावी पत्नी से हुई। यह दंपति इस कलश को अपने साथ इंग्लैंड ले गया तथा ब्लाई के निधन तक यह उनके परिवार के पास ही रहा और बाद में इसे एमसीसी को सौंप दिया गया।

1882 में हुआ था 'एशेज' शब्द का पहली बार इस्तेमाल

इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच टेस्ट क्रिकेट की शुरुआत 1877 में हुई थी। खेल के नियमों के संरक्षक मैरीलेबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) के अनुसार अगस्त1882 में द स्पोर्टिंग टाइम्स में छपे एक व्यंग्यात्मक श्रद्धांजलि लेख में हुआ था, जब इंग्लैंड की टीम पहली बार घरेलू धरती पर ऑस्ट्रेलिया से हार गई थी। इस शोक संदेश में कहा गया था कि इंग्लिश क्रिकेट का अंतिम संस्कार किया जाएगा और एशेज यानी राख को ऑस्ट्रेलिया ले जाया जाएगा।

इस दिन होंगे टेस्ट मैच

पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला शुक्रवार से पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के पर्थ में शुरू होगी। दूसरा टेस्ट ब्रिस्बेन के गाबा में चार दिसंबर से शुरू होगा। यह दिन रात्रि टेस्ट मैच होगा। तीसरा टेस्ट एडिलेड ओवल में 17 से 21 दिसंबर तक खेला जाएगा। मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड अपने पारंपरिक बॉक्सिंग डे टेस्ट की मेजबानी 26 दिसंबर से करेगा और पांचवां टेस्ट सिडनी में चार जनवरी से शुरू होगा।

त्रिपुरा के खिलाफ पारी से जीता रेलवे, राज चौधरी ने चटकाए 9 विकेट

वलसाड। रेलवे ने रणजी ट्रॉफी 2025-26 के एलीट ग्रुप-सी मुकाबले में त्रिपुरा के खिलाफ पारी और 117 रन से जीत दर्ज की। राज चौधरी इस मुकाबले के हीरो रहे, जिन्होंने मुकाबले में कुल 9 विकेट अपने नाम किए। उन्हें 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। वलसाड स्थित सरदार वल्लभाई पटेल स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में त्रिपुरा की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए महज 136 रन पर सिमट गई। इस पारी में बाबुल डे ने 42 रन, जबकि विजय शंकर ने नाबाद 44 रन बनाए। विपक्षी टीम की ओर से राज चौधरी ने 9 ओवरों में 30 रन देकर 4 विकेट हासिल किए। उनके अलावा, कुणाल यादव और आदर्श सिंह ने 2-2 विकेट निकाले। इसके जवाब में रेलवे ने अपनी पहली पारी में 9 विकेट खोकर 446 रन बनाए। इस पारी में मोहम्मद सैफ ने 15 चौकों और 3 छक्कों की मदद से 158 रन बनाए, जबकि मार्गव मेराई ने 26 चौकों के साथ 160 रन जुटाए। इनके अलावा, कुश मराठे ने 78 रन टीम के खाते में जोड़े। त्रिपुरा की तरफ से अभिजीत सरकार ने सर्वाधिक 4 विकेट निकाले।

Hero

1.25M
CELEBRATING
125 MILLION CUSTOMERS

नए रिश्तों की शुरूआत, हीरो पे सवार.

HF Deluxe Pro

एक्स-शोरूम कीमत
~~₹63 688~~ ₹58 712#

GST लाभ
₹4 976

इंस्टेंट डिस्काउंट
₹10 000^
HDFC BANK FESTIVE TREATS क्रेडिट कार्ड
Powered by pine labs

+

प्रतिदिन EMI
₹59$
से शुरू

डाउन पेमेंट
₹999$
से शुरू

विशेष कॉर्पोरेट ऑफर्स
₹2 200~
तक

INDIA'S FIRST 5 YEAR WARRANTY* *Conditions apply

Hero GoodLife
पाएं जीतने का मौका
100% कैशबैक | 24 कैरट सोने का सिक्का
और कई अन्य सुनिश्चित लाभ*

Additional offers on:
Flipkart amazon.in

Hero MotoCorp Ltd. Regd. Office: The Grand Plaza, Plot No.2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj Phase - II, New Delhi - 110070, India. | CIN: L35911DL1984PLC017354 | For further information, contact your nearest Hero MotoCorp authorized outlet or visit us on www.HeroMotoCorp.com. Accessories and features shown may not be a part of standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. ~Offer amount and combination of offer may vary for model/variant and states and it is applicable on select models only, for a limited time period or till stock lasts. $Finance offer is at the sole discretion of the Financier, subject to its respective T&Cs, Available at select dealerships. ^T&C apply, Offer available only on limited stores. *Limited period offer, T&C apply. As per cumulative dispatch numbers till August 2025. #Ex-showroom price of HF Deluxe Kick in Chhattisgarh.

TOLL FREE
1800 266 0018

अधिकृत डीलरः बिलासपुरः सत्या हीरो 9289922464, गैलेक्सी हीरो, 9289922706, अंबिकापुरः आनंद हीरो, 9289922359, सरगुजा हीरो, 9289923110, कोरबाः शांति हीरो, 9289922813, छत्तीसगढ़ हीरो, 9289923057, रायगढ़ः गोयल हीरो, 9289922373, आदित्य हीरो, 9289923091, जांजगीरः आनंद हीरो, 9289922772, बैकुंठपुरः आर.के. हीरो, 9289922812, जशपुरः आकाश हीरो, 9289922909, एसोशिएट डीलरः खड़गांवः बंसल ऑटो एजेंसी, 7000103415, चौराः ओम ऑटो एजेंसी, 7000316070, सरियाः अग्रवाल ऑटो सेण्टर, 9993121909, गौरेलाः श्री माँ नर्मदा मोटर्स, 7587796622/7587796611, सनावलः सोनी ऑटोमोबाइल्स, 9479235816, रतनपुरः माँ महामाया मोटर्स, 9754240437/8839972027, बलोदाः श्री कमला ऑटो, 9926515216, मरवाहीः राहुल ऑटोमोबाइल्स, 8889467369/8719087320, मुंगेलीः महावीर, 9993855199, मनेन्द्रगढ़ः विवेक ट्रेडर्स, 6261178785, कटघोराः श्री शारदा एंटरप्राइज, 9809809925, शिवरीनारायणः सुल्तानिया ऑटो केयर, 9407600319, सक्तीः गोयल ऑटो, 9303571001/7000490324, खरसियाः विजय ऑटो एजेंसी, 9993093829, सीतापुरः श्रीराम हीरो, 7000043001, पत्थलगांवः ज्योति ऑटो, 9406399000, सारंगढ़ः गोपाल ऑटो सेंटर, 9827893203, सूरजपुरः आशा ऑटोमोबाईल्स, 9826440096, अकलतराः श्री ऑटो, 9424174274, कोटाः उर्मिला मोटर्स, 9340252857, श्री पुष्कर मोटर्स, 6268000180/8718888789, रामानुजगंजः प्रीति ऑटोमोबाईल्स, 8827674000, बाराद्वारः दुर्गा ऑटो एजेंसी, 8319982160, उदयपुरः बंसत ऑटोमोबाईल्स, 9406022927, तपकराः प्रीति ऑटोमोबाईल्स, 7354334545/7999851514, प्रतापपुरः तायल ऑटोमोबाईल्स, 9617218005, पटनाः आयुश ऑटोमोबाईल्स, 8839141926, पालीः आनंद ऑटोमोबाईल्स, 7089519999, राजपुरः महामाया एजेंसी, 9516209272/9340726288, मदनपुरः ओम ऑटो एजेंसी, 7000316070, सीपतः मेसर्स गणेश मोटर्स, 9993194005, महापालीः साहू ऑटोमोबाईल्स, 7746028455, लखनपुर : पीएन ऑटोमोबाइल्स, 8839193005, बटौली : इक्छा ऑटोमोबाइल्स, 8770232677, कुसमीः बोल्बम ऑटो, 8120191597, विश्रामपुरः खुशी ऑटोमोबाइल, 9826775718, झरगांवः ऐबानी मोटर्स, 7849000000, रामानुजनगर : जयसवाल ऑटो , 9926015773, बलंगीः नमो ऑटोमोबाइल्स, 9977876863, भैयाथानः आनंद ऑटोमोबाइल्स, 9977221111, प्रेमनगरः मानस ऑटोमोबाइल्स, 9131301594, लोरमीः महेश मोटर्स, 7974700929, खैरागढ़ः पुष्पक बिक्री, 9425554343, भानपुरीः अपराशा ऑटोमोबाइल्स, 9981009491, ऐडिशनल वर्कशॉपः अम्बिकापुरः आनंद ऑटोमोबाईल्स, देवीगंज, 7771008601/9289922359, जेन्युइन स्पेअर पार्ट्स के लिए संपर्क करें: अधिकृत स्टॉकिस्टः ओरियन ऑटोव्हील्स, 07752-252088, अधिकृत सिटी वर्कस्: उरगाः बालाजी सर्विस स्टेशन, 279600, डीलर एक्सटेंशन काउंटरः बिलासपुर (सकरी): सत्या सर्विसेज़, 9111107951, गैलेक्सी हीरो (जगमल चौक) 8085152612, चम्पाः आनंद हीरो, 7909901444, कोरबाः शांति हीरो, 7440299000, Hero Sure (Buy, Sell, Exchange Any Used Two Wheeler) बिलासपुरः सत्या हीरो, 9289922464, खड़गांवः बंसल ऑटो एजेंसी, 7000103415.

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com